बिलासपुर, मंगलवार 18 फरवरी 2025
haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

पंचायत चुनाव में डाला वोट

अलग खबर

सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित, पर चुनाव में भाग लेने का जज्बा कायम

20 किमी का सफर पैदल तय करके मतदान करने पहुंचे ग्रामीण, लोकतंत्र में निभाई सहभागिता

शेख हसन खान ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखंड मैनपुर क्षेत्र के पहाड़ी के उपर बसे विशेष पिछड़ी कमार जनजाति एवं आदिवासी ग्रामीण मतदान करने पैदल लगभग 20 किमी का सफर करके मतदान केंद्र पहुंचे और वोट डालकर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता निभाई।

मैनपुर विकासखंड क्षेत्र के कुल्हाड़ीघाट ग्राम पंचायत पहाड़ी के उपर बसे ग्राम कुरूवापानी, ताराझर, मटाल, भालुडिग्गी के ग्रामीण सोमवार को मतदान करने कुल्हाड़ीघाट पहुंचे थे। यहां के ग्रामीणों को वोट डालने के लिए लगभग 20 किमी पगडंडी के सहारे रास्ते को तय करना पड़ता है। पैदल मतदान करने पहुंचे ग्रामीणों ⏭ शेष पेज 8 पर

अमली के ग्रामीणों ने तय किया 17 किमी का सफर

ब्लाक की इंदागांव ग्राम पंचायत अन्तर्गत ग्राम अमली के ग्रामीण 17 किमी पैदल यात्रा करते हुए मतदान करने पहुंचे थे। ग्रामीण मनोहर सिंह, श्यामबाई, अमर नागेश, दशरथ सोरी, दसरी बाई, पीला नेताम, अहिल्या बाई, तिजूराम, बैशाखु, खेजाबाई, मोहनी, सुकबती ने बताया कि हर पांच साल में चाहे विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा या फिर ग्राम पंचायत ग्रामीण मतदान ⏭ शेष पेज 8 पर

इन्होंने तय की 10-15 किमी की दूरी

ग्राम पंचायत दबनई के आश्रित ग्राम लेड़ीबहार, डडईपानी से ग्रामीण 15 किमी दूरी तय कर और ग्राम पंचायत तुहामेटा के आश्रित ग्राम कंवरआमा नारीपानी से 10 किमी दूरी तय कर पैदल मतदान करने पहुंचे। ग्राम डुमरघाट के ग्रामीण भी 18 किमी पैदल चलकर झरियाबाहरा मतदान करने पहुंचे यहां की ग्रामीणों की प्रमुख मांग सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा है, जो उन्हें अब तक नसीब नहीं हुई है।

'मछली पार्टी' पर हंगामा, मतदान दल पर पथराव

- ग्रापं अर्जुनी से बैरंग लौटा दल रिजर्व पार्टी ने कराया मतदान

धमतरी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए ग्राम अर्जुनी पहुंचे मतदान दल पर कुछ लोगों ने पथराव किया। इससे मतदान दल के अधिकारी दहशत में आ गए। बिना मतदान करवाए ही वे रात में लौट आए। इसके बाद रिजर्व मतदान दल भेजकर मतदान करवाया गया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में धमतरी और मगरलोड ब्लाक में चुनाव हुआ। मतदान से पहले ही ⏭ शेष पेज 8 पर

चुनाव की झलकियां

हल्दी की रस्म के बीच निभाया कर्तव्य

मैनपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में 17 फरवरी को गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड में मतदान हुआ। ग्राम पंचायत भैसमुड़ी के सोबनाथ ने अपने विवाह अवसर के दौरान हल्दी रस्म के बीच में ही मतदान करने केंद्र पहुंचे। मतदान कर अपने कर्तव्य को निभाया। उसके बाद बाकी रस्में निभाईं।

गलत मतपत्रों से मतदान

राजनांदगांव जिले के जोरातराई गांव में जनपद सदस्य पद को लेकर मतदान में गलत मतपत्र बांट दिए गए। करीबन 64 मतदाताओं द्वारा मतदान किए जाने के बाद सही मत पत्र दिया गया।

बुजुर्ग को हार्ट-अटैक

धमतरी। 80 साल के बुजुर्ग मतदाता की अचानक मौत हो गई। बुजुर्ग मतदाता जैसे ही मतदान केंद्र क्रमांक 2 पर मतदान के लिए पर्ची लेने पहुंचे, वैसे ही उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वे वहीं गिर पड़े।

टटेंगा में मतदान का बहिष्कार

बालोद। डौंडीलोहारा ब्लॉक के ग्राम पंचायत टटेंगा के ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर। ग्राम टटेंगा में ग्राम से न तो किसी ने सरपंच प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया है और न ही पंच प्रत्याशी का। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी कसही ग्राम से अलग कर स्वतंत्र ग्राम पंचायत का दर्जा नहीं दिया गया।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का पहला चरण, बेखौफ पहुंचे ग्रामीण

इतिहास में पहली बार नक्सलियों ने नहीं किया चुनाव बहिष्कार, वोटिंग के लिए लंबी लाइनें

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले दौर का मतदान बस्तर संभाग के सभी 7 जिले के अनेक ब्लॉकों में हुआ। ग्रामीण क्षेत्र के इस चुनाव में संवेदनशील नक्सल प्रभावित इलाकों में भी ग्रामीणों ने बेखौफ होकर मतदान किया। ऐसे इलाकों में भी मतदान के लिए सुबह से ही लंबी-लंबी कतारें लगी रही। इससे पहले नक्सली चुनाव बहिष्कार का ऐलान करते रहे हैं। लेकिन इतिहास में पहली बार नक्सलियों ने चुनाव बहिष्कार का कोई फरमान जारी नहीं किया है। इसके चलते अंदरूनी इलाकों में चुनाव लड़ने के लिए ग्रामीणों में उत्साह देखा गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

झीरम कांड के लिए देश दुनिया में चर्चित बस्तर जिले के दरभा ब्लॉक में 80.5 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं जगदलपुर ब्लॉक में 86 फीसदी मतदान होना बताया गया है। सुकमा जिले के सुकमा ब्लॉक, बीजापुर जिले के बीजापुर ब्लॉक और दंतेवाड़ा जिले के दंतेवाड़ा और गीदम ब्लॉक में आज मतदान हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक दक्षिण बस्तर के इन संवेदनशील ब्लॉकों में भी 75 से 80 प्रतिशत तक मतदान होने की खबर है।

बस्तर में 75 से 80 फीसदी मतदान की खबर

शहरों से ज्यादा गांवों की महिलाएं जागरुक, जमकर किया मतदान

- पंचायत चुनाव का पहला चरण 53 ब्लॉक में हुआ मतदान, 20 को दूसरे चरण की तैयारी
- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जमकर वोटिंग, लंबी कतारें दिखीं, बड़ी संख्या में पहुंचे मतदाता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं के तीन चरणों में होने वाले मतदान के पहले चरण में सोमवार को गांव-गांव में महिला मतदाताओं की जागरुकता देखने को मिली। सामान्य गांवों के साथ- साथ नक्सल प्रभावित इलाकों में भी जमकर मतदान हुआ है। इन गांवों में महिलाओं ने बढ़चढ़ कर लोकतंत्र के चुनावी उत्सव में अपनी भागीदारी दिखाई है। यही कारण रहा है कि पहले चरण के चुनाव में महिला वोटों की संख्या पुरुषों से अधिक रही।

दूसरी ओर हाल में हुए नगरीय निकायों के चुनाव में जहां शहरी वोटरों ने मतदान किया है, वहां महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले कम रही थी। पंचायतों के लिए सुबह 7 बजे से दोपहर तीन बजे तक मतदान का समय रखा गया था। मतदान केंद्रों में सुबह से ही वोटरों की कतारें देखी गई। कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर आमतौर पर यह मतदान शांति पूर्ण रहा है। खास बात ये है कि पंचायतों के चुनाव में आज ही मतदान, मतगणा और मतदान दलों की वापसी हो रही है। शाम 7 बजे तक सामने आए अनंतिम आंकड़ों के मुताबिक पुरुषों ने 75.52 प्रतिशत तथा महिलाओं ने 76.10 प्रतिशत संख्या में वोट डाले हैं।

सीएम साय ने कहा- लोकतंत्र हो रहा है मजबूत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कहा कि बस्तर में गनतंत्र के ऊपर गणतंत्र की विजय हो रही है। यह उन सभी ग्रामीणों की जीत है, जिन्होंने भय को त्यागकर लोकतंत्र को अपनाया। यह सुरक्षाबलों के परिश्रम, सरकार की दूरदृष्टि और जनभागीदारी का प्रतिफल है। लोकतंत्र की इस जीत में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

शाम 7 बजे की स्थिति में मतदान का प्रतिशत

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव 2025 अंतर्गत सोमवार को प्रथम चरण में शाम 7:00 बजे तक हुए मतदान की प्रारंभिक जानकारी सामने आई है। कई मतदान केंद्र पर मतदाताओं की लाइन लगी होने के कारण मतदान जारी है मतदान के अंतिम आंकड़े अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद जारी किए जाएंगे

पुरुष	-	75.52 प्रतिशत
महिला	-	76.10 प्रतिशत
औसत	-	75.86 प्रतिशत

ग्रामीण महिलाएं शहरियों से आगे

खास बात ये है कि हाल ही में हुए नगरीय निकायों के चुनाव में राज्य में पुरुषों ने 73.03 प्रतिशत मतदान किया। वहीं महिलाओं के मतदान का प्रतिशत 72.02 प्रतिशत रहा। इस हिसाब से देखा जाए तो राज्य की ग्रामीण महिलाएं वोट डालने को लेकर शहरियों से अधिक जागरुक व जिम्मेदार हैं।

पहले चरण का चुनाव 53 ब्लॉक में

पहले चरण में कुल 53 ब्लॉक के पंचायत का फैसला जनता करेगी। वोटिंग के लिए 9873 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। पंचायत चुनाव के लिए पहले चरण में आज 53 ब्लॉक के लिए मतदान हुआ है। पहले चरण में वार्ड पंच के लिए 60,203, सरपंच के लिए 14,646, जनपद पंचायत सदस्यों के लिए 4,587 और जिला पंचायत सदस्यों के लिए 702 उम्मीदवार मैदान में हैं।

खबर संक्षेप

पूजा स्थल कानून की याचिकाओं पर कोर्ट खफा

नई दिल्ली। पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम पर कई याचिकाएं दायर होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तीन न्यायाधीशों की पीठ 1991 के कानून से संबंधित लंबित नोटिस के बाद की याचिकाओं पर अप्रैल में सुनवाई करेगी।

राजदूतों ने राष्ट्रपति को सौंपा परिचय पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में नेपाल और मालदीव सहित पांच देशों के राजदूतों से परिचय पत्र स्वीकार किए।

'कॉन्क्लेव' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार

लंदन। थ्रिलर फिल्म कॉन्क्लेव ने रविवार को 78वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवार्ड्स (बाफ्टा) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म सहित चार पुरस्कार जीते। वहीं, कई तरह के विवादों में घिरी संगीतमय फिल्म 'एमिलिया पेरेज' ने भी कई पुरस्कार अपने नाम किए।

महाकुंभ में आग, सेक्टर आठ के दो शिविर खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महाकुंभ नगर

महाकुंभ में सोमवार को श्री कपि मानस मंडल और उपभोक्ता संरक्षण समिति के शिविरों में आग लग गई, जिस पर दमकलकर्मियों ने त्वरित काबू पा लिया। महाकुंभ में यह आगजनी की पांचवीं घटना है।

आगजनी की पांचवीं घटना

अधिकारी ने बताया कि दोनों घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुंभ) प्रमोद शर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह श्री कपि मानस मंडल शिविर के दो तंबू में अचानक आग लग गई जिसके बारे में सूचना मिलते ही अग्निशमन दल तुरंत मौके पर पहुंच गया और उस पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि इसी तरह, सोमवार अपराह्न सेक्टर-आठ में उपभोक्ता संरक्षण समिति शिविर में भी आग लग गई जिस पर तत्काल काबू पा लिया गया।

जनहानि नहीं, पर सामान जल गए

आग की चपेट में आने से कवि मानस मंडल के तीन टेंट और उपभोक्ता संरक्षण समिति के दो से तीन टेंट जलकर राख हो गए। हालांकि, घटना के समय टेंट में कोई मौजूद नहीं था, लेकिन वहां रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और मौके की स्थिति सामान्य कर ली गई है।

कब-कब हुई घटना

19 जनवरी: सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में आग लगी थी, हादसे में 180 कॉटेज जले

30 जनवरी: सेक्टर 22 में आग लगी थी, जिसमें 15 टेंट जले

7 फरवरी: सेक्टर-18 में आग लगी थी। हादसा शंकराचार्य मार्ग पर हुआ था, जिसमें 22 पंडाल जले

15 फरवरी: सेक्टर 18-19 में आग लगी। दावा किया कि नोट से भरे 2 बैग जल गए

17 फरवरी: सेक्टर-8 में आग लगी। इस पर जल्द ही काबू पा लिया गया।

सवा करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

महाकुंभ में सोमवार को शाम तक 1.23 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। प्रयागराज के सभी 7 एंट्री पॉइंट जाम हो गए। प्रयागराज से गुजरने वाली 19 ट्रेनों का रूट बदला गया है। वाहनों को संगम से 10-12 किमी पहले बनाई गई पार्किंग में रोका जा रहा है, जिससे लोगों को संगम तक पैदल ही जाना पड़ रहा है।

तुमरीगुड़ा व पाहुरनार में पहली बार मतदान

ट्रैक्टर में पहुंचे मतदाता

- इंद्रावती नदी पर पुल बनने के बाद पहली बार मतदान
- महिलाओं में दिखा जबरदस्त उत्साह छोटे बच्चों को गोद में लेकर पहुंची

इससे पूर्व तक धूर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलियों द्वारा मतदान करने वालों की उंगलियां काटने तथा जान से मारने की धमकी दी जाती थी। वहीं आज ट्रैक्टरों में भरकर मतदाता पहुंचे मतदान केन्द्रो तक और बढ़-चढ़ मतदान किया। नक्सलगढ़ में ⏭ शेष पेज 8 पर

जगदलपुर/गीदम। दंतेवाड़ा जिले का तुमरीगुड़ा व पाहुरनार दो ऐसे गांव है जहां इससे पूर्व तक इक्का दुक्का मतदाता ही नाव से बारसूर आकर मतदान किया करते थे लेकिन इन्द्रावती नदी में पुल बनने के बाद तस्वीर बदली हुई नजर आई यहां मतदाताओं ने बेखौफ होकर अपने गांव में पहली बार मतदान किया। मतदान के प्रति लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस गांव में पहली बार जिला और जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और पंच का चुनाव हो रहा है। तुमरीगुड़ा गांव के मतदाताओं ने पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

⏭ शेष पेज 8 पर

भाजपा ने बोला हमला, कांग्रेस ने बयान से किया किनारा

सैम बोले- चीन भारत का दुश्मन नहीं, मचा बवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के सीनियर नेता और राहुल गांधी के करीबी सैम पित्रोदा ने एक बड़ा दावा करके नया विवाद खड़ा कर दिया है। सैम पित्रोदा ने कहा है कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। उनका कहना है कि भारत को चीन को अपना दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। पित्रोदा ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम पड़ोसी देश को पहचानें और उसका सम्मान करें। पित्रोदा ने भारत-चीन संबंधों पर कहा कि भारत को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है। यह ⏭ शेष पेज 8 पर

सभी देशों को एक साथ आने का समय

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने यह भी कहा कि अब सभी देशों को एक साथ आने का समय है। हमें सीखने, संवाद बढ़ाने, सहयोग करने और मिलकर काम करने की जरूरत है। हमें कमांड और कंट्रोल की मानसिकता से बाहर निकलना होगा।

भाजपा ने कांग्रेस पर बोला हमला: भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस की 'मोहब्बत की दुकान' राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए है। त्रिवेदी ने कहा कि यह भारत की प्रतिष्ठा के लिए झटका है और उनके बयानों से ऐसा लगता है कि भारत हमलावर है। उन्होंने कहा, साफ है कि यह कांग्रेस पार्टी द्वारा चीन के साथ किए गए समझौते की अभिव्यक्ति है।

जयराम बोले- यह कांग्रेस के विचार नहीं

कांग्रेस नेता और महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि, सैम पित्रोदा का बयान पार्टी के विचार नहीं हैं। एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- सैम पित्रोदा की तरफ से चीन पर व्यक्त किए गए विचार निश्चित रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं। चीन हमारी सबसे बड़ी विदेश नीति, बाहरी सुरक्षा और साथ ही आर्थिक चुनौती बना हुआ है। कांग्रेस ने चीन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर बार-बार सवाल उठाए हैं, जिसमें 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट देना भी शामिल है।

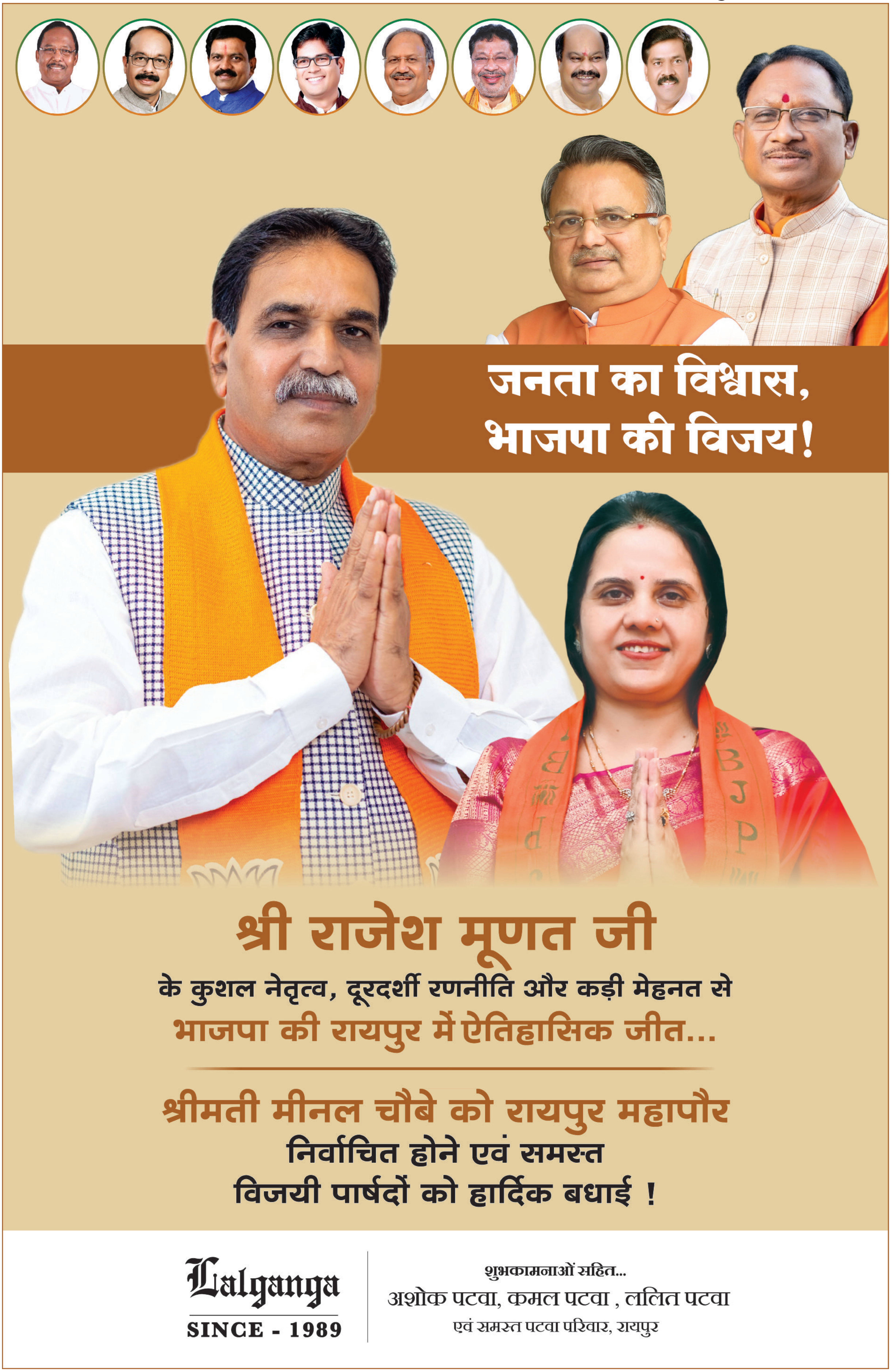
जनता का विश्वास,
भाजपा की विजय!
श्री राजेश मूणत जी
के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी रणनीति और कड़ी मेहनत से
भाजपा की रायपुर में ऐतिहासिक जीत...
श्रीमती मीनल चौबे को रायपुर महापौर
निर्वाचित होने एवं समस्त
विजयी पार्षदों को हार्दिक बधाई !
Lalganga
SINCE - 1989
शुभकामनाओं सहित...
अशोक पटवा, कमल पटवा , ललित पटवा
एवं समस्त पटवा परिवार, रायपुर

बिलासपुर, मंगलवार 18 फरवरी 2025 | फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी | वर्ष : 24, अंक : 326 | पृष्ठ : 12+6+8 = 26 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रदेश में 25.49 लाख किसानों ने बेचा 149.24 लाख मीट्रिक धान

10 फरवरी की स्थिति में 25 लाख 49 हजार 592 किसानों ने 1 करोड़ 49 लाख 24 हजार 709 मीट्रिक टन धान बेचा है। जबकि 17 जनवरी की स्थिति में 23 लाख 79 हजार 996 किसानों ने 131,822,96 मीट्रिक टन धान बेचा था। 31 जनवरी को खरीदी समाप्त हो गई। इस प्रकार 23 दिनों में 16 लाख 99 हजार 596 किसानों ने 17 लाख 42 हजार 412.04 मीट्रिक टन धान बेचा। इसका पैसा किसानों को अब तक जारी नहीं हुआ था। सोमवार को कुछ किसानों को राशि जारी की गई है। बता दें कि 7 फरवरी को छत्तीसगढ़ शासन ने 800 रुपए अंतर की राशि भी जारी की है, ये उन किसानों को मिला है, जिन्होंने अपना धान पहले बेचा। 14 और 15 फरवरी को भी अंतर की राशि जारी की गई है।

2739 समितियों के माध्यम से हो रही थी खरीदी, संग्रहण केंद्रों में 35.55 लाख मीट्रिक टन धान डंप

बता दें कि सरकार ने 15 नवंबर से 31 जनवरी के मध्य धान की खरीदी की है। वर्तमान में 2739 खरीदी केंद्रों में 35.33 लाख मीट्रिक टन अब भी पड़ा हुआ है। इनका उठान नहीं हो पाया है। 29.42 लाख मीट्रिक टन धान अलग-अलग जिलों में बनाए गए संग्रहण केंद्रों में पहुंचाया गया है। वहीं मिलिंग की बात करें तो मिलिंग के बाद 7.54 लाख टन चावल नागरिक आपूर्ति निगम और 2.19 लाख टन चावल भारतीय खाद्य निगम में जमा कराया गया है। यह खुल खरीदी का 10 प्रतिशत भी नहीं है। इस प्रकार उठाव और मिलिंग का काम प्रभावित है।

17 लाख किसानों के अटके थे 3000 करोड़ निगम चुनाव निपटते ही जारी हुए 1000 करोड़

17 जनवरी से 31 जनवरी तक धान बेचने वाले किसानों को नहीं मिला था भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर/भिलाई

अलग खबर

धान खरीदी समाप्त हो गई है। 25.49 लाख किसानों ने 31 जनवरी तक डेढ़ लाख मीटिरिक टन से अधिक धान बेचा है। खरीदी के समय किसानों को समर्थन मूल्य की राशि मिलती रही। लेकिन 17 से 31 जनवरी के बीच धान बेचने वाले करीब 17 लाख किसानों 3000 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम नहीं मिली। नगरीय निकाय चुनाव निपटते ही अब किसानों को पैसा देना शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर दो दिन पहले 1000 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

सूत्रों के अनुसार सोमवार को करीब महीनेभर बाद करीब 1 हजार करोड़ रुपए ▶▶शेष पेज 6 पर

निकाय चुनाव के बाद किसानों को राहत

महीनेभर बात इसमें से 1 हजार करोड़ रुपए जारी किया गया है। इसमें भी बड़ी संख्या में किसानों को भुगतान नहीं हो पाया है। पड़ताल में एक और बात सामने आई है कि खाद्य विभाग ने प्रदेश में 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन बैंक से लोन की स्वीकृति 145 लाख टन के लिए ली गई थी। जबकि 31 जनवरी की स्थिति में प्रदेश में 149.24 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो गई थी। इस प्रकार सरकार के पास इस अतिरिक्त खरीदी का भुगतान करने के लिए पैसे का इंतजाम किया जाना था। मार्कफेड ने पुनः प्रस्ताव तैयार कर अतिरिक्त धान खरीदी के लिए स्वीकृति ली। बैंक से लोन की प्रक्रिया की। इसके महीनेभर बाद यह राशि जारी हुई है।

विष्णुदेव साय ने तत्काल पैसा देने के दिए निर्देश, इसके बाद जारी हुई राशि

2000 करोड़ रुपए का आना अभी बाकी

हमारे पास पैसा मार्कफेड के माध्यम से आता है। 17 जनवरी के बाद से पैसा नहीं आ रहा था। सोमवार को प्रदेश के लिए करीब 1 हजार करोड़ की राशि जारी की गई है। लगभग 2 हजार करोड़ और आना है। दुर्ग जिले में 118 करोड़ भेजा गया है। 230 करोड़ के करीब अभी और आना है।

-एसके जोशी, सीईओ जिला सहकारी बैंक दुर्ग

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

खेलते समय गोली चली मासूम की गई जान

मांड्या। कर्नाटक के मांड्या जिले के नागमंगला तालुक में खेलते समय 15 वर्षीय एक लड़के से दुर्घटनावश बंदूक से गोली चल गई। इससे चार वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतक की पहचान अभिजीत के रूप में हुई है जो प. बंगाल से आये प्रवासी मजदूर का बच्चा था।

ट्रक के क्रेन को टक्कर मारने से दो की मौत

नासिक। नासिक में एक ट्रक के एक क्रेन को टक्कर मारने से दो लोगों की मौत हो गई। चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना रविवार रात साढ़े दस बजे मनमाड-नंदगांव रोड पर हुई। एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक क्रेन को टक्कर मार दी, जिससे क्रेन एक बिजली के खंभे से टकराकर गिर गई।

गृह मंत्री के बेटे के नाम से मांगे पैसे, केस दर्ज

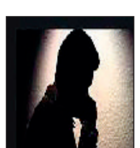

हरिद्वार। खुद को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बेटा बताकर हरिद्वार के एक विधायक से फोन पर पांच लाख रुपए मांगने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। भाजपा के विधायक आदेश चौहान की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी है। अज्ञात फोन नंबर से चौहान के मोबाइल फोन पर कॉल आई।

मुरीगंगा नदी में डूब गया बांग्लादेशी जहाज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बज बज से बांग्लादेश के लिए 'फ्लाई ऐश' लेकर जा रहा एक जहाज दक्षिण 24 परगना जिले के मुरीगंगा नदी में रेत के टीले से टकराने के बाद डूब गया। जहाज को खाली करने के बाद उसे पड़ोसी देश ले जाया जाएगा। जहाज के चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं।

बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा का मिला शव

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा ने छात्रावास में आत्महत्या कर ली। संस्थान के परिसर में तनाव है। छात्रा की पहचान नेपाल की प्रकृति लामसाल के रूप में हुई है। 'कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी' के रजिस्ट्रार ने बताया कि वह संस्थान में बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा थी।

मोक्षित कार्पोरेशन के घोटाले से जुड़ा है मामला, एमडी की चिट्ठी पर मिली विभागीय सहमति

ईओडब्लू के एक्शन के बाद दवा निगम में सर्जरी एमडी ने संदेही अफसरों को हटाने लिखा पत्र

करोड़ों रुपए के रीएजेंट घोटाले में आरोपों के घेरे में दवा कार्पोरेशन से जुड़े अधिकारियों की मूल विभाग में वापसी होगी। ईओडब्लू की जांच और मेडिकल कालेज सहित हेल्थ सेंटरों की डिमांड पूरी करने के तर्क के साथ सीजीएमएससी की एमडी ने अफसरों को बदलने शासन को चिट्ठी भेजी थी जिस पर सहमति मिल चुकी है। ईओडब्लू इस घोटाले के मामले की जांच कर रहा है।

ईओडब्लू की जांच और हेल्थ सेंटरों की डिमांड की पूरी करने बदलाव का दिया गया हवाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

मोक्षित कार्पोरेशन के साथ मिली भगत कर करोड़ों के घोटाले को अंजाम देने में सीजीएमएससी से जुड़े तात्कालीन अधिकारी बराबर के जिम्मेदार हैं। ईओडब्लू इस मामले की जांच कर रही है और अब तक घोटाले के सूत्रधार माने जाने वाले मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

इस मामले में आने वाले दिनों में और बड़ी कार्रवाई होने का संभावना है। इधर घोटाले की वजह से बदनाम हो चुके दवा कार्पोरेशन में भी बड़ा बदलाव की तैयारी चल रही है। इसमें उन अफसरों को उनके मूल विभाग वापस भेजने की तैयारी में है जो घोटाले के मामले में संदेह के दायरे में हैं और ईओडब्लू जिनसे पूछताछ कर चुकी है।

एक्शन

बदले जाएंगे ये अफसर

जिन अफसरों की मूल विभाग में वापसी की जानी है उनमें खाद्य एवं औषधि प्रशासन से आए सहायक नियंत्रक तथा दवा कार्पोरेशन में उप प्रबंधक (क्रय एवं संचालन उपकरण) सह प्रभारी महाप्रबंधक (उपकरण) कमलकांत पाटनवार, जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय दुर्ग और कोरिया से आए बायोमेडिकल इंजीनियर क्षिरौद्र रौतिया और दीपक कुमार शामिल हैं। इन्हें मूल विभाग में वापस भेजा जाएगा और उन पदों पर दूसरे अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापना की जाएगी।

लगातार खुलासों के बाद मोक्षित कारपोरेशन को तीन साल के लिए किया बैन

अंततः, मोक्षित कार्पोरेशन ब्लैक लिस्टेड, दवा निगम ने माना 789 उपकरण बिगड़े, 215 इंस्टाल ही नहीं

ईओडब्लू की एफआईआर, हरिभूमि ने किया था उसका खुलासा सिलसिलेवार

जिस ईडीटीए ट्यूब को दवा निगम ने 2352 में खरीदा, वो हरिभूमि को 1 रुपए 70 पैसे में मिला

रीएजेंट पर बड़ा एक्शन, मोक्षित के दर्जनभर ठिकानों पर छापे, 660 करोड़ का मामला

दूसरे अफसर लाए जाएंगे

इस जांच की वजह से प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्रों और बड़े अस्पतालों में रीएजेंट और उपकरणों की सप्लाई प्रभावित हो रही है। लोकहित का हवाला देकर आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने के लिए जांच के दायरे में आए अधिकारियों का स्थानांतरण कर दूसरे अफसरों को प्रतिनियुक्ति पर लाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। सीजीएमएससी की महाप्रबंधक ने बदलाव के लिए शासन को पत्र भेजा था जिस पर मुहर लग चुकी है।

मोक्षित का एमडी जेल में

मामले में मोक्षित कार्पोरेशन का एमडी शशांक चोपड़ा न्यायिक रिमांड पर जेल में है। ईओडब्लू ने उसे 28 जनवरी को गिरफ्तार किया था और दो दौर में रिमांड पर लेकर मामले में पूछताछ करने के बादस 10 फरवरी को न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया था। इस मामले में मिलीभगत करने वाले कुछ अन्य कंपनियों के कर्ताधर्ताओं ने अग्रिम जमानत की याचिका लगाई थी जिसे पिछले दिनों न्यायालय द्वारा खारिज किया जा चुका है। मामले में आरोपों से घिरे कई अफसर घोटाले के बाद दवा कार्पोरेशन से अपने मूल विभाग में वापस लौट चुके हैं।

प्रक्रिया चल रही

लोकहित में अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में उपकरण और रीएजेंट उपलब्ध करना आवश्यक है। इसे ध्यान में रखते हुए उपकरण शाखा में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों का तबादला कर नई नियुक्ति का अनुरोध किया गया था। इसकी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

-पद्मिनी भोई साहू, महाप्रबंधक सीजीएमएससी

रामलीला मैदान में समारोह

बैठक कल, 20 को शपथ लेंगे दिल्ली के नए सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के अगले मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद के रामलीला मैदान में 20 फरवरी को शपथ लेने की संभावना है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह 20 फरवरी को शाम साढ़े चार बजे होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह से पहले दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों की एक बैठक भी होगी। सूत्रों ने बताया कि बैठक के बाद सभी मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। अब भाजपा विधायक दल की बैठक बुधवार को होगी।

वर्मा, गुप्ता या कोई और

मुख्यमंत्री पद के लिए कई नवनिर्वाचित विधायकों के नाम चर्चा में हैं। शीर्ष पद के लिए सबसे आगे माने जाने वालों में प्रवेश वर्मा, भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और सतीश उपाध्याय शामिल हैं। वर्मा ने विधानसभा चुनाव में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पराजित किया था। वह जाट बिरादरी से आते हैं। ऐसे में उन्हें मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा है। पवन शर्मा, आशीष सूद, रेखा गुप्ता और शिखा राय सहित अन्य को भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

27 साल बाद भाजपा की वापसी

भाजपा पांच फरवरी को हुए विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में आई है। भाजपा ने शानदार जीत के साथ दिल्ली में आम आदमी पार्टी के 10 साल के शासन को खत्म कर दिया। भाजपा ने दिल्ली की 70 विधानसभा सीट में से 48 पर जीत हासिल की।

दिल्ली की धरती डोली, बिहार ओडिशा में भी भूकंप के झटके

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली/पटना

राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई। भूकंप से फिलहाल किसी प्रकार की क्षति होने या किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। इधर, बिहार-ओडिशा में भी झटके महसूस किए गए। बांग्लादेश में भी भूकंप की खबर है। भूकंप का केंद्र धौला कुआं के झील पार्क क्षेत्र में पांच किलोमीटर की गहराई पर था और वहां कुछ लोगों को भूकंप के बाद तेज आवाजें सुनाई देने की खबरें हैं। भूकंप के झटके सुबह पांच बजकर 36 मिनट पर महसूस किए गए।

■ घरों से बाहर निकल आए रहवासी

पीएम बोले- सतर्क रहें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। उन्होंने सभी से शांत रहने और सुरक्षा उपायों का पालन करने का आग्रह किया, साथ ही संभावित झटकों के लिए सतर्क रहने को भी कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं।

ऐसी तीव्रता

■ दिल्ली-एनसीआर-	4.0
■ सिक्किम-	2.3
■ ओडिशा का पुरी-	4.7
■ बिहार का सीवान-	4.0
■ हरियाणा-	4.0
■ बांग्लादेश-	3.5

प्राकृतिक बदलाव का परिणाम: वैज्ञानिक

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह आया भूकंप इस क्षेत्र की भूगर्भीय विशेषताओं में प्राकृतिक रूप से होने वाले बदलाव का परिणाम है, न कि प्लेट टेक्टोनिक्स के कारण ऐसा हुआ। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक ओ.पी. मिश्रा ने कहा कि धौला कुआं क्षेत्र में 2007 में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, इसका प्रभाव सोमवार के भूकंप जितना तीव्र नहीं था क्योंकि इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था।

ज्ञानेश कुमार अगले मुख्य चुनाव आयुक्त

पीएम की अगुवाई वाली बैठक में फैसला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई बैठक में अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश कुमार के नाम पर मुहर लगी है। अगले सीईसी के तौर पर नियुक्ति के लिए कानून मंत्रालय ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी पिछले साल मार्च से चुनाव आयुक्त के रूप में काम कर रहे हैं। मौजूदा सीईसी राजीव कुमार के रिटायरमेंट के बाद वह पदभार ग्रहण करेंगे, जो 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए एक सेलेक्शन कमेटी द्वारा नाम तय किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में सोमवार शाम को एक बैठक की गई। इस बैठक में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और गृहमंत्री अमित शाह भी पहुंचे।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने लंबी कानूनी खींचतान के बाद अपने एक फैसले में सीईसी की नियुक्ति के लिए सेलेक्शन कमेटी के लिए पदाधिकारी तय किए थे, जिसमें मुख्य न्यायधीश को भी शामिल किया गया था। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए नए वैधानिक प्रावधानों के लागू होने से पहले, बाकी बचे दो चुनाव आयुक्तों में से सबसे वरिष्ठ को आमतौर पर निवर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर नियुक्त किया जाता था।

नई प्रक्रिया से पहली नियुक्ति- हालांकि, ज्ञानेश कुमार नई नियुक्ति प्रक्रिया के तहत नियुक्ति पाने वाले पहले मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विपक्ष के नेता गांधी की मौजूदगी वाली चयन समिति ने उनके नाम को अंतिम रूप दिया और राष्ट्रपति को इसकी सिफारिश की।

कोर्ट से जमानत पर छूटे

धर्मांतरण को लेकर अमलेश्वर में बवाल, तीन की गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

दुर्ग के अमलेश्वर थाना अंतर्गत धर्मांतरण के एक मामले को लेकर सोमवार को भी बवाल मचा रहा। पुलिस ने इस मामले में अयोध्या नगर निवासी मीनाक्षी शर्मा की शिकायत पर डॉ. विनय साहू, कृष्णकांत कुर्रे और ढाल सिंह साहू को आरोपी बनाया है। उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि धर्मांतरण को लेकर कुछ लोगों ने थाने में शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया कि डॉ. विनय साहू 16 फरवरी रविवार दोपहर 1 बजे के करीब अपने घर में प्रार्थना सभा का आयोजन किया था। इस सभा में वह ईसाई धर्म से जुड़े दो अन्य लोगों को लेकर पहुंचे गए थे। वे लोग प्रार्थना सभा में प्रभु ईशु का बखान कर रहे थे। धर्मांतरण ▶▶शेष पेज 6 पर

जारी है जांच

थाना प्रभारी ममता अली शर्मा ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई। बहरहाल मामले में जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री के साथ मंत्री, सांसद और विधायक बने हैं राष्ट्रीय परिषद के सदस्य

छग के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य अध्यक्ष के चुनाव में बनेंगे प्रस्तावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी प्रारंभ हो गई हैं। इस माह के अंत में या फिर मार्च के पहले सप्ताह में नए अध्यक्ष का चुनाव होगा। इस बार नए अध्यक्ष के चुनाव में छत्तीसगढ़ को भी भागीदारी करने का पूरा मौका मिलेगा। प्रदेश में इस बार भाजपा प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे होने के साथ राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का भी चुनाव हो गया है। प्रदेश के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के नामांकन में प्रस्तावक और समर्थक बनेंगे। छत्तीसगढ़ की तरफ से भी एक नामांकन भरे जाने की संभावना है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले देशभर के राज्यों में भाजपा संगठन के चुनाव कराए गए। छत्तीसगढ़ में ही सबसे पहले इस साल 17 जनवरी को प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे हुए, तब यहां पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के साथ ही राष्ट्रीय परिषद के 17 सदस्यों का चुनाव कराया गया। पूरे देश में छत्तीसगढ़ संगठन चुनाव पूरा कराने वाला पहला राज्य बना। इसके बाद दूसरे राज्यों के चुनाव पूरे हुए। देश के ज्यादातर राज्यों में संगठन के चुनाव हो चुके हैं। अब राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होना है।

इनको मिलेगा प्रस्तावक, समर्थक बनने का मौका

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में कई राज्यों के राष्ट्रीय परिषद से सदस्यों से नामांकन फार्म में प्रस्तावक और समर्थक के रूप में हस्ताक्षर कराए जाते हैं। पिछली बार जब 2020 में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में जेपी नड्डा अध्यक्ष बने, तब छत्तीसगढ़ में प्रदेश संगठन का चुनाव पूरा न होने के कारण छत्तीसगढ़ को इसमें भागीदारी का मौका नहीं मिला था, लेकिन इस बार चुनाव पूरे होने के कारण छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय परिषद के 17 सदस्यों के साथ ही भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव को भी प्रस्ताव और समर्थक बनने का मौका मिलेगा। प्रदेश में जो राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बने हैं, उनमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, लता उसेंडी, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, संतोष पांडेय, विजय बघेल, रूपकुमारी चौधरी, राज्य सभा सांसद देवेंद्र राजा प्रताप सिंह, विधायक विक्रम उसेंडी, पुन्नूलाल मोहिले, प्रदेश के मंत्री दयालदास बघेल, केदार कश्यप, पूर्व विधायक ननकी राम कंवर और खूबचंद पारख शामिल हैं।

17- FEB- K&C- MAIN- Pg- 4 SAMPADKI_Layout 1 2/18/2025 12:31 AM Page 1

चिंतन

बढ़ता व्यापार घाटा चिंता का सबब, निर्यात पर हो जोर

आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल व मेक इन इंडिया कार्यक्रम के दौर में भारत का बढ़ता व्यापार घाटा चिंता का सबब है। देश से वस्तुओं का निर्यात जनवरी में 2.38 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। जनवरी, 2024 में यह 37.32 अरब डॉलर था। वहीं आयात जनवरी, 2024 के 53.88 अरब डॉलर की तुलना में पिछले महीने 10.28 प्रतिशत बढ़कर 59.42 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन महीने में व्यापार घाटा (आयात व निर्यात के बीच का अंतर) 22.99 अरब डॉलर रहा। अभी भारत को अमेरिका के साथ व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए दबाव का सामना करना पड़ रहा है और भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ आयद करने की चेतावनी दी गई है, जबकि भारत खुद चीन समेत कई देशों के साथ व्यापार घाटे का सामना कर रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 10 माह यानी अप्रैल-जनवरी के दौरान निर्यात 1.39 प्रतिशत बढ़कर 358.91 अरब डॉलर और आयात 7.43 प्रतिशत बढ़कर 601.9 अरब डॉलर रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि भारत निर्यात का दोगुना आयात कर रहा है। किसी भी अर्थव्यवस्था का आयात पर निर्भरता बढ़ना उचित नहीं है। भारत को अधिक से अधिक चीजों के उत्पादन पर ध्यान देना होगा, आयात समाधान नहीं है। अपने उद्योगों के लिए कच्चेमाल की आपूर्ति के लिए चीन पर निर्भरता कम करनी होगी। जब कोई देश निर्यात की तुलना में आयात अधिक करता है तो उसे व्यापार घाटा की स्थिति कहते हैं। इसके विपरीत जब कोई देश आयात की तुलना में निर्यात अधिक करता है तो उसे ट्रेड सरप्लस की स्थिति कहते हैं। चीन, स्विट्ज़रलैंड, सऊदी अरब, इराक, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, नाइजीरिया, कतर, रूस, जापान और जर्मनी के साथ भारत का व्यापार घाटा अधिक है। अमेरिका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, हॉन्गकॉन्ग, नीदरलैंड्स, वियतनाम और श्रीलंका के साथ भारत का ट्रेड सरप्लस है। व्यापार घाटे का सीधा असर देश की आर्थिक स्थिति विशेषकर चालू खाते, रोज़गार सृजन, विकास दर और मुद्रा के मूल्य पर पड़ता है। यदि किसी देश का व्यापार घाटा लंबे समय तक बना रहता है तो उस देश की जीडीपी दर, नए रोज़गार, और मुद्रा के मूल्य पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। दरअसल, चालू खाते में एक बड़ा हिस्सा व्यापार संतुलन का होता है तथा जब व्यापार घाटा बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ जाता है। चालू खाता घाटा विदेशी मुद्रा के देश में आने और बाहर जाने के अंतर को दर्शाता है। निर्यात के ज़रिये विदेशी मुद्रा अर्जित होती है, जबकि आयात से विदेशी मुद्रा बाहर जाती है। इसलिए आयात को हतोत्साहित करने की आवश्यकता है। अधिक आयात का मतलब विदेशी मुद्रा भंडार पर अधिक बोझ। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भी भारत के शुल्क ढांचे के खिलाफ ईयू, चीन, जापान, कनाडा, रूस समेत कई देशों ने शिकायत की थी। शिकायत में भारत द्वारा निर्यातकों को सब्सिडी देने की योजना को डब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन माना है। इस बीच अमेरिकी दबाव बढ़ा है, ऐसे में भारत के लिए आयात कम करके निर्यात बढ़ाना एक बड़ी चुनौती होगी। हमें अपनी घरेलू बाजार क्षमता का दोहन करना चाहिए व हमें निर्यात बढ़ाने के उपाय करने चाहिए, जीएसटी रिफंड की कठिनाई दूर करनी चाहिए। निर्यात प्राथमिकता वाले क्षेत्र में हो। ग्लोबल ट्रेड मंच व एफटीए का विस्तार हो। अफ्रीकन, सार्क, आसियान, ब्रिक्स देशों में निर्यात बढ़ाने के अवसर हैं। हाईटेक निर्यात बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

विश्लेषण
योगेश कुमार गोयल

कुछ भूगर्भ वैज्ञानिकों का मानना है कि अक्सर कई छोटे भूकंप बड़ी तबाही का संकेत होते हैं। दिल्ली-एनसीआर को लेकर खतरा इसलिए भी जताया जाता रहा है क्योंकि पिछले कुछ दशकों में दिल्ली-एनसीआर की आबादी काफी बढ़ी है और ऐसे में यदि यहां 6 से अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो वह भारी तबाही मचा सकता है। एनसीएस के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली को हिमालयी बेल्ट से काफी खतरा है, जहां 8 की तीव्रता वाले भूकंप आने की भी क्षमता है। दिल्ली से करीब दो सौ किलोमीटर दूर हिमालय क्षेत्र में अगर 7 या इससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो दिल्ली के लिए बड़ा खतरा है। ऐसे में सवाल है कि भूकंप से बचाव के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

भूकंप बड़े संकट की आहट तो नहीं

दिल्ली-एनसीआर में 17 फरवरी की सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर भूकंप के तेज झटकों ने अचानक लोगों की नींद उड़ा दी और दहशत में लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। झटके इतने तेज थे कि इमारतें हिलने लगी और ऐसा लगा मानो कोई बम ब्लास्ट हुआ हो। हालांकि नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक, नई दिल्ली में आया भूकंप रिक्टर स्केल पर 4.0 तीव्रता वाला ही था लेकिन इसका केंद्र नई दिल्ली में जमीन से केवल पांच किलोमीटर की गहराई पर ही था, इसीलिए इसकी गहराई कम होने और केंद्र दिल्ली में होने के कारण ही दिल्ली-एनसीआर में इसे ज्यादा महसूस किया गया। झटके इतने तेज थे कि इमारतें हिलने लगी, पेड़ों पर बैठे पक्षी भी तेज आवाज के साथ इधर-उधर उड़ने लगे और लोग खौफ के साये में अपने घरों से बाहर निकल गए। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, कई वर्षों के बाद भूकंप का केंद्र दिल्ली रहा और इसी कारण यहां लोगों को भूकंप के झटके काफी देर तक महसूस हुए। भूकंप का केंद्र नई दिल्ली के धौला कुआं में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था। राहत की बात यही है कि भूकंप के झटकों से जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन लोगों के मन में सवाल यही है कि कहीं दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत में हल्के और मध्यम भूकंप के झटके हिमालय क्षेत्र में किसी बड़े भूकंप की आशंका को तो नहीं बढ़ा रहे।

दरअसल कुछ भूगर्भ वैज्ञानिकों का मानना है कि अक्सर कई छोटे भूकंप बड़ी तबाही का संकेत होते हैं। दिल्ली-एनसीआर को लेकर खतरा इसलिए भी जताया जाता रहा है क्योंकि पिछले कुछ दशकों में दिल्ली-एनसीआर की आबादी काफी बढ़ी है और ऐसे में यदि यहां 6 से अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो वह भारी तबाही मचा सकता है। एनसीएस के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली को हिमालयी बेल्ट से काफी खतरा है, जहां 8 की तीव्रता वाले भूकंप आने की भी क्षमता है। दिल्ली से करीब दो सौ किलोमीटर दूर हिमालय क्षेत्र में अगर 7 या इससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो दिल्ली के लिए बड़ा खतरा है। हालांकि ऐसा भीषण भूकंप कब आएगा, इस बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कोई सटीक अनुमान लगाना संभव नहीं है। दरअसल भूकंप के पूर्वानुमान का न तो कोई उपकरण है और न ही कोई मैकेनिज्म। दिल्ली में बड़े भूकंप के खतरे को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग के भूकंप रिस्क असेसमेंट सेंटर द्वारा कुछ समय पहले दिल्ली-एनसीआर में इमारतों के मानक में शीघ्रातिशीघ्र बदलाव किए जाने का परामर्श दिया गया था। राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में आ रहे भूकंपों को लेकर अध्ययन चल रहा है। उनका कहना है कि इसके कारणों में भू-जल का गिरता स्तर भी एक प्रमुख वजह सामने आ रही है, इसके अलावा अन्य कारण भी तलाशे जा रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दिल्ली की ऊंची-ऊंची आलीशान इमारतें और अपार्टमेंट किसी बड़े भूकंप को झेलने की स्थिति में हैं?

विशेषज्ञों के अनुसार दिल्ली में बार-बार आ रहे भूकंप के झटकों से पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर के फॉल्ट इस समय सक्रिय हैं और इन फॉल्ट में बड़े भूकंप

की तीव्रता 6.5 तक रह सकती है। इसीलिए विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि बार-बार लग रहे भूकंप के इन झटकों को बड़े खतरे की आहट मानते हुए दिल्ली को नुकसान से बचने की तैयारियां कर लेनी चाहिए। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में निरन्तर लग रहे झटकों को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट भी कई बार कड़ा रूख अपना चुका है। हाईकोर्ट ने कुछ समय पहले दिल्ली सरकार, डीडीए, एमसीडी, दिल्ली छावनी परिषद, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को नोटिस जारी करते हुए पूछा था कि तेज भूकंप आने पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? अदालत द्वारा चिंता जताते हुए कहा गया था कि सरकार और अन्य निकाय हमेशा की भांति भूकंप के झटकों को हल्के में ले रहे हैं जबकि उन्हें इस दिशा में गंभीरता दिखाने की जरूरत है। अदालत का कहना था कि भूकंप जैसी विपदा से निपटने के लिए ठोस योजना बनाने की जरूरत है क्योंकि भूकंप से लाखों लोगों की जान जा सकती है। दिल्ली सरकार तथा एमसीडी द्वारा दाखिल किए गए जवाब पर सख्त टिप्पणी करते हुए अदालत यहां तक कह चुकी है कि भूकंप से शहर को सुरक्षित रखने को लेकर उठाए गए कदम या प्रस्ताव केवल कागजी शेर हैं और ऐसा नहीं दिख रहा कि एजेंसियों ने भूकंप के संबंध में अदालत द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश का अनुपालन किया हो। दिल्ली-एनसीआर भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील है, जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। इसीलिए अदालत को कहना पड़ा था कि केवल कागजी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा बल्कि सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर ठोस काम करने की जरूरत है। वास्तविकता यह है कि पिछले कई वर्षों में भूकंप से निपटने की तैयारियों के नाम पर केवल खानापूर्ति ही हुई है।

दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ समय में आए भूकंप के ज्यादातर झटके भले ही रिक्टर पैमाने पर कम तीव्रता वाले रहे हों और 17 फरवरी को आया भूकंप भी रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता का ही रहा हो किन्तु इस भूकंप के जोरदार झटकों ने जिस कदर लोगों को खौफजदा कर दिया, ऐसे में भूकंप पर शोध करने वाले ऐसे झटकों को बड़े खतरे की आहट मान रहे हैं। इसीलिए अधिकांश भूकंप विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली एनसीआर की इमारतों को भूकंप के लिए तैयार करना शुरू कर देना चाहिए ताकि बड़े भूकंप के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। एक अध्ययन के मुताबिक दिल्ली में करीब 90 फीसदी मकान क्रंकीट और सरिये से बने हैं, जिनमें से 90 फीसदी इमारतें रिक्टर स्केल पर छह तीव्रता से तेज भूकंप को झेलने में समर्थ नहीं हैं। एनसीएस के अध्ययन के अनुसार दिल्ली का करीब 30 फीसदी हिस्सा जोन-5 में आता है, जो भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि दिल्ली में बनी नई इमारतें 6 से 6.6 तीव्रता के भूकंप को झेल सकती हैं जबकि पुरानी इमारतें 5 से 5.5 तीव्रता का भूकंप ही सह सकती हैं। विशेषज्ञ बड़ा भूकंप आने पर दिल्ली में जान-माल का ज्यादा नुकसान होने का अनुमान इसलिए भी लगा रहे हैं क्योंकि करीब 2.25 करोड़ आबादी वाली दिल्ली में प्रतिवर्ग किलोमीटर दस हजार लोग रहते हैं और कोई बड़ा भूकंप 300-400 किलोमीटर की रेंज तक असर दिखाता है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक भूकंप की तीव्रता की अधिकतम सीमा तय नहीं की गई है। हालांकि रिक्टर स्केल पर 7 या उससे अधिक तीव्रता वाले भूकंप को अधिक खतरनाक माना जाता है। रिक्टर स्केल पर 2 या उससे अधिक तीव्रता वाला भूकंप 'सूक्ष्म भूकंप' कहलाता है, जिसके झटके सामान्यतः महसूस नहीं होते। 4.5 की तीव्रता वाले भूकंप घरों को क्षतिग्रस्त कर सकते हैं। बहरहाल, यहां सवाल यह है कि निरन्तर आ रहे भूकंप को रोका कैसे जाए और इसके लिए क्या कदम उठाए जाएं?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

आस्था
प्रो. महेश चंद गुप्ता

महाकुंभ के दौरान साठ करोड़ ने संगम में क्यों लगाई डुबकी

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान संगम में माघ पूर्णिमा के दिन जब मैं डुबकी लगा रहा था तो मेरे इर्द-गिर्द हजारों, लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों लोग स्नान कर अपने को पुण्यभागी मान रहे थे। अब तक कुल मिलाकर करीब साठ करोड़ लोग महाकुंभ स्नान कर चुके हैं। दो दिन तक प्रयागराज प्रवास और फिर लौटते हुए यही प्रश्न मन-मस्तिष्क में कौंध रहा है कि देश की आधी आबादी महाकुंभ में क्यों पहुंच गई है। आखिर साठ करोड़ लोगों ने कुंभ में डुबकी क्यों लगाई है? अपने आपसे यह प्रश्न पूछ रहा हूं और इसका जवाब हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं। जीवन के सत्तर बरसों में आज तक बहुत कम ऐसे प्रश्न खड़े हुए हैं, जिनका समुचित उत्तर पाने के लिए इतना सोचना पड़ रहा हो। कई बार अर्ध कुंभ एवं कुंभ दर्शन किए हैं पर 144 साल बाद आया महाकुंभ तो हैरत में डाल रहा है। सोच रहा हूं क्या महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन है? अपने ही अन्तर्मन से जवाब मिलता है-नहीं...नहीं... यह तो सनातन संस्कृति की अक्षुण्ण धारा, आस्था की शक्ति और मोक्ष की ओर बढ़ने का अद्भुत साधन है। यह हमारी उन परंपराओं का प्रतीक और प्रमाण है, जो सदियों की गुलामी और समय के थपेड़ों के बावजूद आज भी जीवित हैं। संसार में कई सभ्यताएं मिट गईं लेकिन भारतीय संस्कृति का अस्तित्व अपनी मूल आत्मा के साथ आज भी बरकरार है। यह महाकुंभ न केवल धार्मिक जागरूकता का प्रतीक है बल्कि भारतीय समाज की एकता, समरसता और आध्यात्मिक शक्ति का जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। मैंने प्रयागराज में संगम पर विभिन्न प्रांतों से पधारे देशवासियों से चर्चा की। निष्कर्ष यह निकला कि उनके लिए महाकुंभ में स्नान केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और मोक्ष की यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण भी है। मेरे आसपास जैसे ही श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के महासंगम में डुबकी लगाई, उनके चेहरे के भावों से ऐसा लगा-जैसे उन्हें जीवन का सर्वोच्च आनंद प्राप्त हो गया हो। मैंने केरल, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, गुजरात और तमाम राज्यों से आए श्रद्धालओं को अपनी तकलीफें और जीवन की परेशानियां भूलकर एक नई ऊर्जा से भरते हुए देखा। मैंने उन्हें देख यह महसूस किया कि यही सनातन धर्म की शक्ति है जहां आस्था और विश्वास से हर कठिनाई छोटी लगने लगती है।

क्या महाकुंभ केवल एक उत्सव है, कुछ श्रद्धालुओं से पूछा तो वह बोले-महाकुंभ हमें आत्मचिंतन और आत्मबोध की प्रेरणा भी देता है। हम इसे मात्र तीर्थयात्रा नहीं मानते बल्कि इसे जीवन को बदलने वाली आध्यात्मिक यात्रा के रूप में अनुभव करते हैं। मुझे प्रयागराज में ऐसे संतों के दर्शन हुए जिन्हें कुछ भी नहीं चाहिए था और ऐसे सांसारिक लोग भी मिले जिन्हें बहुत कुछ पाने की चाह थी। कई लोग जीवन की आपाधापी से परेशान होकर मानसिक शांति की तलाश में आए थे तो कुछ लोग यात्रा के तमाम कष्ट उठा कर केवल इस दिव्य तीर्थ अनुभव का हिस्सा बनने के लिए पहुंचे हैं। हर तरफ अपार जन ज्वार देखकर एक बात समझ में आई कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति की जीवंतता, इसकी गहराई और व्यापकता का सबसे बड़ा प्रमाण है। महाकुंभ प्रेम, अपनत्व और 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को साकार करता है। प्रयागराज में हर कोई जाति, धर्म, वर्ग और सामाजिक स्थिति से ऊपर उठकर केवल श्रद्धालु बनकर ही आया है। महाकुंभ पर्व ने बता दिया है कि भारतीय संस्कृति की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं जो सफलता से खड़ी हैं। महाकुंभ राष्ट्र की मजबूती का प्रतीक भी बनकर उभरा है। इसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए हैं। एक आम श्रद्धालु से लेकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक। महाकुंभ में न जाति का भेद दिखता है, न ऊंच-नीच का अंतर। हर व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म, समाज या वर्ग से हो, समान भाव से महासंगम में स्नान कर रहा है। इस प्रकार महाकुंभ ने हमारे समाज की एकता और भाईचारे का सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसमें देश के व्यावसायियों, उद्योगपतियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने केन्द्र व राज्य सरकार, संतों और अखाड़ों के साथ कदम से कदम मिलाकर सुविधाओं का विस्तार करके नए आयाम स्थापित किए हैं। यूपी सरकार के अनुसार इस महा आयोजन से रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं और लगभग तीन लाख करोड़ का राजस्व उत्पन्न होने का अनुमान है। बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने अपनी श्रद्धा से करोड़ों रुपये खर्च कर भंडारे और सेवा शिविर लगाएं हैं, जिससे लाखों लोगों को भोजन और आवश्यक सुविधाएं मिली हैं।

(लेखक चिंतक, शिक्षाविद् व वक्ता हैं। डीयू में 44 वर्ष तक प्रोफेसर रहे हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

व्यक्ति को निरंतर रूप से निखारती है आत्म-प्रतिस्पर्धा

संकलित
दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह अनेक छोटे-बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। समाज का अंग होते हुए, समाज में अपनी पहचान बनाना भी प्रत्येक व्यक्ति का एक उद्देश्य जैसा ही प्रतीत होता है। इन उद्देश्यों, लक्ष्यों व उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए चल रहे अनवरत प्रयत्नों के फलस्वरूप एक सामाजिक प्रक्रिया जन्म लेती है। इस सामाजिक प्रक्रिया का नाम है-प्रतिस्पर्धा। यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो बेहतर प्रदर्शन करने की तीव्र लालसा। यह लालसा एक अबोध शिशु से लेकर एक वृद्ध तक सभी में विद्यमान रहती है। वस्तुतः जब आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती, तो प्रतिस्पर्धा स्वतः ही जन्म ले लेती है। प्रतिस्पर्धा में कदाचित विरोध व ईर्ष्या की भावनाएं भी अंतर्निहित होती हैं, किंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा स्वस्थ नहीं कही जाती। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा वास्तव में उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिस्पर्धा की यही विशेषता इसे संघर्ष से अलग करती है। एक अन्य विशेष बात यह है कि प्रतिस्पर्धा किसी तंत्र विशेष तक ही सीमित रहती है। एक विशेष तरह की प्रतिस्पर्धा एक विशेष तंत्र में ही दृष्टिगोचर होती है। किसी व्यक्ति के साथ आपकी प्रतिस्पर्धा केवल तभी तक रहती है, जब तक आप उसके साथ किसी तंत्र को साझा करते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा वह तंत्र छोड़ते ही प्रतिस्पर्धा स्वतः समाप्त हो जाती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रतिस्पर्धा सदैव दूसरे व्यक्ति के साथ ही हो।

मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी

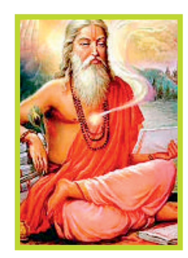

संकलित
प्रेरणा

अगस्त्य नाम के ऋषि थे वे समुद्र के किनारे कठोर व्रत कर रहे थे, वहां से कुछ दूरी पर एक पक्षी अपने अंडों को से रहा था। उसी समय समुद्र में तूफान सी लहरे उठने लगी पानी चढ़ने लगा और पानी अपने साथ अंडो को बहा ले गया, पक्षी बहुत दुःखी हुआ और उसने प्रतिज्ञा की कि मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी और अपने चोंच में सागर के जल को भर भर कर फेंकने लगी ऐसा करते करते उसे काफी समय बित गया समुद्र का जल घटा ही नही। वह दुःखी मन से अगस्त्य मुनि के पास गई और अपनी व्यथा सुना समुद्र को सुखाने की प्रार्थना की। अगस्त्य मुनि ने ध्यान से पक्षी की व्यथा सुनी और चिंता व्यक्त की। ऋषि विचार करने लगे की मैं कैसे इस पक्षी की सहायता कर सकता हूं। उन्हें चिंता होने लगी की मैं कैसे समुद्र के जल को पी कर सुखा सकूंगा। विचार करते हुए अगस्त्य मुनि ने गणेश जी का स्मरण किया और संकट चतुर्थी व्रत को पूरा किया। तीन मास व्रत करने से गणेश जी प्रसन्न हो गए। गणेशजी ने मुनि का मार्ग प्रशस्त किया चौथ व्रत की कृपा से अगस्त्य मुनि ने प्रेम से समुद्र को पी कर सुखा दिया और पक्षी की प्रतिज्ञा को पूरा किया। प्रतिज्ञा पूरी होने से पक्षी भी खुश हुआ।

अंतर्मन

आज की पाती

ट्रंप-मोदी ने तैयार किया एआई विकास का रोडमैप

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जिस गर्मजोशी के साथ मुलाकात हुई, उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। अपेक्षा के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीका के साथ अपने कारोबारी, कूटनीतिक एवं तकनीकी विकास से संबंधित हितों की जोरदार पैरवी की। एफ-35 लड़ाकू विमान पर डील और मुंबई आतंकी हमले से संबंधित कुख्यात आतंकी तहव्वुर राणा को प्रत्यर्पित करने का फैसला इस बैठक की बड़ी कामयाबी मानी जा सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में साथ मिलकर प्रगति करने को लेकर जो सहमति बनी है, वह निश्चय ही सराहनीय और भविष्य की कई उम्मीदें जगाने वाली है।

– *विकास गुप्ता, रायगढ़*

ट्रेंड

गांव की आर्थिकी मजबूत हों

किसी गांव या गांवों के समूह में एक ऐसी व्यवस्था बननी चाहिए, जहां खेतों में सूक्ष्म उद्योग हों और जो कृषि उपज में मूल्य जोड़ते हों, जो पशुधन और उत्पादित दूध में मूल्य जोड़ते हों। इससे एक स्थायी समाज विकसित करने में मदद मिलेगी। सूक्ष्म उद्योगों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो।
-जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति

एक आदर्श राजनेता कर्पूरी

देश में जब भी सामाजिक न्याय और पिछड़े व वंचित वर्गों के अधिकारों की बात होती है, तो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 'भारत रत्न' कर्पूरी ठाकुर जी का नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाता है। वे एक आदर्श राजनेता रहे। **-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री**

कर्पूरी को विनम्र श्रद्धांजलि

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, सामाजिक न्याय के पुरोधा, 'जननायक' कर्पूरी ठाकुर जी वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए आजीवन प्रतिबद्ध रहे। सामाजिक समता के लिए उनका संघर्ष और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा।
-योगी आदित्यनाथ, सीएम यूपी

कार्यकर्ता निराश न हों

दिल्ली चुनाव भी दो पार्टियों के बीच ज्यादातर 'राजनीतिक द्वेष व चुनावी छलावा' ही बनकर रह गया। बसपा कार्यकर्ता दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणामों से निराश न हों और पूरे जोर-शोर से आंबेडकरवादी संघर्ष जारी रखें। **-मायावती, बसपा प्रमुख**

करंट अफेयर

द. कोरिया ने डीपसीक के एआई ऐप पर लगाई रोक

चीन के कृत्रिम मेधा स्टार्टअप 'डीपसीक' के चैटबॉट ऐप को डाउनलोड करने पर दक्षिण कोरिया में अस्थाई तौर पर रोक लगा दी गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। चीन के कृत्रिम मेधा स्टार्टअप 'डीपसीक' को लेकर चिंताएं हैं कि यह बेहद संवेदनशील जानकारी एकत्र कर रहा है। दक्षिण कोरिया के व्यक्तिगत सूचना संरक्षण आयोग ने कहा कि 'डीपसीक' के ऐप को शनिवार शाम को 'एप्पल' के ऐप स्टोर और 'गूगल प्ले' के स्थानीय संस्करणों से हटा दिया गया है। आयोग ने कहा कि कंपनी ने ऐप को पुनः लॉन्च करने से पहले गोपनीयता सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए एजेंसी के साथ काम करने पर सहमति व्यक्त की है।

यह कार्रवाई उन उपयोगकर्ताओं को प्रभावित नहीं करेगी जिन्होंने पहले से ही अपने फोन पर 'डीकसीक' डाउनलोड कर लिया है या जो इसे निजी कंप्यूटर पर इस्तेमाल करते हैं। दक्षिण कोरियाई आयोग के जांच प्रभाग के निदेशक नैम सेओक ने देश में डीपसीक के उपयोगकर्ताओं को सलाह दी है कि वे अपने मोबाइल से ऐप को हटा दें या जब तक समस्या का समाधान नहीं हो जाता, तब तक उन उपकरणों में व्यक्तिगत जानकारी दर्ज करने से बचें जिसमें इन्हें डाउनलोड किया गया है।

ऑफ बीट

पालतू जानवरों को प्रभावित करेगा जलवायु परिवर्तन

तापमान का रिकार्ड दर्ज करने की शुरूआत के बाद से पृथ्वी ने अपने सबसे गर्म महीने का अनुभव किया है और ऑस्ट्रेलिया अब अल नीनो से प्रेरित गर्मियों का सामना करने की तैयारी कर रहा है।

अत्यधिक गर्मी न केवल मनुष्यों के लिए चुनौतीपूर्ण है – यह हमारे प्यारे पालतू जानवरों के लिए भी कष्टप्रद होती है। जिस शोध में मैं शामिल था उसमें इस बात की जांच की गई कि जलवायु परिवर्तन पालतू जानवरों सहित सभी जानवरों को कैसे प्रभावित करता है। यह पालतू जानवरों पर ही नहीं बल्कि जंगली और पालतू जानवरों दोनों पर लागू होता है। मछलियाँ 'एक्टोथर्म्स' होती हैं – यानी, वे अपने शरीर के तापमान को नियंत्रित करने के लिए गर्मी के बाहरी स्रोतों का उपयोग करती हैं। इसलिए पालतू मछलियाँ आपके घर के एक्वेरियम के पानी के तापमान में बदलाव के प्रति संवेदनशील होती हैं, जो गर्मी के दौरान हो सकता है। पानी का अत्यधिक तापमान मछलियों को शारीरिक नुकसान पहुंचा सकता है। उदाहरण के लिए, यह मछली की चयापचय दर को बढ़ा सकता है – जिसका अर्थ है कि उसे सांस लेने के लिए अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। यह धीमी वृद्धि और कम भोजन जैसे परिवर्तन भी पैदा कर सकता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

हमारे कार्यकर्ता पंचायत चुनावों में भी बड़ी संख्या में जीतेंगे-साव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय निकायों में ऐतिहासिक जीत को भाजपा की सकारात्मक जीत बताते हुए कहा, निकाय चुनावों में हम अपने कार्यों को लेकर जनता के बीच पहुंचे थे और जनता के साथ-साथ हमें भी अपने कार्यों पर पूरा भरोसा है और यही विश्वास भाजपा के पक्ष में सकारात्मक मतदान का आधार बना। भाजपा की प्रचण्ड जीत को ईवीएम की जीत बताना कांग्रेस द्वारा जनता और उनके जनादेश का अपमान है। अब पंचायत चुनाव में भी हमारे कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जीतेंगे।

■ कांग्रेस लगातार शून्य की ओर बढ़ रही

श्री साव ने एकात्म परिसर में पत्रकारों से चर्चा में कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा, दिल्ली में कांग्रेस शून्य पर रही है, छत्तीसगढ़ के नगर निगमों में भी शून्य पर रही। कांग्रेस लगातार शून्य की ओर बढ़ रही है।

श्री साव ने कहा, प्रदेश की जनता ने सभी 10 नगर निगमों में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त और अंतर के साथ जिताया है, 49 में से 35 नगरपालिकाओं और 114 नगर पंचायतों में से 81 नगर पंचायतों में भाजपा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। पिछले 13-14 महीनों में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को तेजी से पूरा करने का काम किया।

नगरीय निकाय क्षेत्रों में तेजी से लगातार विकास के काम किए। 7,500 करोड़ रुपए की राशि नगर निकायों को जारी की। हमारे कामों पर जनता ने अपने विश्वास की मुहर लगाई है।

निकाय चुनाव में हमारा वोट प्रतिशत बढ़ा

श्री साव ने कहा, पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को 46 प्रतिशत से अधिक वोट मिले, लोकसभा चुनाव में 52 प्रतिशत से अधिक वोट मिले और अब नगरीय निकाय के चुनावों में भाजपा को 55.41 प्रतिशत वोट मिले है। लगातार भाजपा का जनाधार बढ़ता ही चला जा रहा है। श्री साव ने तीन चरणों में होने रहे त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर कहा, गांवों में लोकतंत्र का उत्सवी वातावरण देखते ही बन रहा है। निश्चित रूप से पंचायतों का परिणाम भी भाजपा के अनुकूल रहेगा।

चाय-नास्ते और रबर-पेंसिल में उड़ा दिए 10 लाख! रविवि ने प्राचार्य को थमाया नोटिस

■ उत्तपुस्तिकाएं और प्रश्नपत्र रविवि कराता है मुहैया, अन्य खर्चों के लिए दी जाती है निर्धारित राशि

■ मामला महासमुंद के बागबहरा महाविद्यालय का, अनावश्यक खर्चों पर रविवि ने दिखाई सख्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं. रविशंकर शुक्ल विवि ने महासमुंद के एक महाविद्याल को परीक्षा कार्य में अतिरिक्त खर्च को लेकर नोटिस थमा दिया है।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित की गई व्यय राशि से 10 लाख 50 हजार 435 रुपए महाविद्यालय द्वारा अतिरिक्त खर्च किए गए हैं। रविवि ने अतिरिक्त खर्च का भुगतान तो महाविद्यालय को कर दिया है, लेकिन साथ ही प्राचार्य को नोटिस देते हुए उच्च शिक्षा विभाग को भी खत लिखा है। मामला महासमुंद के शासकीय खेमराज लक्ष्मीचंद कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय का है।

विवि द्वारा महाविद्यालयों को उत्तरपुस्तिकाएं और प्रश्नपत्र प्रेषित किए जाते हैं। इसका व्यय रविवि ही वहन करता है। इसके अतिरिक्त केंद्रों में नियुक्त पर्यवेक्षक को पारिश्रामिक राशि प्रदान करने, जलपान, रबर-पेंसिल सहित अन्य व्यय के लिए रविवि महाविद्यालयों को राशि प्रेषित करता है। बागबाहरा के शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय को बीते सत्र में वार्षिक परीक्षा, सेमेस्टर परीक्षा और पूरक परीक्षा के लिए 16 लाख 4 हजार का समायोजन रविवि द्वारा किया गया है। विवि के अनुसार, इसमें से 10 लाख 50 हजार 435 रुपए आधिक्य व्यय है।

कार्रवाई नहीं, केवल नोटिस

विवि परीक्षाएं सम्पन्न होने के बाद महाविद्यालयों को खर्च की राशि देता है। पिछले माह हुई कार्यपरिषद की बैठक में यह मामला सामने आया था। विवि द्वारा महाविद्यालय पर कोई कार्रवाई फिलहाल नहीं की गई है। परीक्षा अवधि में कार्यरत प्राचार्यों को नोटिस देने का फैसना कार्यपरिषद की बैठक में लिया गया। इसके बाद प्राचार्यों को नोटिस थमा दिया गया है। चेतावनी पत्र जारी करने के अलावा विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर पूरे मामले की जानकारी दी है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा भी कोई कार्रवाई फिलहाल नहीं की गई है।

कहां खर्च हुई राशि?

महाविद्यालय प्रबंधन ने निर्धारित राशि से कई गुना अधिक राशि परीक्षाओं पर खर्च किए हैं। केवल जलपान, स्टेशनरी और पर्यवेक्षकों के भुगतान में ही इतनी बड़ी राशि खर्च किए जाने पर कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं। विवि प्रशासन ने भी जांच बैठाने के स्थान पर केवल चेतावनी पत्र ही जारी किया है। कोरोनाकाल के बाद यह पहला मामला है, जब किसी महाविद्यालय द्वारा इतनी बड़ी राशि परीक्षा कार्य में खर्च की गई है।

पंडरी महालक्ष्मी मार्केट में हाइड्रोलिक पार्किंग की मिलेगी सुविधा, निगम ने किया टेंडर

रायपुर। राजधानी के पंडरी स्थित महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट परिसर में शहरवासियों को जल्द हाइड्रोलिक पार्किंग की सुविधा मिलेगी। मेट्रो सिटी की तर्ज पर कम स्पेस में नान मोटराइज्ड एरिया के रूप में इसे डेवलप करने नगर निगम ने पॉयलट प्रोजेक्ट तैयार किया है। इसके तहत अनुबंधित एजेंसी निगम द्वारा उपलब्ध कराये गये स्थल पर फाउंडेशन तैयार कर हाइड्रोलिक पार्किंग की सुविधा देगी। प्रदेश के सबसे बड़े थोक कपड़ा बाजार पंडरी में ट्रैफिक जाम की समस्या दूर करने नगर निगम महालक्ष्मी मार्केट में 50 लाख की लागत से हाइड्रोलिक पार्किंग का प्रोजेक्ट ला रहा है। इसके लिए एजेंसी तय करने टेंडर किया जा चुका है। निगम चुनाव के बाद टेंडर खोलकर एजेंसी तय की जायेगी। इस पार्किंग में खासकर ऐसे चारपहिया वाहन दिनभर सड़क पर पार्क कर खड़ा कर दिये जाते हैं, उनकी पार्किंग यहां कराई जायेगी। हाइड्रोलिक पार्किंग में 22 चार पहिया वाहनों को पार्क करने की सुविधा रहेगी। कुल मिलाकर डस्ट एरिया को पैक कर मल्टीलेवल पार्किंग का ढांचा तैयार कराया जायेगा। सूत्रों के मुताबिक शहर में अपनी तरह का यह अनूठा पार्किंग स्ट्रक्चर तैयार करने के लिए किये गये ऑनलाइन टेंडर में 4 एजेंसियों ने निविदा में भाग लिया है।

एमडी-एमएस प्रवेश के स्ट्रे राउंड पर स्टे, बोनस अंक पर उपजा विवाद हाईकोर्ट पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मेडिकल कालेजों की पीजी सीटों पर एडमिशन में नियम की अनदेखी करने का एक और मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। इन-सर्विस उम्मीदवार को गलत तरीके से 30 फीसदी बोनस देने के मामले में आज से शुरू होने वाले स्ट्रे वैकेंसी राउंड पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। उम्मीदवार को इससे बिलासपुर सिम्स की सीट आवंटित हो गई थी। कोर्ट के आदेश पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सोमवार से शुरू होने वाली संस्था चयन की प्रक्रिया को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया है।

■ 30 फीसदी बोनस आधार पर इन-सर्विस उम्मीदवार को मिली थी सिम्स की सीट

प्रदेश के शासकीय और निजी मेडिकल कालेज में एमडी-एमएस की सीटों पर प्रवेश की काउंसिलिंग प्रक्रिया पिछले चार माह से चल रही है। प्रवेश अथवा नियम के पालन में आने वाले कमियों की वजह से यह डिले होता चला आ रहा है। चिकित्सा शिक्षा विभाग मॉपअप राउंड पूरा करने के बाद स्ट्रे राउंड की संस्था चयन प्रक्रिया के साथ सोमवार से शुरुआत करने वाला था, जिस पर हाईकोर्ट की रोक लग गई है। कुछ विद्यार्थियों ने बिलासपुर शासकीय कालेज में त्वचा रोग विभाग की सीट प्राप्त करने वाले भावेश पटेल के 30 फीसदी बोनस अंक को न्यायालय में चुनौती दी थी। शिकायत की गई थी कि बोनस अंक देने के लिए नियम की अनदेखी हुई है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश द्वारा याचिका पर सुनवाई के बाद काउंसिलिंग की प्रक्रिया पर रोक लगाने का आदेश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 25 फरवरी को की जाएगी। न्यायालय के इस आदेश के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग की काउंसिलिंग कमेटी ने सोमवार से खाली सीटों पर प्रवेश के लिए स्ट्रे राउंड के दौर में सोमवार से शुरू होने वाली च्वाइस फीलिंग की प्रक्रिया को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है।

पहली बार स्वयं सुधार ली थी गलती

बोनस अंक के आवंटन में बरती गई कोताही का यह दूसरा मामला है। पहली बार स्वास्थ्य केंद्र में सेवा देने वाले चिकित्सा अधिकारी डा. यश को तीस प्रतिशत बोनस अंक देने पर सवाल खड़ा किया गया था। उसे उस 30 प्रतिशत अंक की वजह से जेएन कालेज में सीट मिल गई थी। शिकायतों के बाद मामले की जांच हुई और स्वास्थ्य संचालनालय से मिलने वाले पत्र के बाद सुधार करते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा दूसरी आवंटन सूची जारी की गई थी। इस बार आला अधिकारियों द्वारा शिकायत पर ध्यान नहीं देने से मामला उच्च न्यायालय तक पहुंच गया।

तो अगले वर्ष नीट परीक्षा से वंचित

स्ट्रे राउंड में आवंटित सीट पर प्रवेश नहीं लेने वाले अभ्यर्थियों पर एमसीसी द्वारा अधिक सख्ती बरतने का आदेश जारी किया गया है। 14 फरवरी को जारी पत्र के अनुसार प्रवेश नहीं लेने वाले उम्मीदवारों की पंजीयन राशि तो जब्त की ही जाएगी, इसके अलावा उन्हें अगले साल होने वाली नीट पीजी की परीक्षा से भी वंचित कर दिया जाएगा। यह मामला अक्सर सामने आता है कि पसंदीदा सीटें नहीं मिलने पर उम्मीदवार एडमिशन नहीं लेते।

डहरिया ने कहा- निकाय चुनाव में हार की होगी समीक्षा

भाजपा ने सरकारी मशीनरियों का किया दुरुपयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा, नगरीय निकाय चुनाव में पार्टी की हार की पंचायत चुनाव के बाद कांग्रेस इसकी समीक्षा करेगी। उन्होंने कहा, हार की जिम्मेदारी हम सबकी है। बीजेपी ने सरकारी मशीनरियों का दुरुपयोग भी किया है। हार की जिम्मेदारी सामुदायिक नेतृत्व की है।

हार के बाद कांग्रेस जिला अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष के इस्तीफा की मांग पर उन्होंने कहा, चुनाव हारने के बाद इस तरह की बातें आती हैं। नगरीय निकाय चुनाव में परिणाम सत्ता के पक्ष में जाता है। भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग किया। डराने धमकाने का काम किया। शराब और पैसे खुलकर बांटे गए। भाजपा का प्रत्याशी खुलेआम नोट बांटते हुए पकड़ा गया।

पंचायत चुनाव में कांग्रेस की स्थिति अच्छी रहेगी

भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए क्या रणनीति होगी? इस पर पूर्व मंत्री शिव कुमार डहरिया ने कहा, हार की समीक्षा होगी। हाई कमान भी इस पर ध्यान दे रहा है। पंचायत चुनाव को लेकर उन्होंने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में पहले चरण का मतदान हो रहा है। नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह से सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, इस तरह के हथकंडे इस चुनाव में भी अपनाए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत के चुनाव में कांग्रेस की स्थिति अच्छी रहेगी। हमारे बहुत से प्रत्याशी जीतेंगे।

कांग्रेस में अपनी बात रखने की स्वतंत्रता

नगरीय निकाय चुनाव में हार के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर भड़ास निकाल रहे और जिम्मेदार जिलाध्यक्षों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मामले में पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा, हमारी पार्टी में इतनी स्वतंत्रता है कि कार्यकर्ता अपनी बात रख सकते हैं। आने वाले समय में समीक्षा बैठक होगी। सभी पर खुलकर चर्चा होगी और उस पर कुछ ना कुछ निष्कर्ष सामने आएगा

खबर संक्षेप

ग्लेनमार्क ने अमेरिका से वापस मंगाए उत्पाद

नई दिल्ली। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने कहा है कि दवा कंपनियां ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स और एफडीसी लिमिटेड विनिर्माण संबंधी कुछ समस्याओं के कारण अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों को वापस मंगा रही हैं। अमेरिकी बाजार में एक निश्चित संख्या में जेनेरिक उच्च रक्तचाप की दवा को वापस मंगा रही है।

लॉकहीड मार्टिन के साथ विमान विनिर्माण पर चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन के अधिकारियों के साथ भारत में विमान विनिर्माण के अवसरों पर सोमवार को चर्चा की। उन्होंने लॉकहीड मार्टिन इंटरनेशनल के अध्यक्ष माइकल विलियमसन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की।

अजाक्स इंजीनियरिंग की बाजार में खराब शुरुआत

नई दिल्ली। केदारा कैपिटल समर्थित कंक्रीट उपकरण विनिर्माता अजाक्स इंजीनियरिंग का शेयर अपने निर्गम मूल्य 629 रुपये से आठ प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 5.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 593 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 10.17 प्रतिशत फिसलकर 565 रुपये पर आ गया।

फ्यूचरब्रांड इंडेक्स की वैश्विक रैंकिंग में रिलायंस दूसरे पायदान पर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज फ्यूचरब्रांड इंडेक्स की 2024 की वैश्विक सूची में दूसरे स्थान पर है। कंपनी ने इस मामले में एप्पल और नाइकी जैसे बड़े ब्रांड को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है। यह रैंकिंग उन ब्रांड को सामने लाती है जो बाजार में हो रहे बदलाव से आगे रहते हुए, ब्रांड उद्देश्य और अनुभव दोनों को पूरा करने के लिए लगातार रणनीति तैयार करते हैं और उसे अमल में लाते हैं। रिलायंस ने 11 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। पिछले साल कंपनी 13वें स्थान पर थी।

- रिलायंस ने 11 स्थानों की छलांग लगाई पिछले साल 13वें स्थान पर थी

भारतीय कंपनी ने एप्पल, नाइकी जैसे नामी ब्रांड को पीछे छोड़ा

रैंकिंग में दुनियाभर के पेशेवर शामिल होते हैं

फ्यूचरब्रांड पहली 100 कंपनियों की रैंकिंग करता है। रैंकिंग में दुनियाभर के पेशेवर शामिल होते हैं। पारंपरिक रैंकिंग का आधार वित्तीय प्रदर्शन पर केंद्रित होता है। इसके उलट, फ्यूचरब्रांड सूचकांक इस बात पर गहराई से विचार करता है कि दुनियाभर के पेशेवर ब्रांड को कैसे देखते हैं। रैंकिंग में वे ब्रांड आगे हैं जो लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लगातार रणनीति विकसित करते रहते हैं, और बाजार में होने वाले बदलावों में दूसरी कंपनियों से आगे रहते हैं।

भविष्य के ब्रांड समय अनुकूल बदलते हैं

फ्यूचरब्रांड इंडेक्स 2024 की रिपोर्ट में कहा गया, "भविष्य का ब्रांड आने वाले समय की सफलता के लिए तैयार ब्रांड है। भविष्य के ब्रांड अपनी मूल पहचान को खोए बिना बदलती उपभोक्ता अपेक्षाओं, तकनीकी प्रगति और बाजार की गतिशीलता को पहचान कर उसके अनुकूल बदलते हैं। उन्हें इस बात का पता होता है कि वे कौन हैं और क्या कर रहे हैं।"

सूची में कोरिया की सैमसंग पहले स्थान पर

रैंकिंग में रिलायंस अब एप्पल, नाइकी, वॉल्ट डिजनी, नेटफ्लिक्स, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और टोयोटा जैसे जाने-माने वैश्विक ब्रांड से आगे है। सूची में दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग पहले स्थान पर है। रिलायंस एकमात्र भारतीय ब्रांड है, जिसे सूची में जगह मिली है।

पहले दस में सात अमेरिका के ब्रांड थे

रिपोर्ट में कहा गया, "समय के साथ स्थिति बदली हैं। 2014 में, शीर्ष दस ब्रांड में से सात अमेरिका के थे। लेकिन 2024 में इसमें चार अमेरिकी ब्रांड और पांच एशिया प्रशांत (एपीएसी) और एक पश्चिम एशिया से हैं...।"

एफआईआई की बिकवाली को लेकर चिंता की दूर

मुनाफा काटने के लिए विदेशी निवेशक बेच रहे हैं भारतीय शेयर : सीतारमण

एजेंसी ⏭ मुंबई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली को लेकर चिंता को दूर करते हुए कहा कि भारत में निवेश करने वालों को अच्छा रिटर्न (प्रतिफल) मिल रहा है और इससे वे मुनाफावसूली कर रहे हैं।

सीतारमण ने बातचीत में कहा कि भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिल रहा है, जिससे मुनाफावसूली होती है। उन्होंने कहा, ''एफआईआई भी तब बाहर जाते हैं जब वे मुनाफावसूली करने में सक्षम होते हैं। आज भारतीय बाजार में ऐसा माहौल है कि निवेश पर अच्छा रिटर्न भी मिल रहा है और मुनाफावसूली भी हो रही है।''

अक्टूबर से 1.56 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचे

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने पिछले साल अक्टूबर से 1.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की कुल पूंजी निकासी इस साल अबतक 99,299 करोड़ रुपये पहुंच गयी है। इससे बाजार में गिरावट आई है और निवेशकों को नुकसान हुआ।

भारतीय बाजार मजबूत है: पांडेय

वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि एफआईआई एक उभरते बाजार से दूसरे बाजार में नहीं जा रहे हैं। वैश्विक अस्थिरता के समय में एफआईआई अपने मूल देश वापस चले जाते हैं जो ज्यादातर अमेरिकी है। यही स्थिति अभी देखने को मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय बाजार मजबूत है और ये बदलाव अस्थायी हो सकते हैं।

- भारत में निवेश करने वालों को अच्छा रिटर्न मिल रहा
- अच्छे रिटर्न पर विदेशी निवेशक मुनाफावसूली कर रहे
- एफआईआई तब बाहर जाते हैं जब वे मुनाफावसूली करने में सक्षम होते हैं

भारत ने सीमा शुल्क दरों में किया सुधार : सीतारमण ने शुल्क दर को लेकर अमेरिका के रुख पर एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत अधिक निवेशक अनुकूल बनने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने हाल में पेश बजट में सीमा शुल्क दरों में सुधार का जिक्र किया।

शेयर बाजार केवल सरकारी नीतियों पर काम नहीं करता

सेठ ने कहा कि शेयर बाजार केवल सरकारी नीतियों पर काम नहीं करता है। विदेशी निवेशक अनिश्चितताओं के दौर में विकसित या बड़े बाजारों में जाते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के कुछ हिस्सों में वैश्विक घटनाक्रमों के बीच भारत ने मजबूती दिखायी है।

बाजार में हस्तक्षेप की किसी भी संभावना से इंकार

पांडेय ने कहा, "हमने पूर्व में वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया है और आगे भी उनका सामना करते रहेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि भारत इसे संभालने के लिए मजबूत स्थिति में है। आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने भारी बिकवाली के कारण बाजार में सरकारी हस्तक्षेप के किसी भी संभावना को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कदम केवल तभी उठाया जा सकता है जब बाजार की विफलता का कोई सबूत हो। वर्तमान में ऐसा कोई मामला नहीं है।

बजट में वृद्धि को गति देने के कई उपाय

पांडेय ने कहा कि मांग-आपूर्ति के मुद्दों के अलावा, वृद्धि की संभावनाएं भी निवेशकों के व्यवहार को प्रभावित करती हैं। भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है और हाल ही में घोषित बजट में वृद्धि को गति देने वाले कई कई उपाय हैं।

एसबीआई एमएफ ने 250 रु. का एसआईपी किया शुरू

एजेंसी ⏭ मुंबई

संपत्ति प्रबंधन कंपनी एसबीआई म्यूचुअल फंड ने सोमवार को एक व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) शुरू की, जिसका उद्देश्य उत्पाद तक पहुंच को और 'लोकतांत्रिक' बनाना है।

जननिवेश एसआईपी योजना के तहत निवेशक प्रति लेनदेन 250 रुपये तक कम कम राशि का निवेश कर सकते हैं। इस योजना को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच की मौजूदगी में शुरू किया गया। निवेशक आमतौर पर एसआईपी में 500 रुपये लगाते हैं, जो उस योजना के आधार पर 100 रुपये तक कम हो सकता है जिसमें पैसा लगाया जा रहा है। एमएफ की पहुंच को गहरा करने के उद्देश्य से कम राशि यानी 250 रुपये के एसआईपी पर विचार किया गया, जो उपभोक्ता सामान कंपनियों द्वारा प्रभावी रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले 'सैचेटाइजेशन' के विचार के समान है। एसबीआई म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी नंद किशोर ने कहा, ''प्रवेश बाधाओं को कम करके और डिजिटल मंच का लाभ उठाकर, हमारा लक्ष्य पहली बार निवेश करने वाले निवेशकों, छोटे बचतकर्ताओं और असंगठित क्षेत्र के लोगों को आकर्षित करना है, जिसमें एसआईपी सिर्फ 250 रुपये से शुरू हो।'

- उद्देश्य उत्पाद तक पहुंच को और लोकतांत्रिक बनाना
- योजना सेबी प्रमुख बुच की मौजूदगी में शुरू की गई

वित्तीय समावेशन के नए चरण में प्रवेश

एसबीआई के चेयरमैन सी एस सेट्टी ने इस पेशकश के मौके पर कहा, ''जब हम वित्तीय समावेशन के नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं, तो नवाचार और समावेशन बहुत जरूरी है।

सेल 11 अधिकारियों को सेवानिवृत्त करेगा

नई दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने संयंत्रों/इकाइयों में विभिन्न स्थायी समितियों की सिफारिशों पर गौर करने के बाद 11 अधिकारियों को सेवानिवृत्त करने का निर्णय लिया है। सेल की 50 वर्ष से अधिक आयु के अधिकारियों की सत्यनिष्ठा और प्रभावोत्पादकता का आकलन करने की नीति है। इस संबंध में कंपनी के निदेशक मंडल ने अनुमोदित विस्तृत दिशानिर्देशों में सेवा रिकॉर्ड के आधार पर अधिकारियों की प्रभावशीलता, दक्षता, आचरण और सत्यनिष्ठा की समीक्षा के लिए मानदंड निर्धारित किए हैं।

राशिफल

मेष: शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष: व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन: अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं

सिंह: शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या: क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के विवादों से बचने का प्रयास करें।

तुला: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक: घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु: पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर: परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ: परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन: वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 58 अंक चढ़ा

एजेंसी ⏭ मुंबई

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार में पिछले आठ कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 58 अंक की तेजी आई। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा।

- आठ दिन से जारी गिरावट थमी

कारोबार के अंतिम घंटे में लिवाली से तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 57.65 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,996.86 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 644.45 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी भी 30.25 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,959.50 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, ऐसी रिपोर्ट है कि अमेरिका और भारत शुल्क दर कम करने के लिए व्यापार समझौते की व्यापक रूपरेखा पर निर्णय लेने के लिए जल्द ही बैठक करेंगे। इससे धातु, औषधि और वित्तीय शेयरों में खरीदारी को समर्थन मिला। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 4,294.69 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

अंतिम घंटे में आई खरीदारी

मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, "भारी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में अंतिम घंटे में लिवाली से बाजार हल्की बढ़त में रहा। इसके साथ पिछले आठ कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लगा।"

इन शेयरों में रही लाभ- हानि

सेंसेक्स के तीस शेयरों में से बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, जोमैटो और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी शामिल हैं।

भारत ने समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया भेजा अनार ..

नई दिल्ली। भारत ने समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया को अनार की पहली वाणिज्यिक प्रायोगिक खेप भेजी है। सोमवार को एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। मौजूदा समय में, कम मात्रा और अलग-अलग पकने की अवधि के कारण अनार का निर्यात मुख्य रूप से हवाई मार्ग से किया जाता है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को भारतीय अनार के निर्यात के लिए बाजार पहुंच मिलने के बाद फरवरी, 2024 में निर्यात के लिए एक कार्ययोजना और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर हस्ताक्षर किए गए। पहली हवाई खेप जुलाई, 2024 में हुई। हवाई खेप से बाजार की मांग का आकलन करने में मदद मिली, जिससे लागत दक्षता को अनुकूल बनाने के लिए समुद्री खेप का रास्ता चुना गया। इसमें कहा गया, 'पहली समुद्री माल खेप छह दिसंबर, 2024 को भारत से रवाना हुई और महाराष्ट्र के सोलापुर क्षेत्र से प्राप्त 5.7 टन अनार के साथ 13 जनवरी को सिडनी पहुंची।'

देश का निर्यात जनवरी में 2.38 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। देश का वस्तुओं का निर्यात जनवरी में 2.38 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। जनवरी, 2024 में यह 37.32 अरब डॉलर था। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली। वहीं आयात जनवरी, 2024 के 53.88 अरब डॉलर की तुलना में पिछले महीने 10.28 प्रतिशत बढ़कर 59.42 अरब डॉलर हो गया।

सिंह बने स्टैंडर्ड चार्टर्ड के भारत के लिए सीईओ

नई दिल्ली। स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने सोमवार को कहा कि पीडी सिंह एक अप्रैल, 2025 से भारत के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभालेंगे। वह जरीन दारूवाला का स्थान लेंगे, जो 31 मार्च, 2025 को सेवानिवृत्त होंगी। एक बयान में, स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने कहा कि सिंह के पास बैंकिंग और वित्त में करीब तीन दशक का अनुभव है, जिसमें यूरोपीय और अमेरिकी बैंकों में नेतृत्व और कवरेज की भूमिकाएं शामिल हैं।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में उपलब्ध ईमारती काष्ठ/जलाऊ एवं चंदन काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - काष्ठागार मनेन्द्रगढ़
नीलाम दिनांक - 24-02-2025
नीलाम समय - प्रात: 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र.	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ.मी.	बल्ली नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली नग
1	सागौन	0	0	6.267	470
2	साल	107.741	0	51.197	162
3	साजा	37.343	0	0.105	0
4	सतकठा	0	0	0.126	6
5	खम्हार	0	0	9.170	236
6	हल्दू	0	0	1.840	7
7	धावड़ा	10.419	0	0	0
8	खैर	10.686	0	0	0
योग		166.189	0	68.705	881

जलाऊ काष्ठ

क्र.	विवरण	नये लॉट	अविकृत काष्ठ
1	जलाऊ मिश्रित	221 चट्टा	-

चंदन काष्ठ वजन क्वि. में (निरस्त लॉट)

प्रजाति	नया चंदन काष्ठ	अविकृत चंदन काष्ठ
चंदन सेपवुड तना	0	1.4372 क्विंटल
चंदन हार्डवुड तना	0	16.8671 क्विंटल
चंदन हार्डवुड जड़	0	0.3625 क्विंटल
चंदन सेपवुड बुरादा	0	0.0250 क्विंटल
योग :-	0	18.6918 क्विंटल

टीप: 1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व कय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

जी.-242505507/2

वन मंडलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल मनेन्द्रगढ़

शब्द पहेली - 5782

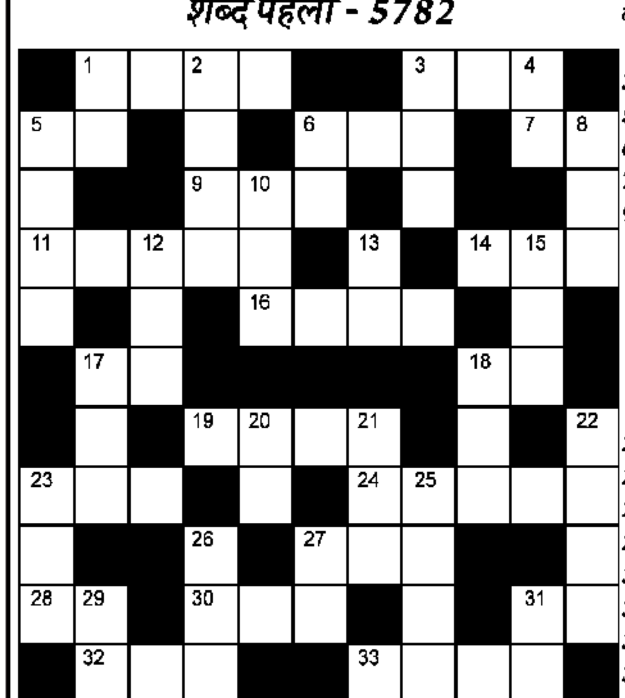

बाएँ से दाए
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खीजना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष, होशियार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली - 5781 का हल

सूडोकु नवताल - 5792

★★★★☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5791 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

17- FEB- K&C- MAIN- Pg- 7 FULL PAGE_Layout 1 2/18/2025 12:03 AM Page 1

मध्य प्रदेश में उद्योग लगाने और उसके संचालन के लिए बुनियादी ढांचा बेहद मजबूत और सुगम

मध्यप्रदेश में विश्व की बड़ी-बड़ी कंपनियां, बिजनेस लीडर्स, उद्योगपति, निवेशक और विशेषज्ञ, यह सभी एक मंच पर साथ आ रहे हैं। यह मंच है वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट यानी जीआईएस)। राज्य में निवेश के अनंत अवसरों को प्रदर्शित करने वाला यह महासम्मेलन 24 एवं 25 फरवरी 2025 को राज्य की राजधानी भोपाल में आयोजित हो रहा है। भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए दृढ़संकल्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आयोजन का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश के विकास को नई उंचाईयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश निवेश की अनंत संभावनाओं के साथ निवेशकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। देश के मध्य में स्थित मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण राज्य है। यह क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा और जनसंख्या के हिसाब से पांचवा सबसे बड़ा राज्य है।

मध्य प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस कार्यक्रम एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य व्यापार संचालन और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है। यह कार्यक्रम नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए आने वाली बाधाओं को कम करता है। प्रमुख सुधारों में ऑनलाइन पंजीकरण, लाइसेंसिंग और परमिट अनुमोदन जैसी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण शामिल है। इससे उद्यमियों के लिए समय और लागत में काफी कमी आई है। राज्य ने निवेशकों के विश्वास को बढ़ाने के लिए समयबद्ध और पारदर्शी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करते हुए, क्लीयरेंस और अनुमोदन को सुव्यवस्थित करने के लिए इन्वेस्ट एमपी सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया है।

लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग

राज्य में 40 एमएमटी की भंडारण क्षमता और 13.2 एमएमटी की कोल्ड स्टोरेज क्षमता उपलब्ध है। मध्यप्रदेश स्टील साइलो के निर्माण में अग्रणी राज्य है। इंदौर और भोपाल में आगामी मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क इस क्षेत्र में विकास को नया आयाम देगा।

वस्त्र और परिधान

भारत के जैविक कपास उत्पादन में43% और विश्व के जैविक कपास उत्पादन में24% हिस्सेदारी मध्यप्रदेश की है। मध्य प्रदेश में 60 से ज्यादा बड़ी कपड़ा मिलें और हजारों करघे संचालित हैं। इंदौर में रेडीमेड गारमेंट और अपैरल क्लस्टर में 1,200 से अधिक इकाइयाँ हैं। मध्य प्रदेश चंदेरी, टसर महेश्वरी, बाघ प्रिंट, हैंड-ब्लॉक प्रिंट, बाटिक प्रिंट आदि जैसे पारंपरिक वस्त्रों का घर है।

ऑटोमोबाइल उद्योग में मजबूत

मध्यप्रदेश के इंदौर, भोपाल, पीथमपुर और देवास भारत के प्रमुख ऑटो क्लस्टर हैं।प्रदेश में 2800 से अधिक इंजीनियरिंग निर्माता और 10 से ज्यादा मूल उपकरण निर्माता हैं। प्रदेश का नेटरेक्स एशिया का सबसे लंबा हाई-स्पीड टेस्ट ट्रैक, जिसकी लंबाई 11.3 किमी है। यहां 14 टेस्ट ट्रैक और 5 ऑटो विशिष्ट प्रयोगशालाएँ हैं। 4,500 हेक्टेयर पीथमपुर ऑटो क्लस्टर में 25,000 से ज्यादा लोग कार्यरत हैं।

कृषि, खाद्य एवं दुग्ध प्रसंस्करण में अग्रणी

प्रदेश दलहन और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। खाद्यान्न और फूलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। राज्य जैविक फसल उत्पादन में अग्रणी है।यहां 11 कृषि जलवायु क्षेत्र हैं।खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 70 से ज्यादा बड़ी और 3800 से भी अधिक एमएसएमई इकाइयाँ कार्यरत हैं।

फार्मास्युटिकल्स, चिकित्सा उपकरण एवं स्वास्थ्य सेवा

राज्य में 270 से अधिक फार्मा इकाइयाँ मौजूद हैं। फार्मा सेक्टर में 1,00,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं। बड़ी संख्या में डब्ल्यूएचओ-जीएमपी, यूएसएफडीए अनुपालन इकाइयाँ मौजूद हैं। राज्य ने वित्त वर्ष 2022 में 10,770 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की फार्मास्युटिकल्स का निर्यात किया। प्रदेश से संयुक्त राज्य अमेरिका, यूके, रूस, नीदरलैंड, जर्मनी और ब्राजील सहित 150 से ज्यादा देशों को निर्यात होता है। 20 से अधिक मेडिकल डिवाइस इकाइयाँ और 250 से ज्यादा इकाइयाँ मेडिकल डिवाइस के पुर्जे बनाती हैं। उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी में 360 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क फैला हुआ है।

वो सबकुछ मौजूद है जो उद्योगों के लिए जरूरी है

- *मध्यप्रदेश में 3 लाख किलोमीटर से अधिक फैला हुआ विस्तृत सड़क नेटवर्क है। यहां 5 वाणिज्यिक हवाई अड्डे और 26 हवाई पट्टियों की व्यवस्था है।*
- *प्रदेश में 1.25 लाख एकड़ से अधिक औद्योगिक भूमि उपलब्ध है। इसके साथ 112 विकसित या विकासशील औद्योगिक क्षेत्र और 14 ग्रीनफील्ड साइट्स मौजूद हैं।*
- *राज्य जल-आपूर्ति के क्षेत्र में भी अग्रणी है। यहां 1,000 एमसीएम से अधिक प्रचुर औद्योगिक जल आपूर्ति की उपलब्धता है।*
- *प्रदेश में प्रतिस्पर्धी टैरिफ के साथ 24गुणा7 स्थिर बिजली आपूर्ति की जाती है।चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्रों के लिए राज्य सरकार विशेष सुविधा भी देती है।*
- *मध्यप्रदेश में प्रमुख औद्योगिक केंद्रों के पास आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, ग्लोबल स्किल पार्क, आईटीआई और मेगा आईटीआई की उपस्थिति है।*
- *राज्य खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, सब्जियों और फलों का अग्रणी उत्पादक है।*

सूचना प्रौद्योगिकी एवं पर्यटन

मध्यप्रदेश में 4 आईटी एसईजेड, 10 आईटी पार्क, 2 ईएमसी क्लस्टर और 150 से ज्यादा ईएसडीएम इकाइयाँ मौजूद हैं। प्रदेश में 2500 से अधिक डीपीआईआईटी पंजीकृत स्टार्टअप हैं, जिनमें से 280 से अधिकआईटी-सेवा आधारित स्टार्टअप हैं। राज्य में आईआईटी, आईआईएम और 330 से भी ज्यादातकनीकी संस्थान और आईटीआई की उपस्थिति के साथ अत्यधिक कुशल प्रतिभा पूल की उपलब्धता है। मध्यप्रदेश भारत का टाइगर राज्य है। यहां 11 राष्ट्रीय उद्यान और 6 बाघ अभ्यारण्यों सहित 24 वन्यजीव अभ्यारण्य हैं। 3 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (सांची, खजुराहो और भीमबेटका) और उज्जैन, ओंकारेश्वर, अमरकंटक जैसे कई अन्य महत्वपूर्ण विरासत स्थल हैं।

रोजगार और उद्योग का हब बन रहा मध्य प्रदेश

पीएम मोदी की नीतियों को अपनाने में अग्रणी है मध्य प्रदेश की मोहन सरकार

केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों को मप्र की मोहन सरकार ने बड़ी कुशलता के साथ अपनाया है। उन पर अमल करके राज्य को खुशहाल बनाया जा रहा है। अब रोजगार और उद्योग का बड़ा हब बन रहा है। डॉ.मोहन यादव सरकार के डबल इंजन से खुशहाली और उन्नति के पथ पर मप्र लगातार दौड़ रहा है, लेकिन अब तीसरा नई ऊर्जा वाला इंजन (बजट) प्रदेश को मिला है, इससे विकास की गति तीन गुना हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का आम बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योग जगत से लेकर किसान और युवाओं तक जो अभूतपूर्व सौगातें दी हैं, उसका मध्यप्रदेश में भी खासा प्रभाव दिखाई देगा।

विशेष रूप से 24 एवं 25 फरवरी को भोपाल में आयोजित होने जा रहे ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट 2025 को लेकर निवेश की संभावनाओं को काफी मजबूती मिली है। बजट में जो घोषणाएं हैं, उससे न केवल उद्योग जगत सशक्त होगा, बल्कि रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। यह सुखद संयोग है कि फरवरी माह के पहले दिन केंद्र सरकार द्वारा आम बजट पेश किया गया है, और इसी माह 24 और 25 तारीख को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों से निवेश की अनंत संभावनाओं वाले इस महासम्मेलन को लेकर उद्योग जगत में पहले से ही उत्साह है और अब केंद्र सरकार की उद्योग जगत के हितों में की गई घोषणाओं से इस समिट की सफलता कई गुना बढ़ी है।

भगवान बुद्ध से जुड़े स्थान हो रहे विकसित

देश के शीर्ष 50 टूरिज्म स्पॉट को राज्यों की सहायता से और विकसित किया जाएगा। भगवान बुद्ध से जुड़े स्थान विकसित हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में सांची बौद्ध अनुयायियों के लिए धार्मिक पर्यटन का विशिष्ट स्थल है। पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश के बढ़ते कदम का लाभ बजट में की गई उस घोषणा से मिलेगा, जिसमें कहा गया है कि मेडिकल टूरिज्म के लिए वीजा नियमों को आसान किया जाएगा।

20 हजार करोड़ किए गए आवंटित

मध्यप्रदेश का इंदौर स्टार्टअप के क्षेत्र में अग्रणी स्थान रखता है। इनोवेटिव्स के लिए बजट में 20 हजार करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। नेक्स्ट जनरेशन के स्टार्टअप के लिए डीप टेक फंड पर विचार किया जाना मध्यप्रदेश के युवाओं को नए अवसर दे रहा है। स्टार्टअप के लिए लोन 10 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए किया गया है। गारंटी फीस में भी कमी होगी। एक्सीलेंस फॉर आर्टिफिशियल फॉर एआई के लिए 500 करोड़ रुपए का ऐलान स्वागत योग्य है।

आर्थिक प्रगति ही प्राथमिकता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने आर्थिक प्रगति को प्राथमिकता में रखा है, उसे मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतत आगे बढ़ा रहे हैं। केंद्र सरकार के बजट में उद्योग जगत सहित युवाओं और किसानों को सौगातें मिली हैं। मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 की संभावनाओं को आम बजट ने और अधिक विस्तार दिया है। मध्यप्रदेश की निवेश अनुकूल नीतियों और बेहतरीन वातावरण को इस बजट में जो ऊर्जा दी है, वह आने वाले समिट में स्पष्ट दिखाई देगा।

***चंद्रमौली शुक्ला**, एमडी, एमपीआईडीसी*

किसानों को राहतः केसीसी से 5 लाख का कर्ज

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों की प्राथमिकता में कृषि क्षेत्र भी है। केंद्रीय बजट में अगले 6 साल मसूर, तुअर जैसी दालों की पैदावार बढ़ाने के लिए फोकस किया गया है। कपास की पैदावार बढ़ाने के लिए 5 साल का मिशन, इससे देश का कपड़ा उद्योग मजबूत बनेगा। किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख होगी। इन सौगातों का सीधा लाभ मध्यप्रदेश के किसानों के साथ कृषि और कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश करने वालों को मिलेगा। आम बजट में उद्योगों के लिए जो घोषणाएं की गई हैं, वह मध्यप्रदेश में मौजूदा कंपनियों के साथ आने वाले निवेशकों के लिए भी सौगात है। छोटे उद्योगों को विशेष क्रेडिट कार्ड दिए जाएंगे। पहले साल 10 लाख कार्ड जारी होंगे। एमएसएमई के लिए लोन गारंटी कवर 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़, 1.5 लाख करोड़ तक का कर्ज मिलेगा।

लघु खनिजों समेत खनन सेक्टर को फायदा

बजट में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि निवेश हमारी सरकार का तीसरा इंजन है। ग्रीन एनर्जी और ईवी तकनीक को ज्यादा बढ़ावा दिया जाएगा। इस क्षेत्र में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य है। अब देश में राज्य खनन सूचकांक की स्थापना होगी। इससे लघु खनिजों समेत खनन सेक्टर को फायदा होगा। खनन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद है। खनन को लेकर निवेशकों का एक सम्मेलन भोपाल में पहले आयोजित किया जा चुका है, जिसमें 20,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए थे।

अक्षय ऊर्जा में मप्र में हो रहे नवाचार

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष प्रकार की आरई नीति वाला पहला राज्य है। प्रदेश के सांची को नेट ज़ीरो कार्बन अवधारणा पर मध्य प्रदेश के पहले सौर शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है।नर्मदापुरम में विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के लिए समर्पित विनिर्माण क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। लगभग 62 गीगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता और 11 गीगावाट की पवन ऊर्जा क्षमता के साथ प्रचुर प्राकृतिक संसाधन प्रदेश में उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश में 2,750 मेगावाट (2.75 गीगावाट) की कुल क्षमता वाले 5 बड़े सौर संयंत्र हैं।

D-16116/24

देशभर के रेलवे स्टेशनों में चरम पर लोगों का उत्साह

प्रयागराज महाकुंभ का 26 फरवरी को होगा समापन

भगदड़ के बाद भी नहीं सुधरे हालात

प्रयागराज महाकुंभ जाने को लेकर देशभर में श्रद्धालुओं में उत्साह है। बड़ी संख्या में अलग-अलग शहरों में लोगों की रेलवे स्टेशन पर जमकर भीड़ है। इस दौरान समय-समय पर अराजक स्थिति भी निर्मित हो रही है। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर सोमवार को ट्रेन में चढ़ने के लिए यात्रियों में धक्का-मुक्की का दृश्य।

पटना। महाकुंभ मेला 2025 के चलते भीड़ के बीच पटना रेलवे स्टेशन पर सोमवार को आपातकालीन खिड़की से ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करता एक यात्री।

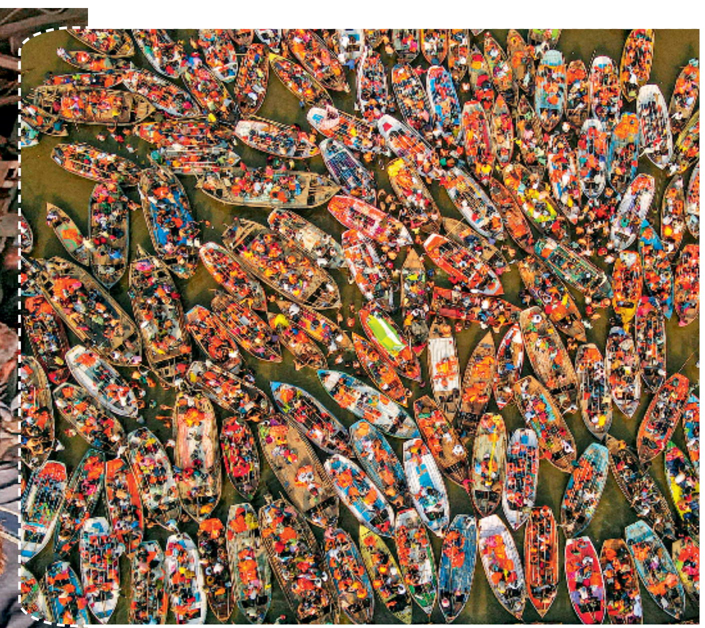

ड्रोन शॉट... प्रयागराज के संगम में बड़ी संख्या में बोट पर श्रद्धालु।

भगदड़ पर बड़ा एक्शन प्लेटफॉर्म टिकट काउंटर बंद

राजधानी दिल्ली में शनिवार रात स्टेशन परिसर में मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद रेल प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट काउंटर 26 फरवरी तक के लिए बंद कर दिया गया है। महाकुंभ 2025 26 फरवरी तक चलने वाला है। ऐसे में उम्मीद है कि जब तक यह मेला चलेगा रहेगा, तब तक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर फिर से ऐसी स्थिति प्रकट हो सकती है, जिससे भगदड़ मच सकती है। इसी कारण से स्टेशन से भीड़ कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। अब दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आप सिर्फ प्लेटफॉर्म टिकट लेकर एंट्री नहीं पा सकेंगे। स्टेशन के सभी एंट्री गेट पर टीटी और आरपीएफ की टीम तैनात रहेगी, जो यह चेक करेगी कि या तो आपके पास कहीं तक सफर करने के लिए जनरल टिकट हो या फिर रिजर्वेशन टिकट हो।

गोगोई की पत्नी के पाकिस्तानी दोस्त के खिलाफ एसआईटी गठित

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी के पाकिस्तानी दोस्त अली तौकीर शेख के खिलाफ दर्ज मामले की जांच के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरमीत सिंह ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है। यह मामला शेख द्वारा भारत के आंतरिक मामलों और संसदीय गतिविधियों पर सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों से जुड़ा है। सीएम ने खुद इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक एसआईटी का गठन राज्य के अपराध अनुसंधान विभाग द्वारा एक एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद किया गया. कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिज़ाबेथ कोलबर्न के कथित पाकिस्तानी दोस्त अली तौकीर शेख के आईएसआई कनेक्शन को लेकर उठे विवाद के बीच दर्ज किया गया है। शेख जो पाकिस्तान की योजना आयोग के सलाहकार और कोलबर्न के पूर्व सहयोगी रह चुके हैं, उन पर भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अमेरिका से डिपोर्ट होकर लौटे मनदीप ने साझा की दास्तान

सांप-मगरमच्छ सब कुछ झेला जबरन कटवानी पड़ी दाढ़ी

बीते शनिवार एक अमेरिकी विमान ने 116 भारतीयों को डिपोर्ट कर दिया। इनमें से कुछ सिख समुदाय के लोगों ने दावा किया है कि ना सिर्फ उन्हें हथकड़ियां पहनाई गई, वहीं उनकी पगड़ी तक उतरवा दी गई। वहीं कुछ लोगों ने डंकी रूट के खौफनाक रास्ते को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। पंजाब के मनदीप सिंह भी इन्हीं 116 अवैध प्रवासियों के समूह में शामिल थे। उन्हें डंकी रूट के जरिए अमेरिका में घुसने की कोशिश करते समय पकड़ा गया था।

खास बातें

- न सिर्फ हथकड़ियां पहनाई, पगड़ी तक उतरवा दी गई
- हाल में अमेरिकी विमान से डिपोर्ट होकर लौटे हैं 116 भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मनदीप सिंह ने बताया है कि डंकी रूट पर उन्हें ना सिर्फ खतरा ही खतरा मिला बल्कि सिख होने के बावजूद उनकी दाढ़ी तक कटवाने पर मजबूर किया गया। मनदीप सिंह को अमेरिकी बॉर्डर एजेंट्स ने बीते 27 जनवरी को मेक्सिको की सीमा के पास गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने अमृतसर एयरपोर्ट से बाहर आते ही मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया, 'जब मैंने एक एजेंट से बात की, तो उसने कहा कि एक महीने के अंदर मुझे कानूनी तरीके से अमेरिका ले जाया जाएगा। एजेंट ने 40 लाख रुपये मांगे। मैंने दो किस्तों में पैसे दे भी दिए। पिछले साल अगस्त में मैं अमेरिका जाने के लिए अमृतसर से दिल्ली निकला था।' 38 वर्षीय मनदीप ने दावा किया कि इसके बाद कुछ एजेंट ने उनसे 20 लाख रुपए और मांगे। उन्होंने बताया, 'दिल्ली से मुझे मुंबई ले जाया गया, फिर नैरोबी (केन्या) और फिर दूसरे देश के रास्ते एम्स्टर्डम (नीदरलैंड) ले जाया गया। वहां से हमें सूरीनाम ले जाया गया। जब मैं वहां पहुंचा, तो कुछ एजेंट ने 20 रुपए लाख मांगे, जो मेरे परिवार ने आकर चुकाए। उन्होंने बताया कि ग्रुप को फिर गुयाना, उसके बाद बोलीविया और अंत में इक्वाडोर ले जाया गया।'

पनामा के खतरनाक जंगल

मनदीप ने कहा कि पनामा के जंगलों को पार करते समय उनके समूह का मगरमच्छों और सांपों से भरे रास्तों पर चलना पड़ा। उन्होंने कहा, 'यहां हमें साथी यात्रियों ने बताया कि अगर हम ज्यादा सवाल पूछेंगे, तो हमें गोली मार दी जाएगी। 13 दिनों तक हम खतरनाक रास्ते पर चले। मगरमच्छ, सांप सबकुछ झेला। कुछ लोगों को खतरनाक सांपों से निपटने के लिए लाठी दी गई थी।' पनामा पार करने के बाद उन लोगों को कोस्टा रिका, होंडुरास, निकारागुआ, ग्वाटेमाला और अंत में, तिजुआना ले जाया गया। यहां उनकी दाढ़ी जबरन काट दी गई थी।

अब तक 332 प्रवासी वापस

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को शपथ लेने के कुछ ही दिनों के अंदर की अवैध प्रवासियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। भारत सहित कई देशों के हजारों अवैध प्रवासियों को उनके देश में डिपोर्ट कर दिया गया है। 5 फरवरी से अब तक 332 प्रवासियों को भारत लौटाया जा चुका है।

नाराज सुप्रीम कोर्ट का एक्शन

रोक के बाद भी बुलडोजर यूपी सरकार को नोटिस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कुशीनगर में मस्जिद में तोड़फोड़ करके उनके 13 नवंबर 2024 के आदेश का उल्लंघन किया है। 13 नवंबर 2024 को दिए आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने बिना पूर्व नोटिस और दूसरे पक्ष को सुने बिना तोड़फोड़ कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल कुशीनगर मामले में आगे किसी भी तरह की तोड़फोड़ कार्रवाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पूछा कि क्यों ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना करने के लिए कार्रवाई की जाए? सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर आदेश पारित करते हुए कुशीनगर मामले में आगे किसी भी तरह की तोड़फोड़ कार्रवाई पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि कुशीनगर जिले में प्रशासन ने मदनी मस्जिद के एक हिस्से में तोड़फोड़ की है। आरोप है कि मस्जिद का निर्माण जमीन पर अतिक्रमण करके किया गया। इस महीने की शुरुआत में प्रशासन ने बुलडोजर से मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को गिरा दिया।

याचिकाकर्ता ने लगाए ये आरोप

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि जांच में पता चल गया था कि मस्जिद के निर्माण में कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है और एसडीएम की रिपोर्ट में इसका जिक्र है। इसके बावजूद कार्रवाई की गई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उस पर दबाव बनाने के लिए उसके खिलाफ फर्जी एफआईआर दर्ज की गई। याचिकाकर्ता ने याचिका में दावा किया कि प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना की है। साथ ही तोड़फोड़ से पहले प्रशासन ने याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का भी मौका नहीं दिया। याचिकाकर्ता ने किसी भी तोड़फोड़ कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने और तबाह किए गए हिस्से के पुनर्निर्माण या मुआवजा देने की मांग की है।

आईआईटी की रिसर्च में बड़ा खुलासा

आधे हिमाचल पर बाढ़ व भूस्खलन का खतरा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश को लेकर बड़ी जानकारी सामने आ रही है। आईआईटी में हुए एक रिसर्च में पता चला है कि राज्य का 45 फीसदी हिस्से पर बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। आईआईटी टीम ने अपने रिसर्च में इस बात की जानकारी दी है कि इस राज्य की पहचान उच्च जोखिम वाले क्षेत्र के रूप में हुई है। जहां प्राकृतिक आपदा का खतरा बना हुआ है। पंजाब के रूपनगर स्थित आईआईटी रोपड़ की रिसर्च टीम ने बीते 14 और 15 फरवरी को आईआईटी बॉम्बे में आयोजित दूसरे भारतीय क्रायोस्फीयर समिट में ये जानकारी प्रस्तुत की।

इस समिट में दुनिया भर के लगभग 80 ग्लोशियोलॉजिस्ट, रिसर्च स्कॉलर और वैज्ञानिकों ने भाग लिया। यहीं समिट के दौरान आईआईटी रोपड़ के एसोसिएट प्रोफेसर रीत कमल तिवारी के नेतृत्व में किए गए इस रिसर्च में हिमाचल राज्य की सुरक्षा का आकलन का रिपोर्ट पेश किया गया। इस रिसर्च में एमटेक के छात्र दाशिशा इवाफ्निया भी शामिल रहे।

एक आपदा से आ जाती दूसरी आपदा

रिसर्च को लेकर प्रोफेसर तिवारी ने बताया कि इस शोध में पाया गया है कि 5.9 डिग्री और 16.4 डिग्री के बीच औसत ढलान 1600 मीटर तक की ऊंचाई वाले इलाके में विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ दोनों का प्रभाव ज्यादा है। 16.8 डिग्री और और 41.5 डिग्री के बीच ढलान वाले अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में भूस्खलन और हिमस्खलन दोनों की संभावना ज्यादा है। उन्होंने कहा कि 3 किमी से ज्यादा ऊंचाई वाले खड़ी पहाड़ी ढलान वाले इलाके में सबसे ज्यादा प्राकृतिक आपदा का खतरा बना हुआ है। इस अध्ययन के लिए जीआईएस (ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम) आधारित मैप का प्रयोग किया गया है। इस तकनीक से पहाड़ी इलाके की जमीन, पानी और अन्य प्राकृतिक चीजों के बारे में जानकारी इकट्ठा की गई। इस सिस्टम से पता चलता है कि एक आपदा कई बार दूसरी आपदा का कारण बन जाती है। जैसे जमीन खिसकने से नदी का रास्ता रुक जाता है जिस वजह से बाढ़ आने की संभावना बढ़ जाती है।

केरल : लहराए गए हमास आतंकियों के पोस्टर

तिरुवनंतपुरम। केरल के पलक्कड़ में एक मस्जिद ने अपने वार्षिक उरुस कार्यक्रम के दौरान हमास के आतंकी नेताओं इस्माइल हनीयाह और याह्या सिनवार के फोटों और बैनर लहराए हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अब मामले ने जबरदस्त तूल पकड़ लिया है। भारतीय जनता पार्टी मामले को लेकर राज्य सरकार पर पूरी तरह से हमलावर है। यह घटना केरल के पलक्कड़ जिले में एक वार्षिक उत्सव में हुई। पोस्टरों का शीर्षक था "थारवाडीस, थेक्केभागम" जिसका मोटे तौर पर मतलब पैतृक और पश्चिम की ओर होता है। नारे से कमोबेश यह पता चलता है कि जुलूस में शामिल लोग पश्चिम की ओर से आए नेताओं के एक बड़े परिवार का गौरवशाली हिस्सा थे। इस कार्यक्रम में सजे-धजे हाथियों पर सवार कुछ युवकों ने हमास लीडर इस्माइल हानिया और याहिया सिनवर के पोस्टर लहराए। वहां पर मौजूद भीड़ भी इन लोगों का हौसला बढ़ाती हुई नजर आई।

कांग्रेस नेता और मंत्री एमबी राजेश ने लिया हिस्सा

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस कार्यक्रम में मंत्री एमबी राजेश और कांग्रेस नेता वीटी बलराम समेत प्रमुख हस्तियों की भागीदारी ने भी लोगों को हैरान कर दिया है। इनकी सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। हालांकि, अभी तक इन बैनर और पोस्टर के संबंध में उरूस महोत्सव के आयोजकों की तरफ से कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। बता दें कि इजराइल ने इन दोनों हमास लीडर्स इस्माइल हानिया और याहिया सिनवर को अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान मार गिराया था।

बीजेपी ने सीएम का मांगा इस्तीफा

भारतीय जनता पार्टी ने इसकी जमकर आलोचना की है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'एक साल पहले, जब बीजेपी ने केरल में एक रैली के खिलाफ चेतावनी दी थी जिसमें हमास नेता ने भाग लिया, एलडीएफ सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब पलक्कड़ में एक उरुस उत्सव में हजारों लोगों को मारने वाले आतंकवादियों का महिमामंडन किया गया।

307.79 करोड़ का लाभांश हुडको की संचालन क्षमता और भारत के शहरी विकास में योगदान का प्रतीक-तोखन

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल को आज हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ द्वारा 307.79 करोड़ का अंतरिम लाभांश चेक सौंपा गया। यह राशि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारत सरकार को दी गई है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, अतिरिक्त सचिव एस.पी. सिंह, हुडको के निदेशक (कॉरपोरेट प्लानिंग) एम. नागराज और निदेशक (वित्त) दलजीत सिंह खत्री भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने हुडको के योगदान की सराहना करते हुए कहा, हुडको भारत के शहरी परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और सतत आवास समाधान एवं शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में इसका योगदान सराहनीय है। हुडको की प्रतिबद्धता 'सभी के लिए आवास' और विश्वस्तरीय शहरी बुनियादी ढांचे के सरकार के विजन को साकार करने में सहायक है। मोदी सरकार के गतिशील नेतृत्व में, हुडको ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दिखाया है, जिससे देशभर में आवास और शहरी विकास परियोजनाओं को सतत समर्थन मिलता रहा है। हुडको ने न केवल

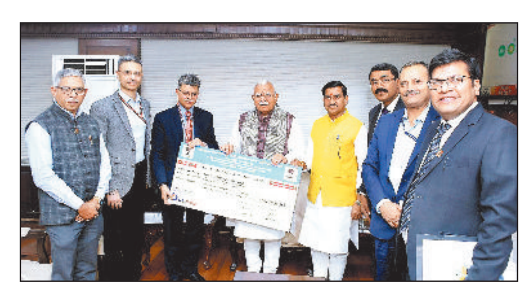

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आवास परियोजनाओं के वित्त पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को भी सहयोग दिया है, जिससे शहरी विकास को गति मिली है। तोखन साहू ने आगे कहा, "सतत और समावेशी शहरीकरण पर निरंतर ध्यान केंद्रित करते हुए, हुडको सरकार के महत्वाकांक्षी शहरी विकास लक्ष्यों को पूरा करने में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। यह लाभांश भुगतान हुडको की उत्कृष्ट संचालन क्षमता और भारत के शहरी विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक का घोटाला सामने आने के बाद आया प्रस्ताव

जमा बीमा की सीमा पांच लाख से बढ़ाने पर विचार

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने सोमवार को कहा कि सरकार जमा बीमा की सीमा को मौजूदा के पांच लाख रुपये से बढ़ाने पर सक्रियता से विचार कर रही है। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक का कथित घोटाला सामने आने के कुछ दिन बाद नागराजू ने कहा कि इस तरह के प्रस्ताव पर काम जारी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, '' मुद्दा बीमा सीमा बढ़ाने का है... इसपर सक्रियता से विचार किया जा रहा है। जैसे ही सरकार मंजूरी देगी, हम इसकी अधिसूचना जारी कर देंगे। हालांकि, नागराजू ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के संकट पर कुछ भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस मामले को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देख रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा, मुद्दा बीमा सीमा बढ़ाने का है

लोगों को पूरे क्षेत्र पर संदेह नहीं करना चाहिए

सेठ ने कहा कि किसी एक इकाई में संकट आने से किसी को भी पूरे क्षेत्र पर संदेह नहीं करना चाहिए। दोषी इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई करना नियामक का काम है। खबरों के अनुसार, न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के 1.3 लाख जमाकर्ताओं में से 90 प्रतिशत की पूरी रकम डीआईसीजीसी के अंतर्गत आएगी।

डीआईसीजीसी दावों का भुगतान करता रहा

जमा बीमा दावा तब शुरू होता है जब कोई ऋणदाता डूब जाता है। पिछले कुछ वर्षों में निक्षेप बीमा व प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) ऐसे दावों का भुगतान करता रहा है। यह निकाय अपने द्वारा प्रदान किए जाने वाले 'कवर' के लिए बैंकों से प्रीमियम एकत्र करता है और अधिकतर दावे सहकारी ऋणदाताओं के मामले में किए गए हैं।

गबन की राशि का हिस्सा बिल्डर को दिया गया

बैंक में घोटाले का पता भौतिक जांच में चला, जिसमें सामने आया कि बही-खाते में दर्शाई गई 122 करोड़ रुपये की नकदी गायब है। जांच में पता चला कि बैंक के महाप्रबंधक-वित्त हितेश मेहता ने कथित तौर पर गबन की गई राशि का एक बड़ा हिस्सा एक स्थानीय बिल्डर को दे दिया है।

डीआईसीजीसी की सीमा पांच लाख की गई थी : *पीएमसी बैंक घोटाले के बाद डीआईसीजीसी बीमा सीमा 2020 में एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई थी। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा कि सहकारी बैंकिंग क्षेत्र आरबीआई की निगरानी में अच्छी तरह विनियमित है। उन्होंने क्षेत्र की समग्र स्थिति को मजबूत करार दिया।*

कर मांग के कारण फॉक्सवैगन की खेप नहीं रोकी जाएगी

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग ने बंबई उच्च न्यायालय को बताया है कि 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर की कर मांग के कारण स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया की किसी भी खेप को न तो रोका गया है और न ही रोका जाएगा।सीमा शुल्क विभाग ने सोमवार को अदालत को बताया कि जर्मनी की कंपनी को सितंबर, 2024 में 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर का कर नोटिस भेजने के कारण उसकी किसी भी खेप को नहीं रोका गया है और न ही रोका जाएगा। कंपनी ने पिछले महीने अदालत में एक याचिका दायर कर नोटिस को चुनौती दी थी और इसे ''मनमाना और अवैध'' करार दिया था। कर अधिकारियों ने इस कंपनी पर लगभग 1.4 अरब डॉलर की कथित सीमा शुल्क धोखाधड़ी के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

सीबीएसई दूसरे राज्य भेजेगा छग की उत्तरपुस्तिकाएं, पेपर खत्म होने के 3 घंटे के भीतर भुवनेश्वर पोस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सीबीएसई राजधानी के छात्रों की उत्तरपुस्तिकाएं जांचने के लिए जिले के बाहर भेजेगा। जबकि माध्यमिक शिक्षा मंडल राजधानी रायपुर में दो मूल्यांकन केंद्र बनाएगा। सीबीएसई की परीक्षाएं प्रारंभ हो चुकी है, जबकि मंडल के पर्चे एक मार्च से शुरू हो रहे हैं। परीक्षाएं समाप्त होने का इंतजार किए बगैर ही दोनों बोर्ड उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन प्रारंभ कर देंगे। सीबीएसई ने रायपुर के आधा दर्जन से अधिक निजी स्कूलों का चयन मूल्यांकन केंद्र के रूप में किया है। इनमें दिल्ली पब्लिक स्कूल, ज्ञान गंगा, महर्षि विद्यालय, होलीक्रॉस तथा केंद्रीय विद्यालय शामिल हैं। वहीं माध्यमिक शिक्षा मंडल प्रतिवर्ष की भांति जेएन पांडे विद्यालय और दानी गर्ल्स स्कूल में उत्तरपुस्तिकाओं की जांच करवाएगा।

सीबीएसई राजधानी रायपुर में मूल्यांकन केंद्र तो निर्मित कर रहा है, लेकिन रायपुर के छात्रों की कॉपियां यहां नहीं जांची जाएंगी। सीबीएसई की परीक्षाओं का समय सुबह 10.30 से 1.30 बजे तक निर्धारित है। परीक्षाएं समाप्त होने के 3 घंटे 30 मिनट अर्थात 5 बजने के पूर्व तक स्कूलों को छात्रों की उत्तरपुस्तिकाएं भुवनेश्वर पोस्ट करनी होगी। डाक के जरिए ये उत्तरपुस्तिकाएं भेजी जा रही हैं।

सीबीएसई की परीक्षाएं शुरू, माशिम के पर्चे अगले सप्ताह से

बोर्ड अपने परिवहन साधन करेगा प्रयोग

रायपुर सहित प्रदेश के सीबीएसई स्कूल भुवनेश्वर रीजनल के अंतर्गत आते हैं। सभी स्थानों की उत्तरपुस्तिकाएं भुवनेश्वर भेजे जाने के बाद रीजनल कार्यालय ही इन्हें सभी राज्यों में वितरित करता है। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, इस प्रक्रिया में एक राज्य की उत्तरपुस्तिका दूसरे राज्य भी प्रेषित कर दी जाती हैं। डाक के जरिए प्राप्त हुई उत्तरपुस्तिकाओं को मूल्यांकन केंद्र तक पहुंचाने और वहां से मूल्यांकन होने के बाद पुनः कार्यालय लाने के लिए बोर्ड अपने परिवहन साधनों का प्रयोग करेगा। इसमें सामान्यतः ट्रक और छोटे आकार की गाड़ियां शामिल होती हैं।

परीक्षाएं समाप्त होने के पूर्व ही प्रारंभ कर दी जाएगी उत्तरपुस्तिकाएं जांचने की प्रक्रिया

क्यूआर कोड के जरिए भरे जाएंगे अंक

गौरतलब है कि इस बार सीबीएसई ने उत्तरपुस्तिकाओं में क्यूआर कोड भी लगाया है ताकि डूप्लीकेट उत्तरपुस्तिका अथवा नकल की किसी तरह की आशंका ना हो। कॉपियों के मूल्यांकन के बाद उसमें दिए हुए क्यूआर कोड के जरिए छात्रों के अंक भरे जाएंगे। ऑनलाइन पोर्टल में अंक भरने के बाद इसके आधार पर विद्यार्थियों के अंतिम परिणाम तैयार किए जाएंगे।

नक्सल प्रभावित इलाकों में विद्युतीकरण को मिली नई गति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में प्रदेश में निरंतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और नवीन तकनीकों के माध्यम से बिजली व्यय को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर, नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर और उपभोक्ताओं को अधिक सुविधाएं देकर हम राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएंगे। साथ ही, ग्रामीण व शहरी विद्युतीकरण के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाते हुए हर घर तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य पूरा करेंगे।

- सौर ऊर्जा को बढ़ावा, तकनीकी नवाचार से बिजली बचत- मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने नियद नेल्लानार योजना के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हुए व्यापक विद्युतीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित सभी गांवों को विद्युत सुविधा से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इससे ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने और उनके जीवन स्तर को सुधारने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत सुविधाओं से वंचित शेष क्षेत्रों को जल्द से जल्द रोशन किया जाए।

उपभोक्ताओं को बिजली बिल भुगतान में राहत

मुख्यमंत्री श्री साय ने बिजली बिल के बकाया भुगतान को लेकर उपभोक्ताओं को विशेष राहत देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, बिजली बिल का समय पर भुगतान न होने से सरकार को राजस्व हानि होती है, वहीं उपभोक्ताओं को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है, इसलिए बकाया बिल के एकमुश्त भुगतान की विशेष सुविधा दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को मोबाइल मैसेज और लिंक के माध्यम से उनके बिजली बिल की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। ताकि वे आसानी से ऑनलाइन भुगतान कर सकें।

सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने पर बल

उन्होंने सौर ऊर्जा के उपयोग को अधिकतम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, जिसे घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक स्तर पर अपनाने के लिए नई योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में सौर ऊर्जा परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाए और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़कर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा जाए।

राजिम कुंभ में पांच बिस्तरों का अस्थायी अस्पताल, छह दिन में 9 सौ का हुआ उपचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजिम में 12 फरवरी से शुरू हुए कुंभ मेले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्थायी अस्पताल बनाया गया है। पांच बेड के इस अस्थायी अस्पताल में छह दिन की ओपीडी में 9 सौ लोगों की जांच के बाद आवश्यक उपचार किया गया है। इसके साथ किसी भी तरह की इमरजेंसी से निपटने के लिए समीप के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को भी अलर्ट पर रखा गया है।

राजिम में होने वाले मेला में बड़ी संख्या में भीड़ जुटती है, जिसे देखते हुए वहां व्यापक इंतजाम किया जाता है। रायपुर के साथ गरियाबंद जिले के स्वास्थ्य विभाग की टीम भी वहां तैनात होकर आने वालों की सेहत का खयाल रखती है। रायपुर जिले द्वारा मेला स्थल पर अस्थायी अस्पताल बनाया गया है, जहां गंभीर स्थिति में आने वाले मरीजों को भर्ती कर प्राथमिक उपचार देने के लिए पांच बिस्तरों की व्यवस्था की गई है। यहां नियमित रूप से ओपीडी का आयोजन भी किया जा रहा है। आने वाले मरीजों की जांच और उनकी परेशानी के मुताबिक दवाओं का वितरण भी किया जा रहा है। मेले में आने वाले किसी भी शख्स को स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर जांच के लिए वहां चिकित्सक सहित अन्य स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। 12 फरवरी से 17 फरवरी तक हुई ओपीडी में यहां करीब नौ लोगों की जांच की गई। इस अस्थायी अस्पताल में आने वालों के बीपी-शुगर, शरीर दर्द, बुखार जैसी समस्याओं का निदान किया जा रहा है। जांच के दौरान अगर किसी मरीज को गंभीर तरह की समस्या मिलती है, तो उन्हें समीप के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रेफर किए जाने की व्यवस्था की गई है।

संजीवनी और महतारी सेवा भी

मेले में घूमने-फिरने के दौरान ज्यादा तबीयत बिगड़ने पर मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए वहां 108 संजीवनी तथा 102 महतारी एक्सप्रेस का भी इंतजाम किया गया है। इन एंबुलेंस सेवा की चौबीस घंटे ड्यूटी लगाई गई है। आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवापारा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी मेले के मद्देनजर अलर्ट रखा गया है।

व्यवस्था की गई

राजिम मेले में आने वाले लोगों की स्वास्थ्यगत सुविधा का ध्यान रखते हुए वहां स्वास्थ्य केंद्र प्रारंभ किया गया है। नियमित ओपीडी लगाकर आने वालों की जांच की जा रही है। आपातकाल स्थिति के लिए भी इंतजाम किया गया है।

- डॉ. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ रायपुर

इंजीनियरिंग छात्रों को अपडेट रखने प्राध्यापकों को मिलेगी ट्रेनिंग, सिखाई जाएगी नवीन तकनीक

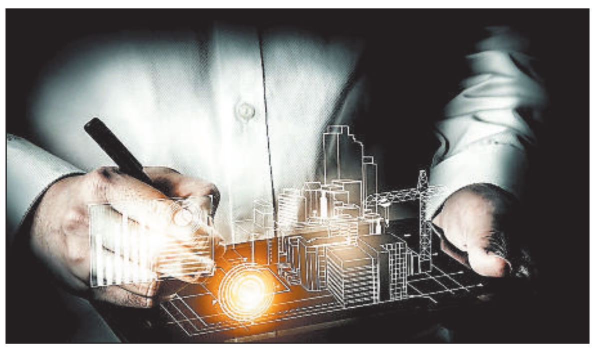

- इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के लिए स्पेशल ट्रेनिंग प्रोग्राम
- पांच साल अध्यापन करा चुके शिक्षक को ही मिलेगा इसमें प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इंजीनियरिंग छात्रों को अध्यापन कार्य कराने वाले प्राध्यापकों के लिए स्पेशल ट्रेनिंग प्रोग्राम संचालित किया जाएगा।

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन अर्थात एआईसीटीई यह पहल कर रहा है। कोर इंजीनियरिंग सब्जेक्ट से संबंधित फैकल्टी मेंबर्स के एकेडमिक डेवलपमेंट के लिए 'एआईसीटीई-क्यूआईपी-पीजी सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन इमर्जिंग एरियाज' लॉन्च किया गया है। इसके माध्यम से कोर इंजीनियरिंग सब्जेक्ट जैसे-मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल आदि के फैकल्टी मेंबर्स को टेक्नोलॉजी के उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान की जाएगी, जिससे वह इन कोर्स के स्टूडेंट्स को प्रभावी रूप से पढ़ाने में सक्षम हो सकें।

एआईसीटीई ने खास तरह के इस कोर्स में प्रवेश के लिए योग्यता भी निर्धारित की है। मान्यता प्राप्त संस्थानों में अध्यापन कार्य करने वाले और कम से कम 5 साल पढ़ाने का अनुभव रखने वाले इस सर्टिफिकेट प्रोग्राम के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। किसी भी होस्ट इंस्टिट्यूट में कोर्स के लिए नामांकित होने वाले मैक्सिमम 50 फैकल्टी मेंबर से कोई फीस नहीं लिया जाएगा।

प्राध्यापकों का अपडेट रहना जरूरी

एआईसीटीई का कहना है कि यह पहल जरूरी है क्योंकि इंजीनियरिंग में उभरते क्षेत्र लगातार डेवलप हो रहे हैं जिससे शिक्षकों को अपडेट रहने की जरूरत है। यह प्रोग्राम शुरू करने का उद्देश्य फैकल्टी मेंबर्स को छात्रों को इन उभरते क्षेत्रों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए जरूरी ज्ञान और स्किल से युक्त करना है। इससे न केवल फैकल्टी मेंबर्स को उनकी विशेषज्ञता बढ़ाकर फायदा मिलेगा, बल्कि देश में इंजीनियरिंग एजुकेशन की ओवरऑल क्वालिटी बढ़ाने में भी योगदान मिलेगा।

तीन चरणों में विभाजन

एआईसीटीई सर्टिफाइड संस्थानों को काउंसिल के पास आवेदन जमा करना होगा। प्रोग्राम कंटेंट को तीन फेज जागरूकता, विशेषज्ञता और अनुप्रयोग में बांटा गया है। 18 क्रेडिट के प्रोग्राम में थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट आदि शामिल हैं। इंडस्ट्री सेक्टर के एक्सपर्ट को भी इसमें शामिल किया गया है ताकि शिक्षक आज की इंडस्ट्री की जरूरतों और ट्रेंड्स से अपडेट रहें। इस पहल का उद्देश्य इंजीनियरिंग और टेक्निकल एजूकेशन फैकल्टी के टीचिंग मैथ्डस को एडवांस बनाना है ताकि स्टूडेंट्स को हाई गुणवत्ता वाली टेक्निकल एजूकेशन मिल सके।

किराएदारों के किफायती आवास के 170 ईडब्लूएस फ्लैट के लिए लाटरी जल्द

रायपुर। नगर निगम द्वारा किराएदारों के लिए किफायती आवास स्कीम में शहर के 4 विभिन्न स्थानों पर प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित खाली पड़े 170 ईडब्लूएस आवास के लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाये। इसमें कचना, दलदल सिवनी, सोनडोंगरी और मठपुरैना में निर्मित आवास शामिल हैं। नगर निगम चुनाव की आचार संहिता के कारण इन आवासों के आवंटन की लाटरी नहीं हो पायी। चुनाव के बाद अब गांधी सदन में जल्द लाटरी निकालकर पात्र हितग्राहियों को ईडब्लूएस आवास का आवंटन किया जायेगा। दरअसल, मोर मकान मोर आस स्कीम के तहत रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में रहने वाले किरायेदारों को किफायती आवास उपलब्ध कराने निगम मुख्यालय ने आवेदन मंगाये। हितग्राहियों ने खुद के पक्के आवास का सपना सच करने निगम चुनाव से पहले प्रथम किस्त के रूप में 35 हजार रुपये पंजीयन राशि के रूप में जमा कराया। अब जल्द ही इन 170 पात्र हितग्राहियों का इंतजार खत्म होगा। इनमें कचना में निर्मित 99 ईडब्लूएस फ्लैट, दलदल सिवनी में 14, सोनडोंगरी में 2 और मठपुरैना में रिक्त 55 ईडब्लूएस फ्लैट शामिल हैं। इन आवासों के आवंटन के लिए लिए गांधी सदन में जल्द लाटरी निकाली जायेगी।

पीजी रिजल्ट अब तक नहीं, सुपरस्पेशलिटी कोर्स के लिए आवेदन 23 तक

रायपुर। मेडिकल कालेजों में एमडी-एमएस अंतिम वर्ष की परीक्षा हुए महीनेभर बीत चुका है, मगर इसका परिणाम घोषित नहीं किया गया है। इसके सुपरस्पेशलिटी कोर्स की तैयारी कर रहे डाक्टरों में संशय की स्थिति बन गई है। नीट-एसएस 2025 के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 23 फरवरी है। रिजल्ट नहीं आने की वजह से उन्हें प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं होने का डर सता रहा है। पिछले दिनों जूनियर डाक्टर एसोसिएशन ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विवि के रजिस्ट्रार से मिलकर परीक्षा परिणाम शीघ्र घोषित करने की मांग की थी, मगर अब तक रिजल्ट नहीं आया है।

बिजली के नए टैरिफ की जनसुनवाई में फंसा बड़ा पेंच

रायपुर। प्रदेश में बिजली का नया टैरिफ तय करने के लिए आमतौर पर फरवरी में होने वाली जनसुनवाई पर इस बार बड़ा पेंच फंस गया है। दरअसल इस समय बिजली नियामक आयोग में अध्यक्ष के साथ रहने वाले दो सदस्यों का पद खाली है। बिना कोरम के किसी भी तरह की सुनवाई नहीं हो सकती।

एक सदस्य का कार्यकाल सितंबर 2023 में पूरा हो गया था। एक और सदस्य का कार्यकाल बीते साल जुलाई में पूरा हुआ है। अब तक दोनों पदों पर नई नियुक्ति नहीं हो सकी है। नई नियुक्ति के बाद ही टैरिफ पर जनसुनवाई और नए टैरिफ का फैसला हो पाएगा। आयोग, सदस्यों की नियुक्ति न होने की स्थिति में जनसुनवाई करने के लिए विधिक सलाह लेने की तैयारी में है। प्रदेश के बिजली नियामक आयोग में अध्यक्ष हेमंत वर्मा के साथ पहले लीगल सदस्य के रूप में विनोद देशमुख और तकनीकी सदस्य के रूप में सीके गुप्ता काम कर रहे थे। इनका कार्यकाल अब समाप्त हो गया है। अब तक किसी और सदस्य की नियुक्ति नहीं की गई है। बिना सदस्यों के आयोग में अब किसी भी याचिका पर भी फैसला नहीं हो सकता। ऐसे में फरवरी में होने वाली जनसुनवाई की तारीख अब तक तय नहीं हो सकी है। वैसे निकाय चुनाव की आचार संहिता के कारण भी मामला लटका था, लेकिन अब चुनाव की आचार संहिता समाप्त हो गई है। नए सदस्यों की नियुक्ति का इंतजार किया जाएगा, तो लंबा समय लग सकता है। ऐसे में आयोग विधिक सलाह लेने की तैयारी में है।

पॉवर कंपनी की 45 सौ करोड़ घाटे की याचिका

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने बिजली नियामक आयोग को 2025-26 के लिए जो प्रस्ताव भेजा है, उसमें 45 सौ करोड़ की कमी बताते हुए इसकी भरपाई की मांग रखी है। वैसे तो पॉवर कंपनी को नए सत्र में लगभग 15 सौ करोड़ का फायदा होने का अनुमान है, लेकिन पुराने 2023-24 के सत्र का 6130 करोड़ रुपए का अंतर है। इसमें 15 सौ करोड़ घटाने के बाद भी 45 सौ करोड़ की कमी आ रही है। इसको पूरा करने के लिए टैरिफ में इजाफा होगा। लेकिन यह इजाफा कितना होगा, इसको नियामक आयोग तय करेगा। पॉवर कंपनी ने 2025-26 के लिए जो प्रस्ताव भेजा है, उसमें बताया गया है कि पॉवर कंपनी इस सत्र में 24 हजार 652 करोड़ की बिजली बेचेगी। इसके मुकाबले में पॉवर कंपनी का खर्च 23 हजार 82 करोड़ होगा।

वस्त्र मंत्रालय
MINISTRY OF TEXTILES
सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
निफ्ट अधिनियम 2006 द्वारा शासित एक सांविधिक संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY
A Statutory Institute Governed by the NIFT Act 2006

निफ्ट प्रवेश 2025

डॉक्टरल कार्यक्रम

डिज़ाइन स्नातक (बी.डैस) - आर्टीसन श्रेणी

पंजीकरण की अंतिम तिथि
28 फरवरी 2025

ऑनलाइन आवेदन करें
https://nift.ac.in
https://exams.nta.ac.in/NIFT/

CBC 21354/12/0006/2425

निकाय चुनाव के बाद अब पहले सम्मिलन की तैयारी, कलेक्टरों को जारी हुआ निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों के तहत निगम, पालिका और नगर पंचायतों के चुनाव होने के बाद इन सभी निकायों के पहले सम्मिलन की तैयारी है। इस संबंध में राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किया है। निकायों में चुने हुए प्रतिनिधियों के बैठने के पहले ही सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासक हट जाएंगे।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी कलेक्टरों को नगरीय निकायों में प्रथम सम्मिलन के आयोजन, निर्वाचित महापौर, अध्यक्ष, तथा पार्षदों के शपथ ग्रहण, स्पीकर, उपाध्यक्ष का निर्वाचन तथा अपील समिति के सदस्यों के निर्वाचन संबंधी निर्देश दिए हैं। निर्देश में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ नगर पिलाक निगम अधिनियम की धारा के तहत निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से 15 दिनों के भीतर चछा नगर पालिका अधिनियम के तहत निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से एक माह के भीतर निर्वाचित पार्षदों का सम्मिलन बुलाया जाएगा।

खास बातें

- चुने हुए प्रतिनिधियों के बैठने से पहले हटेंगे प्रशासक
- निगम, पालिका में अपील समिति का भी होगा चुनाव

कौन करेगा अध्यक्षता

सम्मिलन की अध्यक्षता के संबंध में कहा गया है कि नगर निगम की स्थिति में जिला कलेक्टर एवं नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत की स्थिति में कलेक्टर द्वारा नियुक्त प्राधिकृत अधिकारी सम्मिलन की अध्यक्षता करेंगे। नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों के मामले में प्राधिकृत अधिकारी डिप्टी कलेक्टर के पद की श्रेणी से कम न हों। शपथ का अनुविभागीय दंडाधिकारी के समक्ष हस्ताक्षरित किया जाएगा। संबंधित निकाय क्षेत्र के अनुविभागीय दंडाधिकारियों को ही प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

अपील समिति का भी गठन

नगर पालिका निगम, और पालिका परिषद में अपील समिति के सदस्यों के चुनाव के संबंध में बताया गया है कि किस अधिनियम की किस धारा के तहत अपील समितियों के सदस्यों का चुनाव किया जाएगा। नगर पंचायतों में अपील समिति का गठन करने की जरुरत नहीं है।

CRGB

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
(भारत सरकार, राज्य शासन एवं भारतीय स्टेट बैंक का संयुक्त उपक्रम)
क्षेत्रीय कार्यालय, अंबिकापुर, कुसुमतारा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय तल, हनुमान गली, न्यू महामाया रोड, अंबिकापुर (छ.ग.)
Email : npa.ro.amb@gmail.com I Mobile No. 6232033092

अचल सम्पत्ति नीलामी सूचना : जहाँ है एवं जैसी है स्थिति में (नीलामी तिथि 21.03.2025)

अधोहस्ताक्षरकर्त्ता छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) एवं धारा 13(4) प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न दर्शित ऋणी के स्वामित्व वाली सम्पत्ति जिसका अधिग्रहण **छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक** के द्वारा कर लिया गया है, ऋणी से देय राशि वसूली हेतु सम्पत्तियों की सार्वजनिक नीलामी, सीलबंद निविदा के रूप में आमंत्रित करता है एवं ऋण ग्रहिताओं को विशिष्टतः और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद द्वारा निम्न वर्णित सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के प्रभार के अधीन होगा।

संबधित शाखा एवं ऋणी की जानकारी	संपत्ति स्वामी का नाम/ संपत्ति का विवरण	मांग सूचना तिथि	कब्जा तिथि/ कब्जे का प्रकार	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य लाख में	धरोहर राशि/बयाना राशि (लाख में)
शाखा- अंबिकापुर **ऋणी (1) श्रीमती स्नेह सिंह पिता श्री प्रहलाद सिंह**, पता- ग्राउंड फ्लोर, C/o. सौरभ भारती, रामनिवास कॉलोनी राजमोहनी देवी वार्ड, अंबिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.) **जमानतदार (1) श्री मनोज भारती पिता श्री मार्कन्डेय भारती**, पता- बार्ड न.43, दर्रीपारा, अबिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.) 497001 **(2) श्री मानवेंद्र सिंह गौर पिता रौशन सिंह गौर**, पता रामनिवास कॉलोनी राजमोहनी देवी वार्ड, अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) -497001	**संपत्ति के मालिक- श्री मनोज भारती पिता श्री मार्कन्डेय भारती**, मौजाः ख. नं. 171/17, प.ह.नं. 21, पता- वार्ड न. 43, दर्रीपारा, अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) -497001, RI सर्किल अम्बिकापुर 6, वार्ड- गंगापुरखुर्द, नगर निगम अम्बिकापुर तहसील- अम्बिकापुर, जिला- सुरगुजा (छ.ग.) कुल क्षेत्रफलः **0.083 हे.** (भूमि + भवन) **चौहददीः उत्तर में-** पक्की सड़क, **दक्षिण-** खसरा नंबर 168 की भूमि, **पूर्व में** प्रस्तावित रास्ता, **पश्चिम में-** मधुलिका सिंह की भूमि।	01.03.2024	09.05.2024 सांकेतिक कब्जा	1,05,50,362/- + ब्याज + अन्य व्यय	2,80,00,000/-	28,00,000/-

नीलामी दिनांक 21/03/2025, दिन- शुक्रवार, समय शाम 04.00 बजे, स्थान- क्षेत्रीय कार्यालय, अंबिकापुर (छ.ग.)- 497001 **(संपति के निरीक्षण हेतु बैंकिंग कार्यदिवस को 11.00 से 5.00 के बीच में सम्बंधित शाखा/ क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क करें)।**

नीलामी की शर्तें :- 1. यह कि इस नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक व्यक्तियों को **छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, शाखा अंबिकापुर** के पक्ष में धरोहर राशि का भुगतान आदेश/मांग ड्रॉफ्ट धरोहर राशि के रूप में जमा करना होगा। 2. इस नीलामी में भाग लेने हेतु आवेदन पत्र के साथ **छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, अंबिकापुर** के पास दिनांक **20/03/2025** शाम **5.00** बजे तक निविदा जमा किया जा सकता है जिसमें **(अ)** निविदाकर्ता का नाम, पता, आयु ,व्यवसाय तथा फोटो, पहचान पत्र आधार कार्ड पैन कार्ड आदि **(ब)** प्रकरण का नाम, निविदाकृत संपत्ति का विवरण **(स)** बोली की राशि **(द)** धरोहर राशि के बैंक ड्रॉफ्ट/पे आर्डर का नंबर, दिनांक एवं राशि का विवरण **(इ)** निविदाकर्ता का हस्ताक्षर तिथि सहित आवश्यक रुप से दें। इच्छुक निविदाकर्ता निविदा फार्म हमारे उपरोक्त कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। 3. यह कि उपरोक्त सम्पत्ति का विक्रय ऊपर दर्शाये गये, नियत मूल्य से कम नहीं किया जायेगा एवं संपत्ति की नीलामी दिये गये आरक्षित राशि से बढ़ाकर निविदा स्वीकार करने का अधिकार बैंक के पास सुरक्षित रहेगा। 4. नियम व शर्तों के अधीन पूर्णरूपेण सही, सर्वाधिक बोली पाये जाने वाली सील बंद निविदा को सफल घोषित किया जायेगा व अन्य व्यक्तियों के भुगतान आदेश ,मांगड्रॉफ्ट नीलामी के बाद बिना ब्याज के वापस कर दिया जायेगा। 5. सफल बोली लगाने वाले को विक्रय मूल्य की 25 प्रतिशत राशि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की **अंबिकापुर शाखा** के पक्ष में नगद/भुगतान आदेश/मांगड्राफ्ट तुरंत (24 घंटे के अंदर) जमा करना होगा, पूर्व में जमा की गई राशि को इसमें समायोजित किया जायेगा एवं शेष राशि 75 प्रतिशत को विक्रय की पुष्टि से 15 दिन अथवा उसके पूर्व जमा करना होगा, ऐसा न करने पर उक्त 25 प्रतिशत राशि जब्त कर ली जावेगी एवं उक्त सम्पत्ति की पुनः नीलामी की जावेगी। 6. सम्पत्ति की नीलामी **जहां है जैसी है (As is where is and what is basis)** के आधार पर तथा वित्तीय आस्तियों व प्रतिभूति करण एवं पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 एवं उसके नियमों के अंतर्गत निर्धारित शर्तों के अधीन की जा रही है। 7. यह कि सम्पत्ति की साविधिक देयताएं (बिजली व्यय, प्रापर्टी टैक्स, सोसाइटी टैक्स आदि) एवं विक्रय रजिस्ट्री आदि व्यय क्रेता को स्वंय वहन करना होगा। यह कि सम्पत्ति की समस्त देयताओं का भार क्रेता पर होगा। 8. सम्पत्ति के विक्रय हेतु प्राप्त किये मूल प्रस्ताव अहस्तांतरित होंगे एवं किसी भी निविदा/नीलामी को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार उक्त कार्य हेतु गठित कमेटी का होगा। 9. बिक्री प्रमाण पत्र पूरे निविदा मूल्य एवं अन्य खर्चों के जमा करने के पश्चात ही सुपुर्द किए जावेंगे। 10. नीलामी से जुड़े समस्त अधिकार बैंक के पास सुरक्षित होंगे एवं कमेटी का निर्णय सर्वमान्य होगा।

वैधानिक सूचनाः इस प्रकाशन के माध्यम से ऋणी/जमानतदारों/ विधिक वारिसान को प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 के तहत नीलामी राशि, तिथि एवं स्थान सम्बंधित सूचना दी जा रही है साथ ही सूचित किया जाता है कि नीलामी हेतु नियत तिथि तक बकाया ऋण राशि, मय ब्याज एवं समस्त खर्चो सहित संपूर्ण भुगतान प्राप्त न होने की स्थिति में उक्त सम्पत्ति का विक्रय सम्पन्न कर दिया जावेगा एवं इसके पश्चात यदि कोई देयता बाकी रहती है तो बैंक ऋणी/जमानतदारों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही के लिये स्वतंत्र होगा एवं नीलामी के पश्चात बकाया ऋण राशि की वसूली ऋणी एवं जमानतदारों से की जायेगी।

दिनांकः 17.02.2025 प्राधिकृत अधिकारी

17- FEB- K&C- MAIN- Pg- 10 CLASSI-SEHSH_Layout 1 2/18/2025 12:34 AM Page 1

प्रथम पृष्ठ का शेष

20 किमी का सफर...

ने बताया उनके गांव तक नेता और जनप्रतिनिधि वोट मांगने भी नहीं जाते। उन्हें चुनाव की तारीख बता दी जाती है, फिर ग्रामीण अपने छोटे छोटे बच्चों को लेकर मतदान करने आते हैं।

अमली के ग्रामीणों ने...

करने पैदल आते हैं। हर बार पक्की सड़क, बिजली की मांग करते हैं। लेकिन अब तक सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और मूलभुत सुविधाएं नहीं पहुंची है।

'मछली पार्टी' पर...

ग्राम पंचायत अर्जुनी में जमकर बवाल हुआ। यहां पर एक ही स्कूल में तीन मतदान केंद्र बनाए गए थे। रात में पोलिंग पार्टियां यहां पहुंच गई थी। रात में एक दल के सदस्यों ने पोलिंग पार्टी को मछली पार्टी दी। पोलिंग पार्टी के कुछ सदस्य नशे में भी थे, जब इसकी जानकारी दूसरी पार्टी के सदस्यों को हुई तो उन्होंने जमकर हंगामा मचाया। रात में ही पोलिंग पार्टी का घेराव कर दिया। यही नहीं कुछ उपद्रवी तत्वों ने पथराव भी किया। इससे पोलिंग पार्टी के सदस्य दहशत में आ गए और चुनाव कराने में असमर्थता जाहिर करते हुए पोलिंग पार्टी लौट आई। इसके बाद धमतरी से रिजर्व मतदान दलों को अर्जुनी भेजा गया। ग्रामीण भी मतदान करने के लिए मान गए जिसके चलते सुबह नियत समय पर मतदान शुरू हो गया।

मतदान करने से पहले ही मौत-

ग्राम कलारतराई में एक वृद्ध की मतदान करते वक्त मौत हो गई। दोपहर 1 बजे 80 वर्षीय वृद्ध हिन्छाराम साहू व्हीलचेयर से मतदान करने पहुंचा था। मतदाता सूची से नाम मिलाने के बाद उनके हाथ में अमिट स्याही लगाई गई। मतपत्र देते वक्त वह चक्कर खाकर मतदान केंद्र में ही गिर पड़ा। वाहन की व्यवस्था कर उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पथराव की जानकारी नहीं-

अर्जुनी में पोलिंग पार्टी जहां पहुंची थी वह एक स्कूल परिसर है। जहां पर रात में दो तीन गांव के लोग थे। इसी बात को लेकर अर्जुनी में हो-हल्ला हुआ। लोगों का बयान लिया गया। इसके बाद पोलिंग पार्टी बदल दी गई। पथराव और मछली पार्टी की कोई जानकारी नहीं मिली है।

- सूरज बंछोर, रिटर्निंग ऑफिसर, धमतरी

तुमरीगुड़ा व पाहुरनार...

पाहुरनार व तुमरीगुड़ा के लोगों ने पुल बनने के बाद किया पहली बार मतदान

दंतेवाड़ा जिले के अंदरूनी क्षेत्र में भी ग्रामीणों ने अपने मत का प्रयोग किया है। इंद्रावती नदी के उस पार बसे पाहुरनार और तुमरीगुणडा से आए ग्रामीणों ने जमकर वोटिंग की है। इंद्रावती नदी पर पुल बनने के बाद पहली बार लोगों ने मतदान किया।

- गौरव रॉय, एसपी, दंतेवाड़ा

ट्रैक्टर में पहुंचे...

मतदान के प्रति लोगों में जमकर उत्साह देखने मिला। नक्सल प्रभावित बड़ेसेट्टी मतदान केन्द्र पहुंचे सुकमा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, एसपी किरण चव्हाण व एएसपी अभिषेक वर्मा ने मतदाताओं से बेखौफ होकर मतदान करने की अपील की। मत डालने पहुंची पहुंची स्मृति यादव, झितरी, बुटकी, सरिता आदि युवा महिला मतदाताओं ने कहा कि पहली बार वह मतदान करने पहुंची है। उन्होंने कहा कि हम अपना मताधिकार का प्रयोग कर एक अच्छा सरपंच और जिला पंचायत सदस्य चुनने जा रहे है। सुरक्षा के लिहाज से डीआरजी, सीआरपीएफ व जिला पुलिस बल के साथ दंतेश्वरी महिला कमांडो को तैनात किया गया था।

सैम बोले- चीन...

धारणा छोड़ने की जरूरत है कि चीन दुश्मन है। पित्रोदा ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण हमेशा से टकराव वाला रहा है, जो दुश्मनी पैदा करता है। सोचने का यह तरीका बदलना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि हम हमेशा चीन को दुश्मन मानें और यह सिर्फ चीन के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए होना चाहिए। सैम पित्रोदा ने कहा, मुझे नहीं पता कि चीन से क्या खतरा है। मुझे लगता है कि इस मुद्दे को अक्सर जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, क्योंकि अमेरिका को हमेशा दुश्मन की पहचान करनी होती है।

17 लाख किसानों...

जारी किया गया है, जबकि अब भी 2 हजार करोड़ रुपए किसानों का बकाया है। छत्तीसगढ़ सरकार की अधिकारिक वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 17 जनवरी से लेकर 31 जनवरी तक यानी 14 दिनों में 16 लाख 99 हजार 596 किसानों ने करीब 17.42 लाख मीट्रिक टन धान बेचा था। उन्होंने मोटा-पतला धान के हिसाब से औसतन प्रति क्विंटल 2300 रुपए की राशि जारी होनी है। इस हिसाब से करीब 3 हजार करोड़ रुपए इन किसानों को दिया जाना है।

धर्मांतरण को लेकर...

का प्रयास कर रहे थे। इसके बाद हंगामा मच गया। धर्मांतरण का विरोध करने पहुंचे बजरंग दल के लोगों ने घर को घटना स्थल पर हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। इसके बाद आरोपियों को थाने लाया गया।

बजाज कंज्यूमर केयर करेगी विशाल पर्सनल केयर का अधिग्रहण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनी बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड दक्षिण भारतीय बाजार में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए प्रतिद्वंद्वी विशाल पर्सनल केयर का 108.3 करोड़ रुपये के उपक्रम मूल्य पर अधिग्रहण करेगी। विशाल पर्सनल केयर के पास बालों एवं त्वचा देखभाल ब्रांड 'बंजारा' का स्वामित्व है।

बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड (बीसीसीएल) के निदेशक मंडल ने पिछले शुक्रवार को हुई बैठक में दो चरणों में विशाल पर्सनल केयर में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। पहले चरण में 49 प्रतिशत और दूसरे चरण में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की जाएगी। बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड के पास बजाज आलमंड ड्रॉप्स ब्रांड का स्वामित्व है। बीसीसीएल ने बयान में कहा, '' अनुमानित लेनदेन मूल्य 120 करोड़ रुपये है, जिसमें उपक्रम मूल्य करीब 108.3 करोड़ रुपये बैठता है।'' इसमें कहा गया, यह कदम बीसीसीएल के भारतीय बाजारों में उपस्थिति बढ़ाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो प्राकृतिक तथा आयुर्वेदिक व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों की बढ़ती मांग का लाभ उठाएगा।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराईट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
नकली माल से सावधान
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है-होटल लॉज में साफ सफाई स्टाफ टॉयलेट क्लीनिंग स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार होटल स्वर्णभूमि बिलासपुर सम्पर्क करें- 7869380124 **(36857)**

आवश्यकता है-समोसा, आलू गुंडा, बड़ा, अंडा भजिया आदि नाश्ता ठेला में नियमित कार्य करने के लिए अनुभवी कुक एवं लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जरहाभाठा राजीव गांधी चौक बिलासपुर 7067077813 **(36854)**

आवश्यकता है-केयर टेकर (देखरेख करने वाली) बच्चों एवं घर के काम हेतु आवश्यकता है रहना खाना फ्री एवं आकर्षक वेतन, सम्पर्क करें-केरा रोड जांजगीर 8600012354 **(36858)**

आवश्यकता है-ज्वैलरी शॉप में काम करने के लिए लड़के एवं लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शर्लिन ज्वेलर्स सदर बाजार, बिलासपुर 9165345678 **(36856)**

आवश्यकता है-हॉस्टल साफ सफाई सुबह 9 से शाम 6 तक, काम करने हेतु कर्मचारी चाहिए। सम्पर्क- मित्र विहार कालोनी, स्काई जिम के बगल वाली गली में, लिंक रोड बिलासपुर 9340969592 7828803577 **(36853)**

आवश्यकता है-इंट्रा, जीतो, पिकअप चलाने हेतु एक अनुभवी ड्राइवर एवं हमाली हेतु हमाल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार परमानेंट जॉब। स्थान बिलासपुर सम्पर्क करें- 6268970045 **(36852)**

आवश्यकता है-रिटेल दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-कृष्णा स्कीन क्लीनिक सरकंडा बिलासपुर 7999677226 **(36841)**

आवश्यकता है-घरेलु कार्य हेतु एक लड़की/ महिला की आवश्यकता है (समय सुबह 9 से शाम 6.30 तक) सम्पर्क करें-शिव मंदिर के पास विद्या नगर बिलासपुर 9685901101, 7000953447 **(36832)**

आवश्यकता है-थोक दुकान में काम करने हेतु फुल टाईम एकाउन्टेन्ट, टेली कालर, कम्प्यूटर आपरेटर, अनुभवी सेल्समेन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7240970000 **(36842)**

आवश्यकता है-सिविल इंजीनियर- 2 (बीई/ डिप्लोमा), सिविल सुपरवाइजर- 5, गाड़ी ड्राइवर-2, ऑटो ड्राइवर-1 चाहिए अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- मेसर्स अरोरा कंस्ट्रक्शन, क्वालिटी रेस्टोरेंट के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 9827902347, 9993777000 **(36851)**

आवश्यकता है-सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर, एचआर एवं बिजनेस डेवलपर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 8319001366, 9977649371 **(36850)**

आवश्यकता है-ड्राइवर चाहिए मालवाहक ऑटो चलाने के लिये ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सोनथलिया एजेन्सीज व्यापार विहार बिलासपुर 07752-405725 **(36848)**

आवश्यकता है-वेल्डर, हेल्पर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 9039524801, 9753511108 **(36843)**

आवश्यकता है-परसदा (सकरी) दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कंस्ट्रक्शन साईट में रह कर सिर्फ चौकीदारी काम करने हेतु चौकीदार की तत्काल आवश्यकता है वेतन 7000 प्रति माह सम्पर्क करें- 9884261185 **(36845)**

आवश्यकता है-गर्ल्स हॉस्टल में कार्य हेतु अनुभवी वार्डन, साफ सफाई करने के लिए महिला एवं अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8817485860, 9302312528, 9302312463 **(36840)**

आवश्यकता है-होलसेल खिलोना दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़को की आवश्यकता है जिसे खिलोना दुकान मे काम करने, कार्टून पैकिंग का अनुभव हो सम्पर्क करें- तेलीपारा बिलासपुर 7711006641, 9753330000 **(36813)**

आवश्यकता है-ड्राइवर-2 (डिलीवरी वाहन हेतु) लड़के-2 (डिलीवरी, स्टॉक डिलीवरी हेतु)लड़की-2 स्टॉक निकालने हेतु मार्केटिंग हेतु सेल्समैन-1 वेतन योग्यता अनुसार पता- एनटी & सन्स दीनदयाल उद्यान के पास व्यापार विहार बिलासपुर 9881122060 **(36820)**

आवश्यकता है-बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री है पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7471176423 **(36790)**

आवश्यकता है-शिखर सेनेटरी दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों एवं मार्केटिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- परिजात कैसल के सामने रिंग रोड नं-2 बिलासपुर 9981198077, 9981152678 **(36818)**

आवश्यकता है-कंस्ट्रक्शन कम्पनी में मैनेजर-2 (सिविल कार्य अनुभवी) कम्प्यूटर ऑपरेटर-1, ड्राइवर-1 की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-समय 12बजे से शाम 5बजे तक अनुमेष कंस्ट्रक्शन तोरवा बिलासपुर 9993495123 **(36822)**

आवश्यकता है-जेसीबी मशीन आपरेटर लोकल बिलासपुर हेतु आवश्यकता है सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार बाजार चौक यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर 9753311111 **(36816)**

आवश्यकता है-युवक/ युवतियों की दुकान कार्य में करने हेतु, हेल्पर, डीटीपी कम्प्यूटर, ऑपरेटर, स्क्रीन प्रिंटर हेतु आवश्यकता है सम्पर्क करें- दीपक काड्र्स गांधी चौक के पास, बिलासपुर 9301189006 **(36829)**

आवश्यकता है-अमसेना पेण्ड्रीडीह कोल डिपो में 5वर्ष अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर माइनिंग अनुभवी एवं 5वर्ष अनुभवी सुपरवाइजर कोल से संबंधित फील्ड का अनुभवी चाहिए। रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें-9893111718 **(36837)**

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़के और लड़कियां, पैकर, डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर **(36823)**

आवश्यकता है-होटल में काम करने हेतु अनुभवी रिसेप्शन मैनेजर एवं रूम सर्विस के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- होटल नटराज लिंक रोड बिलासपुर 9977861508 **(36786)**

आवश्यकता है- कार शो रूम नया बस स्टैंड तथा बाइक शो रूम महाराणा चौक के लिए डे या नाईट कार्य करने हेतु इच्छुक गार्ड सम्पर्क करें-9981630084 **(3298)**

आवश्यकता है-मंत्रा इलेक्ट्रीक ऑटो शोरूम में सेल्स-5 (अनुभवी) मैकेनिक -2 (अनुभवी) आवश्यकता है सम्पर्क करे- श्री मोटर्स तिफरा बिलासपुर 9039140362, 7389145700, 7898869370 **(36828)**

आवश्यकता है-घर में रहकर घरेलू काम मे मदद और बच्चे की देखभाल हेतु ग्रामीण युवती की आवश्यकता है रहने की सुविधा वेतन 10000 संपर्क- गांधी चौक बिलासपुर 9770863628, 9827959907 **(3296)**

आवश्यकता है-रीयल एस्टेट कम्पनी में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्स स्टाफ, साइट सुपरवाइजर (सिविल) एकाउंटेंट एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर, बजरंग चौक, बिलासपुर 8839002378 **(3297)**

आवश्यकता है-रेडीमेड होजयरी एवं होलसेल साड़ी दुकान मे कार्य हेतु लड़को की, वेतन 6000 से 15000 योग्यता अनुसार (समय 11 से 8) सम्पर्क करें- श्रीगणेश होजयरी LT गली करबला रोड बिलासपुर 9826118114 **(3292)**

आवश्यकता है-आगरा में रहकर ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के 10वीं, 12वीं पास अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र सम्पर्क करें- 8937847856, 6395268809 **(301)**

आवश्यकता है-सिक्युरिटी गार्ड, मार्केटिग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन 14500 से 18000 सम्पर्क करें- Tango Security Pvt. Ltd. ऑरेंज हाइव, 6th फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर 8109070600, 7869230888 **(2476)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है जो बाहर रहकर कार्य करे सैलरी 10000 +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें- मंगला चौंक बिलासपुर 7879036112 **(3294)**

आवश्यकता है-Reliance Jio 5G कंपनी Sms Sending Calling Job करके लड़के, लड़किया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए 21500-48500 महीना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ़्त Name, पता Qualification, Call/ sms/ whats app करें- 8918984004 **(3262)**

आवश्यकता है-अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है वेतन 15000 तक, रहने की सुविधा उपलब्ध जिनको सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ की जानकारी हो वैध लाइसेंस के साथ सम्पर्क करें- देव ट्रेवल कार रेंटल सर्विस, मोतीबाग, रायपुर 9752008009, 8959910211 **(1633)**

आवश्यकता है-रायपुर/ भिलाई सहित केंद्र सरकार के प्रतिष्ठत संस्थान हेतु सुरक्षागार्डो की आवश्यकता है न्यूनतम योग्यता 10वीं पास उचाई 5'-6'' उम्र 23-44 साल के बीच वेतन 20000 मासिक सम्पर्क- सीडीओ सिक्योरिटी 7974912977 **(684)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर आपरेटर सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं से स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई-5.7, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited 434 चतुर्थ तल प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर रायपुर 7746000016, 7747000019 **(3160)**

आवश्यकता है-पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। सम्पर्क करें-8981475043, 8017271898 **(3275)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़को की, जो शहर से बाहर जाकर काम करसके योग्यता 10वी, 12वी स्नातक वेतन 10000 +कमीशन +बोनस रहना खाना ट्रैवलिंग फ्री कोई भी शुल्क नहीं लगेगा ट्रेनिंग बाद कमाये 20000 महीना सम्पर्क-9685388875 7415022943 **(304)**

आवश्यकता है-Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घर बैठे पार्ट/ फुल टाईम SMS जॉब करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए 15000 से 45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Call/ Whats App/ SMS करें- 7866031540 **(679)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 35वर्ष वेतन 5000 +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें नेहरू नगर साईं मंदिर के पास 7805932585 **(3299)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है टाइम 10 से 6 बजे तक योग्यता 12वीं पास पता मंदिर चौक बिलासपुर सम्पर्क करें- 8102789556 **(3293)**

आवश्यकता है-Hindustan पेन्सिल पेन के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी करके 85000-95000 कमाने की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में उपलब्ध आपको नौकरी चाहिए तो कॉल करे- Whats App 6397479854 **(14159)**

आवश्यकता है-जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए वेतन 10000+कमीशन +बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 8085888353, 8962000161 **(303)**

सर्विसेस

सर्विसेस-सलाह सर्विसेस कंसल्टेंसी ऑफिस में वर्क फ्रॉम होम, ऑफिस कार्य, फील्ड कार्य उपलब्ध है। पता- सेकेण्ड फ्लोर, लैण्ड मार्क काम्प्लेक्स, करबला रोड, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 6269020001, 6269020002 **(36836)**

बेचना है

बेचना है-तेलीपारा 16×88 प्लाट वृंदावन काम्प्लेक्स 3दुकान इमलीपारा डबल स्टोरी मकान नेहरू नगर 5800 प्लाट, अग्रसेन चौक डबल स्टोरी मकान मित्र विहार 17×47 तोरवा 6000 डबल स्टोरी मकान फुलफर्निश्ड सम्पर्क- 9302855022 **(36821)**

बेचना है-पुराना बस स्टैण्ड इमलीपारा रोड पर गोपाल मोबाइल के बाजू गली में मेन रोड ने 50मी. अन्दर 20×54= 1080 वर्गफुट से बना पूर्व मुखी मकान बेचना है सम्पर्क- 9479169958, 9479026526 **(36831)**

बेचना है-तेलीपारा 16×88 प्लाट वृंदावन काम्प्लेक्स 3दुकान इमलीपारा डबल स्टोरी मकान नेहरू नगर 5800 प्लाट, अग्रसेन चौक डबल स्टोरी मकान मित्र विहार 17×47 तोरवा 6000 डबल स्टोरी मकान फुलफर्निश्ड सम्पर्क- 9302855022 **(36821)**

बेचना है-हर्ष- फिनिक्ससिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 8839455596, 7697644444 **(36177)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है-तिफरा यदुनन्दन नगर 1500 वर्गफिट प्लाट में बना 2BHK घर और दुकान 40लाख एवं सेक्टरडी में 700 रुपए वर्गफिट पर डायवर्टेड प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9826314444 **(36800)**

बेचना है-रतनपुर केरा तालाब से लगा हुआ पूर्व मुखी 20 फीट रोड पर 44×55= 2420 वर्गफीट का प्लाट अति शीघ्र बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 9407912771, 8827288033 **(36827)**

बेचना है-वार्ड नं.-16 कुदुदण्ड पानी टंकी के सामने गली में 1डिसमिल जमीन में बना 2मंजिला मकान नीचे 1कमरा, किचन अटेच लेटबाथ, ऊपर 1हाल लेटबाथ सर्वसुविधायुक्त कीमत 1851000 सम्पर्क 9753505350, 9522248786 **(36846)**

किराया

किराया-सर्व सुविधायुक्त 2बीएचके नया मकान बिजली पानी सुविधा सहित किराए से देना है नौकरी पेशा एवं छोटी फैमली वाले को प्राथमिकता सम्पर्क करें- गणेश विहार साईं आनंदम उसलापुर बिलासपुर 6260699296 **(36855)**

किराया-1200 वर्गफीट हॉल मंगला चौक बैंक ऑफ इंडिया की बिल्डिंग में किराये से देना है सम्पर्क करें-9425535104, 9039968650 **(36830)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

किराया-व्यापार विहार गुम्बर पेट्रोल पम्प पीछे दर्श टॉवर में ऑफिस, बैंक, कोचिंग, क्लीनिक, पार्लर, हॉटल, रेस्टोरेन्ट, दुकान, स्टोर, व्यावसायिक कार्य हेतु भूतल 370 वर्गफिट, प्रथम, द्वितीय, तृतीय तल 530 वर्गफिट किराये से देना है सम्पर्क- 9098950356, 7489244588 **(36824)**

किराया-लोकेशन बजाज पेंट मंगला चौक मिनोचा कॉलोनी गेट नं-1 के सामने, ग्राउंड फ्लोर 900 वर्गफीट, फर्स्ट फ्लोर 2000 वर्गफीट दुकान किराए से देना है सम्पर्क करें- 9827167987, 8871887871, 7392873298 **(36835)**

किराया-मेन रोड मसानगंज आकाश स्टोर्स के ठीक सामने 10×10 फीट की एक दुकान किराये से देना है नटराज वीडियोज के बगल में। सम्पर्क करें- 9755268998 **(6226)**

व्यापार

व्यापार-अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000 से 50000 प्रतिमाह कमाएं आटो मेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क- APS इंटरप्राईजेस रायपुर-9111760925, 7477221345, बिलासपुर- 8359913999, 9589288936 रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871 **(3194)**

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी एण्ड पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स एण्ड पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

खबर संक्षेप

स्वितोलिना का दुबई में जीत से आगाज

दुबई। दो बार की पूर्व चैंपियन एलिना स्वितोलिना ने पिछली उपविजेता रूस की अन्ना कालिंस्काया को दुबई चैंपियनशिप के पहले दौर में 6-1, 6-2 से हरा दिया। पिछले साल कालिंस्काया क्वालीफाइंग दौर के जरिए पहुंची थी और लगातार तीन शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ियों को हराया था जिसमें नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियाटेक शामिल है। इस बार हालांकि वह यूक्रेन की स्वितोलिना के सामने टिक नहीं सकी। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडूकानू ने मारिया सक्कारी को 6-4, 6-2 से मात दी। अब वह 14वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा से खेलेगी।

जीव लीजेंड्स टूर पर 19वें स्थान पर रहे

मारबेला। भारत के अनुभवी गोल्फर जीव मिल्खा सिंह रविवार को यहां 2025 लीजेंड्स टूर की मारबेला स्टेस्योर प्रतियोगिता में

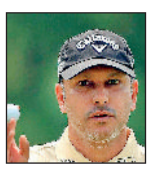

संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहे। जीव ने अंतिम दौर में 71 का स्कोर बनाया। उन्होंने चार बर्डी की लेकिन एक बोगी और एक डबल बोगी भी कर गए। उन्होंने कुल तीन अंडर के स्कोर से शीर्ष 20 में जगह बनाई। जीव ने पहले दो दौर में 68 और 73 का स्कोर बनाया था।साइमन ग्रिफिथ्स ने कुल 15 अंडर के स्कोर के साथ लीजेंड्स टूर का सत्र का पहला टूर्नामेंट जीता।

गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल रद्द

गुलमर्ग। पांचवें खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का शनिवार से यहां शुरू होने वाला दूसरा सत्र क्षेत्र में पर्याप्त बर्फबारी नहीं होने के कारण स्थगित कर दिया गया।

इसकी नई तारीखों का ऐलान मौसम में सुधार होने पर किया जाएगा। खेल मंत्रालय ने बताया, 'खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का जम्मू कश्मीर चरण स्थगित कर दिया गया है।'गुलमर्ग में अल्पाइन स्कीइंग, नोर्डिक स्कीइंग, स्की पर्वतारोहण और स्नोबोर्डिंग स्पर्धाएं होनी थी। पहला चरण लेह में 23 से 27 जनवरी के बीच खेला गया जिसमें आइस हॉकी और आइस स्केटिंग स्पर्धाएं हुई थी।

बुमराह की गैर मौजूदगी से उम्मीदें जगी: कायेस

नई दिल्ली। बांग्लादेश के पूर्व सलामी बल्लेबाज इमरुल कायेस ने कहा है कि जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में उनकी टीम के पास 20

फरवरी को चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में भारत के तेज आक्रमण को दबाव में लाने का मौका होगा। कायेस ने कहा, 'भारतीय टीम काफी मजबूत है और उसके पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण और बल्लेबाजी क्रम है। लेकिन बुमराह टीम में नहीं है। हम सभी को पता है कि पिछले दो साल में उसने भारतीय क्रिकेट के लिए क्या किया है। उसकी गैर मौजूदगी से बांग्लादेश को फायदा मिलेगा।'

पाकिस्तान पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम

लाहौर। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को पाकिस्तान पहुंच गई। टूर्नामेंट की शुरुआत बुधवार को कराची में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से होगी। पाकिस्तान गत चैंपियन भी है जिसने 2017 इंग्लैंड में आयोजित टूर्नामेंट के पिछले सत्र में भारत को हराकर खिताब जीता था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 'एक्स' पर लिखा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी 2025 के लिए लाहौर पहुंच गई है।

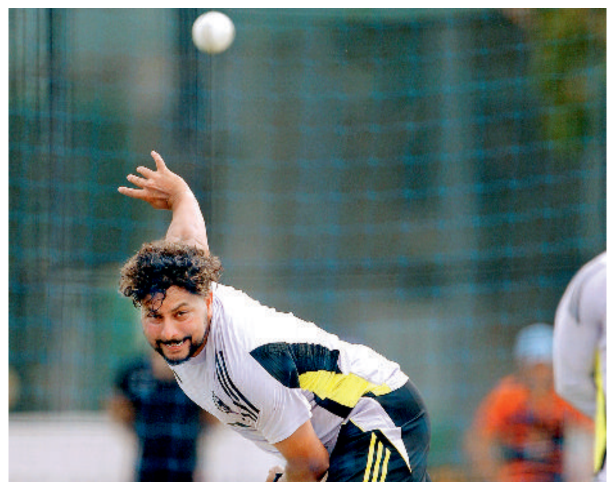

19 फरवरी से टूर्नामेंट का आगाज : 20 को भारत का पहला मैच

चैंपियंस ट्रॉफी : बुमराह के बिना भारत की उम्मीदें शमी के जादू पर, पाक में नहीं लगा भारत का झंडा

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

मोहम्मद शमी के दाहिने हाथ में जादूगर सा फन है और अपनी कलाई के झटके से वह दुनिया के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों को चकमा दे सकते हैं लेकिन क्या वह इस जादू से भारत को बारह साल बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में मदद कर सकते हैं ?

प्रशंसकों को उम्मीद है कि शमी इस टूर्नामेंट में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी महसूस नहीं होने देंगे। बुमराह चोट के कारण टीम से बाहर हैं। वैसे शमी की तैयारियों को लेकर काफी चिंताएं भी हैं। भारतीय टीम को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को पहला मैच खेलना है। चौंतीस वर्ष के शमी चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न स्तरों और अलग अलग प्रारूप में कुछ मैच खेले हैं लेकिन बड़े टूर्नामेंट में अपेक्षाओं पर खरे उतरने का दबाव अलग होता है। ऐसे में बुमराह की गैर मौजूदगी में उन पर दबाव और बढ़ जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी के साझेदार अर्शदीप सिंह होंगे लेकिन वह बुमराह की श्रेणी के गेंदबाज नहीं हैं।

नई गेंद से करना होगा कमाल

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी का मानना है कि शमी के पास काफी अनुभव है और वह इस चुनौती का सामना कर लेंगे। बालाजी ने कहा, 'उसने 2019 वनडे विश्व कप और पिछले विश्व कप (2023) में बुमराह से बेहतर गेंदबाजी की थी। बुमराह विभिन्न प्रारूपों में चैंपियन गेंदबाज है लेकिन शमी के पास अनुभव है और बुमराह के आने से पहले भारत के आक्रमण की जिम्मेदारी उसी पर थी। अगर भारत को अच्छा प्रदर्शन करना है तो शमी को नई गेंद से कमाल करना होगा। पहले छह ओवर में नई गेंद से प्रदर्शन भारत के लिए काफी मायने रखेगा। अगर वह शुरुआती कामयाबी दिला सका तो भारत का मनोबल काफी बढ़ेगा।' शमी की जिम्मेदारी विकेट लेना ही नहीं बल्कि अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाजों का मार्गदर्शन करने की भी होगी।

पाकिस्तान की शर्मनाक हरकत

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी को होने जा रही है। ओपनिंग मैच में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। टूर्नामेंट का मेजबान पाकिस्तान हो और कोई विवाद न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें फैंस द्वारा दावा किया गया है कि कराची स्टेडियम में भारतीय झंडे को नहीं लगाया गया है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक, कोई भी देश अगर बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है तो उसे सभी हिस्सा लेने वाले देशों के झंडे लगाने होते हैं। हालांकि, कराची में आठ देशों के इस टूर्नामेंट के सात देशों के झंडे लगे दिख रहे हैं।

दर्शकों ने जीत की छोड़ दी थी उम्मीद, ऋषि दीवान बने हीरो

छत्तीसगढ़ वॉरियर्स बनी लीजेंड-90 की चैंपियन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम में सोमवार को लीजेंड-90 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला दर्शकों के दिलों को धड़काने वाला रहा। छत्तीसगढ़ वॉरियर्स ने राजस्थान के खिलाफ अंतिम ओवर की आखिरी गेंद पर जीत हासिल कर इतिहास रच दिया। छत्तीसगढ़ के ऋषि दीवान ने शानदार नाबाद 40 गेंदों पर 70 रन की पारी खेली और टीम को शानदार वापसी दिलाई, जिससे स्टेडियम में भी दर्शक खुशी से झूम उठे। इस रोमांचक फाइनल मुकाबले में 10000 से अधिक दर्शक मौजूद थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 15 ओवर में 160 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य सेट किया। लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी छत्तीसगढ़ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान मॉटीन गप्टिल केवल 6 रन बनाकर आउट हो गए, वहीं गुरक्रीत सिंह भी 1 रन बनाकर पैवेलियन लौट गए। इसके बाद शेल्डन जैक्सन ने 12 गेंदों पर 24 रन की पारी खेली, लेकिन मैच का असली टर्निंग प्वाइंट ऋषि दीवान की शानदार बल्लेबाजी रही। उन्होंने चौके और छक्कों की मदद से टीम को जीत के करीब पहुंचाया और अंत में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स को रोमांचक जीत दिलाई। यह मैच दर्शकों के लिए अविस्मरणीय बन गया और छत्तीसगढ़ की टीम ने अपनी जबरदस्त वापसी से सभी को हैरान कर दिया।

10 ओवर के बाद मैच में आया ट्विस्ट

फाइनल मुकाबले में 10 ओवर के बाद स्टेडियम में दर्शकों ने छत्तीसगढ़ की जीत की उम्मीद पूरी तरह से छोड़ दी थी, क्योंकि टीवी स्क्रीन पर दिखाया जा रहा था कि मैच जीतने के लिए अब 30 गेंदों में 65 रन चाहिए, लेकिन इसके बाद शेल्डन जैक्सन और अभिमन्यु ने मैदान में ऐसी तूफानी बल्लेबाजी की, जिससे मैच का पूरा परिणाम पलट गया। इन दोनों खिलाड़ियों ने केवल दो ओवरों में 46 रन बना दिए और छत्तीसगढ़ को वापसी का भरोसा दिलाया। अंतिम 11 गेंदों में 31 रन की आवश्यकता थी और अभिमन्यु ने अक्रामक बल्लेबाजी कर दबाव को कम किया। फिर सिद्धार्थ ने एक ही गेंद में 6 रन बनाकर छत्तीसगढ़ वॉरियर्स को दो विकेट से जीत दिला दी। इस शानदार साझेदारी ने दर्शकों को चौंका दिया और छत्तीसगढ़ ने अपनी शानदार वापसी से दर्शक भी हैरान थे।

गुजरात के बेबी का नाबाद अर्धशतक

अहमदाबाद। अनुभवी सचिन बेबी के नाबाद अर्धशतक से गुजरात ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन सोमवार को यहां गुजरात के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 206 रन बनाए। बाएं हाथ के 36 वर्षीय बल्लेबाज सचिन बेबी ने 193 गेंद में आठ चौकों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए जिससे केरल ने पहली बार फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखी। सचिन बेबी को मोहम्मद अजहरुद्दीन के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला जो 66 गेंद में तीन चौकों की मदद से 30 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों पांचवें विकेट के लि 49 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं।

पाकिस्तान में छाया क्रिकेट का खुमार

कराची। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में क्रिकेट का खुमार छाया है और प्रशंसक बुधवार से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। कई क्रिकेटप्रेमी निराश हैं कि भारतीय टीम अपने मैच पाकिस्तान में नहीं खेल रही है। कराची के सदर इलाके में मशहूर जेनब मार्केट के दुकानदार मोईज अहमद ने कहा, 'यह निराशाजनक है क्योंकि भारतीय टीम और खिलाड़ियों खासकर विराट कोहली को यहां काफी पसंद किया जाता है।' कॉलेज के छात्र काशिफ ने कहा कि वह हमेशा से कोहली के मुरीद रहे हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

बिलासपुर मण्डल — Annexure-A

कार्य विवरण:- खरसिया रेलवे स्टेशन पर , 2 पहिया, 4 पहिया एवं पीसीसीवी वाहनों की पार्किंग के निविदा आवंटन हेतु ई-नीलामी

खरसिया रेलवे स्टेशन पर दो पहिया, चार पहिया एवं पीसीसीवी के पार्किंग स्टैंड के ठेके के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। । कैटेलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्मानुसार है:-

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
PARK-MX - 25-2	(पार्किंग-मिश्रित)	20.02.25 12:00:00	PARKING-BSP-KHS-MX- 6-24-1	खरसिया रेलवे स्टेशन के परिचालित छेत्र में दो पहिया, चार पहिया एवं पीसीसीवी टैक्सी/टेम्पो/ऑटो/मिनी बस/(कार)वाहनों के लिए पार्किंग स्थल ।	1095 दिन

सहायक वाणिज्य प्रबंधक (गुड्स)
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/AM/502

South East Central Railway @secrail

विलियमसन ने मिडिलसेक्स से दो साल का किया अनुबंध

एजेंसी ▶▶| लंदन

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी20 ब्लास्ट और काउंटी चैंपियनशिप में खेलने के लिए मिडिलसेक्स क्रिकेट के साथ दो साल का अनुबंध किया है जबकि वह इस साल द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट की कप्तानी भी करेंगे। आधुनिक समय के सबसे महान

बल्लेबाजों में से एक माने जाने वाले विलियमसन इससे पहले ग्लूसेस्टरशर (2011-2012) और यॉर्कशर (2013-2018) के लिए खेल चुके हैं। वह सत्र के दूसरे भाग में मिडिलसेक्स के 14 टी20 ब्लास्ट ग्रुप मुकाबलों में से कम से कम 10 और कम से कम पांच काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। विलियमसन ने कहा, 'मैंने अतीत में थोड़ा काउंटी क्रिकेट खेला है लेकिन पिछले कई वर्षों से नहीं खेला है इसलिए जब मिडिलसेक्स के साथ यह अवसर आया तो यह वास्तव में रोमांचक संभावना थी।' न्यूजीलैंड के लिए सभी प्रारूपों में विलियमसन ने 47 शतक सहित 18,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। टेस्ट में उनका औसत 54.88, वनडे में 49.65 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 33.44 है।

भारत का दबदबा : 20 साल में बनाए 6000 से अधिक रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा रहा है। 1998 से 2017 के बीच इस आईसीसी टूर्नामेंट के 8 संस्करणों में 13 टीमें खेली हैं। रन बनाने के मामले में भारत सबसे आगे है।

भारत ने 29 मैच की 28 पारियों में 41.87 के औसत से 6156 रन बनाए हैं। इंग्लैंड ने 25 मैच की 25 पारियों में 32.63 के औसत से 5907 रन बनाए हैं। श्रीलंका ने 27 मैच की 27 पारियों में 32.15 के औसत से 5884 रन बनाए हैं। द.अफ्रीका ने 24 मैच की 24 पारियों में 32.22 के औसत से 5479 रन बनाए हैं।

न्यूजीलैंड ने 24 मैच की 24 पारियों में 27.97 के औसत से 5232 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 24 मैच की 24 पारियों में 34.12 के औसत से 4914 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज ने 24 मैच की 24 पारियों में 30.44 के औसत से 4871 रन बनाए हैं। पाकिस्तान ने 23 मैच में 27.89 के औसत से 4491 रन बनाए हैं। बांग्लादेश ने 12 मैच में 2338 रन बनाए हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा नं. एवं दिनांक 735-सिओएन एनजीपी-इआय-एनआयटिआर /दिनांक 03.02.2025

ई-निविदा कार्य: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपूर मंडल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी स्टेशन में नए वितरित इंटरलॉकिंग का प्रावधान, एसएंडटी केबल क्लीयरेंस यार्ड में (होम टू होम सिग्नल) इंजीनियरिंग अर्थवर्क की सुविधा के लिए, दरेकसा, तुमसर रोड, कलमना और कन्हान स्टेशन (मेसर्स हिताची रेल एसटीएस जिसे पहले मेसर्स अंसाल्डो एसटीएस मेक के नाम से जाना जाता था) के मौजूदा वितरित इलेक्ट्रॉनिक्स इंटरलॉकिंग के संशोधन के साथ यार्ड रीमॉडलिंग कार्य, मौजूदा अप / डाउन ऑटो गुमटियों का स्थानांतरण और समपार फाटकों के बंद होने के कारण एमएसडीएसी के मध्य सेक्शन ऑटो सिग्नल / डीपी का स्थानांतरण और राजनादगाव कलमना तीसरी लाइन के अन्य बचे हुए कार्य करने हेतू । **ई- निविदा मूल्य:** रुपये: 41,89,96,646/- (रु.इकतालीस करोड़ नवासी लाख छियानवे हजार छह सौ छियालीस केवल. **अमानत राशि:** रु. 22,45,000/- रुपये बाईस लाख पैंतालीस हजार केवल.) **ई - निविदा बंद करने की दिनांक और समय:** 26/02/2025

निविदा दस्तावेज़, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी हेतु उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/ निर्माण/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर के कार्यालय में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं उससे डाउनलोड कर/देख सकते हैं ।

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण)

सीपीआर/10/AM/497 द.पू.म. रेलवे, नागपुर

South East Central Railway @secrail

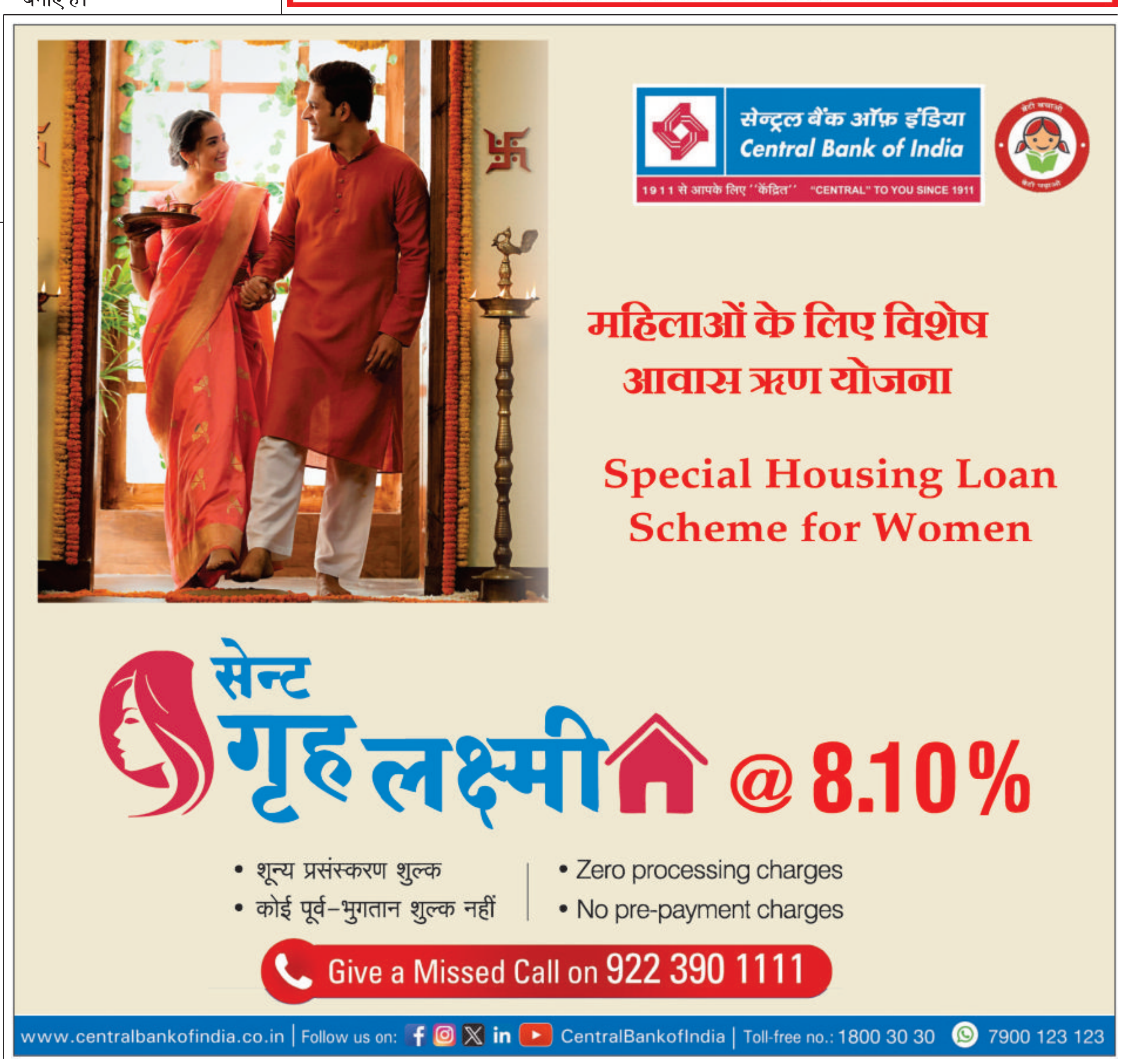

पहाड़ी में छिपा मिला 27 हजार साल पुराना पिरामिड

एजेंसी ▶▶| जकार्ता

इंडोनेशिया में दुनिया का सबसे पुराना पिरामिड मिलने का दावा खोजकर्ताओं ने किया है। पश्चिम जावा में ये जगह मिली है, जिसका इतिहास हजारों वर्ष पुराना माना जा रहा है। इस पिरामिड को स्थानीय लोग गुनुंग पडंग यानी ज्ञान का पहाड़ कहते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह पहाड़ नहीं बल्कि एक पिरामिड है और ये गीजा के पिरामिड और स्टोनहेंज से भी पुराना हो सकता है। ऐसे में यह खोज मानव सभ्यता के विकास के बारे में इंसानी समझ को चुनौती देगी। एक्सपर्ट का कहना है कि आने वाले दिनों में इस जगह से जुड़े नए खुलासे हो सकते हैं।

इंडोनेशिया की प्राचीन इमारत का गीजा से भी प्राचीन इतिहास!

खुदाई में दिलचस्प खुलासे

इस जगह की शोधकर्ता जैसे-जैसे खुदाई आगे बढ़ा रहे हैं, उन्हें एक विशाल ढांचे के सबूत मिल रहे हैं। यह जगह प्राचीन बिल्डरों की कुशलता का प्रमाण है, जिन्होंने कृषि या ज्ञात सभ्यताओं के आने से बहुत पहले उन्नत वास्तुशिल्प का निर्माण किया था। इसका निर्माण प्रागैतिहासिक मानव की तकनीकी क्षमताओं और सामाजिक संगठन के बारे में गंभीर प्रश्न उठाता है। गुनुंग पडंग का स्थानीय लोगों के बीच लंबे समय से सांस्कृतिक महत्व रहा है, जो इसे 'पुंडेन बेरुंडक' यानी सीढ़ीदार पिरामिड के रूप में मान्यता देते हैं।

संरचना को पहाड़ी समझ रहे थे लोग

इंडोनेशियाई वैज्ञानिकों की एक टीम ने हाल ही में पाया कि गुनुंग पडंग साधारण प्राकृतिक पहाड़ी नहीं, बल्कि प्राचीन समय में बना पिरामिड हो सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि इस संरचना का निर्माण एक विलुप्त ज्वालामुखी के कठोर लावा प्रवाह का उपयोग करके किया गया, जिसे एक स्थिर आधार बनाने के लिए जटिल रूप से बदला गया होगा। गुनुंग पडंग के भूकंपीय अध्ययनों से पता चला है कि इसके भीतर बड़ी छिपी हुई सुरंग और कक्ष हो सकते हैं। इनमें से कुछ 15 मीटर तक लंबी हैं और इनकी छत 10 मीटर की ऊंचाई पर है।

रोचक खबरें

नहीं छिप पाएगी धरती की कोई हलचल, बाज की तरह नजर रखेगा भारत-अमेरिका का 'निसार'

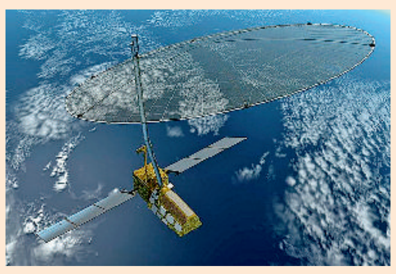

नई दिल्ली। निसार प्रोजेक्ट नाम का यह मिशन पृथ्वी के सतह का अध्ययन करने के लिए एक द्विपक्षीय रडार मिशन है। इसके अलावा इस मिशन के जरिए जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को लेकर भी स्टडी की जाएगी। बता दें कि यह मिशन मार्च 2025 को लॉन्च हो सकता है।

धरती की निगरानी करेगा मिशन : नासा के साथ भारत के इस महत्वाकांक्षी मिशन निसार (नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) को जल्द लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन में इसरो एक सिंथेटिक एपर्चर रडार को अंतरिक्ष में भेजेगा, जो धरती पर होने वाली सभी भौगोलिक बदलावों को बिना किसी रुकावट के ट्रैक करेगा।

भूकंप को करेगी मॉनीटर

निसार सैटेलाइट दुनिया की पहली डुअल फ्रिक्वेंसी रडार इमेजिंग सैटेलाइट है, जिसमें नासा के एल- बैंड (1.25 गीगाहट्र्ज) और इसरो के एस-बैंड (3.2 गीगाहट्र्ज) दोनों रडार लगे हैं। यह टेक्नोलॉजी भूकंप को मॉनीटर करने, ग्लेशियर में हलचल, वनों की कटाई और प्राकृतिक आपदाओं से बुनियादी ढांचे को होने वाले नुकसान को भी मॉनीटर करेगा।

गगनयान मिशन की भी तैयारी

निसार मिशन के अलावा भारत इस साल गगनयान मिशन के तहत एक अनक्रूड मिशन को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजेगा। यह मिशन भारत के अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में भेजने की तैयारी का ही एक हिस्सा है। गगनयान मिशन के लिए भारत ने 20,193 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। यह मिशन भारत के एक अन्य महत्वाकांक्षी परियोजना, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के साथ जुड़ा हुआ है।

छोटे रोबोट्स की जगह जिंदा कॉकरोचों का होगा इस्तेमाल, कई काम निकलवाएंगे साइंटिस्ट्स

लंदन। फिल्मों में ऐसा बहुत देखा गया है। एक आधा इंसान और आधा रोबोट वाला शख्स या दो दुनिया बचाने का काम कर रहा होता है या फिर दुनिया तबाह कर रहा होता है। इस तरह से इंसान और मशीन का मिश्रण को साइबोर्ग कहते हैं। वे अभी तक केवल विज्ञान फंतासी का ही हिस्सा रहे हैं। वैज्ञानिक भी इसे सच बनाने की संभावनाओं पर काम कर रहे हैं। लेकिन, इसी दिशा में उन्होंने एक अहम सफलता पाई है। उन्होंने साइबोर्ग कॉकरोच बनाया है, जो कई कामों में इंसानों के लिए चमत्कारी साबित हो सकते हैं। इनमें बचाव कार्य सबसे अहम हैं। कॉकरोच की सबसे खास बात ये होती है चरम विपरीत वातावरण में भी रह सकते हैं। वे कम संसाधनों में भी कम जरूरतों के साथ रह सकते हैं।

अलग से रोबोट बनाने की जरूरत नहीं

वैसे तो वैज्ञानिक महीने कीड़े नुमान रोबोट बनाने में बहुत आगे निकल गए हैं, लेकिन ओसाका यूनिवर्सिटी के मोचाम्माद अरियान्टो और इंडोनेशिया के यूनिवर्सिटी विश्वविद्यालय के उनके सहयोगियों ने कुछ हट कर सोचा है। उनका मकसद छोटे पैमाने की मशीनें बनाने के बजाय कीटों की ही कुदरती काबिलियतों का ही इस्तेमाल करना है।

सबसे बड़ा फायदा

सामान्य बड़े रोबोट के विपरित कॉकरोच बहुत ही छोटी छोटी जगहों में, यहां तक कचरे और मलबे में भी घुसपैठ कर सकते हैं। उन्हें इसके लिए अलग से ऊर्जा की जरूरत नहीं होगी ना ही बैटरी आदि का झंझट होगा। अरियोंटो का कहना है कि कीड़ों में केवल इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जोड़ कही रोबोटिक इंजीनियरिंग के बारीकियों से बचा जा सकता है और मकसद हासिल किए जा सकते हैं। ऐसे कॉकरोच भूकंप, बाढ़, आगजनी की घटनाओं से पैदा हुए मुश्किल हालात में काम आ सकते हैं, जहां इंसानों का पहुंचना बहुत ही ज्यादा जोखिम भरा हो जाता है।

क्या हम सब मंगल ग्रह के वंशज हैं? नई रिसर्च से चौंकाने वाला खुलासा!

न्यूयार्क। वैज्ञानिकों ने जीवन की उत्पत्ति को लेकर एक चौंकाने वाली खोज की है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक जीवन की शुरुआत अब तक के अनुमान से सैकड़ों मिलियन साल ज्यादा, लगभग 4.2 अरब साल बताई जा रही है। इसका मतलब यह हुआ कि धरती पर जीवन की शुरुआत उम्मीद से कहीं ज्यादा जल्दी हुई। लगभग उतनी ही तेजी से, जितनी तेजी से यह रहने लायक बनी। धरती पर जीवन की उत्पत्ति को लेकर वैज्ञानिकों के बीच दशकों से बहस चल रही है। अब एक नई रिसर्च में दावा किया गया है कि जीवन की शुरुआत अब तक के अनुमान से कई सौ मिलियन साल पहले ही हो चुकी थी। नेचर इकोलॉजी एंड एवोल्यूशन में प्रकाशित एक अहम अध्ययन में वैज्ञानिक एडवर्ड मूडी और उनकी टीम ने जीवन के सबसे पुराने पूर्वज यानी 'लास्ट यूनिवर्सल कॉमन एंसेस्टर' की उम्र 4.09 से 4.33 अरब साल बताई है। यह उम्र अब तक के फॉसिल रिकॉर्ड पर आधारित अनुमानों से कई सौ मिलियन साल अधिक है।

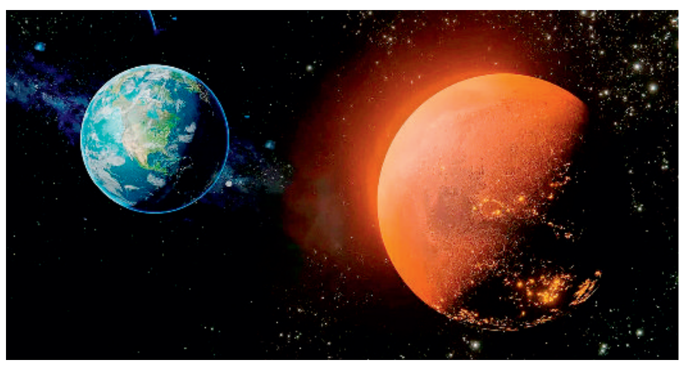

धरती पहले पूरी तरह बंजर थी?

अब तक माना जाता था कि धरती पर जीवन की शुरुआत 'लेट हेवी बॉम्बार्डमेंट' के बाद ही हुई थी। यह वह दौर था, जब 4.1 से 3.8 अरब साल पहले धरती पर उल्काओं और धूमकेतुओं की लगातार बारिश हो रही थी। वैज्ञानिकों का मानना था कि इस भीषण टकराव से पूरी पृथ्वी जल गई होगी, जिससे जीवन पनपने की कोई संभावना नहीं थी। लेकिन, अब कुछ वैज्ञानिक एलएचबी की तीव्रता पर सवाल उठा रहे हैं। क्या यह टकराव सच में इतना भयानक था कि उसने धरती को पूरी तरह से निर्जीव बना दिया? नए शोध बताते हैं कि जीवन की शुरुआत इससे पहले ही हो सकती थी, और एलयूसीए शायद इस कठोर परिस्थितियों में भी बचा रहा होगा।

तो बदल जाएगा ब्रह्मांड को देखने का नजरिया

धरती पर अब तक सैकड़ों मंगल ग्रह के उल्कापिंड मिल चुके हैं, जो यह साबित करते हैं कि मंगल की चट्टानें कभी-न-कभी हमारी पृथ्वी तक पहुंची हैं। अगर पैनस्पर्मिया थ्योरी सही है, तो इसका मतलब हो सकता है कि धरती पर जीवन की असली जड़ें मंगल में थीं. । हालांकि, इस पर अभी भी शोध जारी है, लेकिन अगर भविष्य में इस पर ठोस सबूत मिलते हैं, तो यह हमारे ब्रह्मांड को देखने के नजरिए को पूरी तरह बदल सकता है!

क्या धरती पर जीवन किसी और ग्रह से आया?

धरती पर जीवन की तेजी से शुरुआत ने वैज्ञानिकों के सामने एक बेहद रोमांचक सवाल खड़ा कर दिया है—क्या जीवन धरती पर पैदा हुआ था, या यह किसी और ग्रह से आया था? यही विचार 'पैनस्पर्मिया' थ्योरी के रूप में जाना जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार, जीवन किसी अन्य ग्रह पर विकसित हुआ और उल्कापिंडों के जरिए धरती पर पहुंचा। हालांकि, यह एक पुराना विचार है जिसे अक्सर खारिज कर दिया जाता है, क्योंकि यह गणितीय रूप से बेहद असंभव माना जाता है। अगर कोई उल्कापिंड सौर मंडल के बाहर से आया होता, तो उसकी यात्रा लाखों-करोड़ों साल लंबी होती और इस दौरान तेज़ रेडिएशन किसी भी जीवित कोशिका को नष्ट कर देता। साथ ही, इतनी दूर से आने वाली कोई भी वस्तु ज़्यादा संभावना से सूर्य या बृहस्पति की तीव्र गुरुत्वाकर्षण शक्ति में फंस जाती, बजाय इसके कि वह धरती तक पहुंचे।

क्या मंगल से आया जीवन?

लेकिन कहानी पूरी तरह बदल जाती है, अगर यह जीवन मंगल ग्रह से आया हो। वैज्ञानिक ये कहते हैं कि यह पूरी तरह संभव है कि मंगल पर जीवन पहले विकसित हुआ हो और फिर किसी उल्कापिंड के ज़रिए धरती तक पहुंचा हो। दरअसल, मंगल और पृथ्वी लगभग एक ही समय बने थे, लेकिन मंगल बहुत जल्दी ठंडा हो गया। वैज्ञानिक रिकॉर्ड बताते हैं कि मंगल पर उसकी शुरुआती दिनों में भरपूर पानी था, यानी वह जीवन के लिए अनुकूल हो सकता था। मंगल पर चंद्रमा जैसा कोई बड़ा उपग्रह नहीं था, जिससे उसकी सतह पर शुरुआती उथल-पुथल कम हुई और जीवन पनपने के लिए अधिक समय मिला। चूंकि, मंगल की गुरुत्वाकर्षण शक्ति पृथ्वी से कम है, इसलिए जब कोई उल्का मंगल की सतह से टकराती थी, तो वहां से चट्टानों के टुकड़े अंतरिक्ष में आसानी से छिटक जाते थे और सौर मंडल में फैल जाते थे।

इसरो का धमाल

150 टन वजन, 5.4 मीटर लंबाई, बना दिया सबसे बड़ा प्रोपलेंट मिक्सर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक और कामयाबी हासिल की है। बता दें कि इसरो ने सॉलिड मोटर्स के लिए 10 टन प्रोपेलेंट मिक्सर को विकसित किया है। इसरो ने इसे भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता का प्रमाण बताया है। बता दें कि इस प्रोपेलेंट मिक्सर को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र और सेंट्रल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट बेंगलुरु के सहयोग से डिजाइन और विकसित किया गया है।

दुनिया का सबसे बड़ा वर्टिकल प्रोपेलेंट मिक्सर

इस 10 टन वर्टिकल मिक्सर का वजन लगभग 150 टन है। इसकी लंबाई 5.4 मीटर और चौड़ाई 3.3 मीटर के साथ ही ऊंचाई 8.7 मीटर है। इसको लेकर इसरो ने बयान जारी करते हुए कहा,' स्वदेशी 10-टन वर्टिकल मिक्सर का निर्माण भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता और इनोवेशन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का सच्चा प्रमाण है। अंतरिक्ष विभाग ने 'आत्मनिर्भर अंतरिक्ष' के हिस्से के रूप में क्रिटिकल टेक्नोलॉजीज, सामग्रियों और मशीनरी के स्वदेशी विकास की दिशा में कई पहल की हैं।' स्पेस एजेंसी ने आगे कहा,' यह सॉलिड प्रोपेलेंट की प्रोसेसिंग के लिए दुनिया का सबसे बड़ा वर्टिकल प्रोपेलेंट मिक्सर है, जो कि किसी बड़े तकनीकी चमत्कार से कम नहीं है। सॉलिड प्रोपेलेंट रॉकेट मोटर्स की बैकबोन हैं और उनके प्रोडक्शन के लिए अधिक सेंसिटिव और खतरनाक इंग्रेडिएंट्स के सटीक मिश्रण की जरूरत होती है।'

हाई-कैपेसिटी मिक्सिंग

इस मिक्सर को बीते हफ्ते बेंगलुरु में सीएमटीआई के डायरेक्टर ने एसडीएससी एसएचएआर के निदेशक को सौंप दिया था। एक सिंगल बैच में प्रोपेलेंट इंग्रेडिएंट्स की हाई-कैपेसिटी मिक्सिंग 10 टन के वर्टिकल मिक्सर की मुख्य विशेषताओं में से एक है। यह सटीकता के साथ काम करता है और इसमें क्वालिटी कंसिस्टेंसी और परफोर्मेंस का कंट्रोल है। यह अत्यधिक खतरनाक सामग्रियों को संभालने के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय है।

अब वैज्ञानिकों ने डीएनए से पहचाना

130 साल तक रहस्य बना रहा सीरियल किलर जैक द रिपर

लंदन। दुनिया में कई आपराधिक मामले अनसुलझे हैं। कुछ तो दशकों नहीं, सदियों पुराने हैं। अक्सर ऐसे मामले कुछ दशकों में बंद हो जाते हैं। पर कई बार संयोग से किसी तरह का खुलासा होने पर ऐसे मामले ना केवल चर्चा में आते हैं, बल्कि खुल कर सुलझते भी देखे गए है। एक सौ साल पुराना मामला एक गुत्थी सुलझने से इन दिनों चर्चा में हैं। लंदन शहर के इस हत्याकांड पर कई फिल्में बन चुकी हैं और आज लोग जैक द रिपर को शायद आपराधिक मामले से कम फिल्मों के नाम से ज्यादा जानते हैं। पर वैज्ञानिकों ने 130 साल बाद इस असली सीरियल किलर की पहचान करने में सफलता पा ली है।

क्या था जैक द रिपर का मामला

यह मामला कुछ दशक पुराना नहीं, बल्कि 1888 का है। उस समय एक हत्यारे ने एक के बाद एक 5 महिलाओं की बेरहमी से हत्या कर लंदन सहित दुनिया भर में सनसनी फैला दी थी। सीरियल किलर की हत्याओं का इन मामलों ने लंबे समय तक ब्रिटेन की पुलिस को उलझाए रखा और हत्यारा जैक द रिपर के नाम से मशहूर हो गया था जो महिलाओं को बेरहमी से हत्या कर रहा था।

एक शॉल में मिला सुराग

साल 2007 में लेखक और रिपर पर रिसर्च करने वाले रसेल एडवर्ड ने इक पीड़िता कैथरीन एडोइस की शॉल हासिल कर ली थी, उन्हें यह शॉल एक नीलामी में मिली थी। अब हाल ही में एडवर्ड्स ने उस शॉल पर लगे खून के धब्बों से डीएनए निकाला और उसके जरिए यह पता लगा सके कि यह डीएनए असल में एक शख्स ऐरोन कोमिन्सकी का है।

एक्सपर्ट्स ने की पुष्टि

ऐलान करने से पहले एडवर्ड्स ने विशेषज्ञों की टीम बुलाई जिसमें फॉरेंसिक वैज्ञानिक शामिल थे। टीम ने यह सुनिश्चित किया कि डीएनए मैचिंग बिल्कुल सही है। डेलीमेल के मुताबिक उसके बाद ही हत्यारे की सटीक पहचान की पुष्टि हो सकी।

एलियन्स ने किया किडनैप, एक घंटे तक बनाए रखा बंधक, शख्स ने बताया कैसे दिखते थे वो

वॉशिंगटन। एलियन और यूएफओ देखे जान की घटनाएं कम नहीं हैं। हैरानी की बात ये तक है कि दुनिया में कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां एलियन दिखने की रिपोर्ट ज्यादा ही की गई हैं। ऐसे ही एक इलाका, स्कॉटलैंड का एक गांव है जहां दो लोगों ने ना केवल यूएफओ देखा था, बल्कि उनका दावा है कि उन्हें एक छह फुट के एलियन ने किडनैप तक कर लिया था। इस कहानी की गहन पड़ताल तक हुई थी और इसकी कई व्याख्याएं तक की गई थी।

यूएफओ की राजधानी

यूके के स्कॉटलैंड में फॉर्किर्क ट्राएंगल के नाम से मशहूर ऐसी ही एक जगह है, जहां यूएफओ देखे जाने की बहुत सी रिपोर्ट की गई हैं। फाल्किर्क , ग्सालगो और एडिनबर्ग के बीच का है। इसी इलाके का एक गांव बोनी ब्रिज दुनिया की यूएफओ की राजधानी कहा जाता है। यहां यूएफओ देखे जाने से लेकर अपहरण तक की कहानियां सुनने को मिलती हैं।

एक उड़नतश्तरी आई

यहां 1992 में गैरी वुड और कोलिन राइड के साथ विचित्र अनुभव हुआ था। जब वे दक्षिण लैनार्कशायर के टैराब्रैक्स में सैटेलाइट टीवी डिलिवर करने जा रहे थे। एक रिपोर्ट मुताबिक तब एलियन्स ने उनका अपहारण कर लिया। रात के 10 बजे उन्हें आसमान में एक अलग से काली सी चीज दिखी जो नीचे आ रही थी। करीब 30 फुट चौड़ी यह चीज नीचे से गोल थी। फिर 10 से 15 सेकेंड के लिए सबकुछ अंधकार से भर गया था। जब उन्हें होश आया तो उनकी कार दूसरी ही दिशा में पड़ी थी। पर जब उन्होंने समय देखा तो करीब एक घंटा हो चुका था।

कैसा दिखाई दिया एलियन

1996 में ग गैरी ने बताया कि उन्होंने उनकी कार की ओर आते हुए तीन लोगों को देखा। उस समय उन्हें बिजली के झटके जैसा तेज दर्द हो रहा था। इसके बाद उन्होंने खुद को किसी कमरे में पाया जहां ये लोग उनके शरीरके साथ कुछ कर रहे थे। लेकिन, फिर एक छह फुट का जीव उनके पास है। सफेद भूरे रंग के इस जीवा का सिर बड़ा था और आंखें गहरी थी। लंबी गर्दन थी, लेकिन उसके कंधे और कमर बहुत पतले थे। इंसानों के जैसी भुजाएं थी, लेकिन केवल चार लंबी उंगलियां थीं। इसके पहले और बाद में भी कई यूएफओ देखे जाने की रिपोर्ट हुईं।

बादशाह और मसक्कली समेत 400 कबूतर चोरी, कीमत 10 लाख रुपए

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ से चोरी का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक शख्स के 400 कबूतर चोरी हो गए। चोरी हुए कबूतरों की कीमत 10 लाख रुपए बताई जा रही है। शिकायत मिलने के बाद मेरठ पुलिस ने 400 कबूतरों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर रही है। हालांकि, कबूतर कारोबारी का आरोप है कि पड़ोसी ने ही कबूतरों की चोरी की है।

पूरा मामला थाना लिसाड़ी गेट का है। यहां के रहने वाले हाजी कय्यूम पिछले 20 साल से कबूतरों का व्यापर कर रहे है। कबूतरों को लड़ाने के साथ ही उनके मीट का व्यापर करते आ रहे है। उनका कहना है कि रविवार की रात को उनके छत से बादशाह और मसक्कली समेत 400 कबूतरों की चोरी हो गई। हाजी कय्यूम का दावा है कि एक कबूतर के जोड़े की कीमत 50 हजार तक थी। इसके बाद वे थाना लिसाड़ी गेट पहुंचकर

मुकदमा दर्ज करवाया। कबूतर चोरी का मामला सामने आने के बाद पुलिस भी हैरत में आ गई।

सुबह खुला चोरी का राज

सोमवार सुबह जब हाजी कय्यूम अपनी छत पर कबूतरों को दाना डालने पहुंचे तो उन्हें एक भी कबूतर नजर नहीं आया। पहले उन्हें लगा कि शायद कबूतर उड़ गए होंगे, लेकिन जब उन्होंने चारों ओर तलाश की और छानबीन की तो चोरी की पुष्टि हुई। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पड़ोसी पर शक

कबूतर मालिक हाजी कय्यूम का आरोप है कि चोरों ने पड़ोसी के यहां बन रहे निर्माण सामग्री का इस्तेमाल कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि चोरी हुए कबूतरों की कीमत 10 लाख रुपए से अधिक है। हाजी कय्यूम के मुताबिक चोरी हुए कबूतर अलग-अलग नस्ल के थे। फिलहाल, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कबूतरों के साथ ही चोरों की तलाश भी शुरू कर दी है। कबूतर चोरी का यह मामला सुर्खियों में हैं।

इलाके में फैली सनसनी

विदेशी नस्ल के इतने महंगे कबूतरों की चोरी से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा। फिलहाल, इस अनोखी चोरी को लेकर शहर भर में चर्चा हो रही है और लोग इस वारदात को लेकर अचंभित हैं।

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com